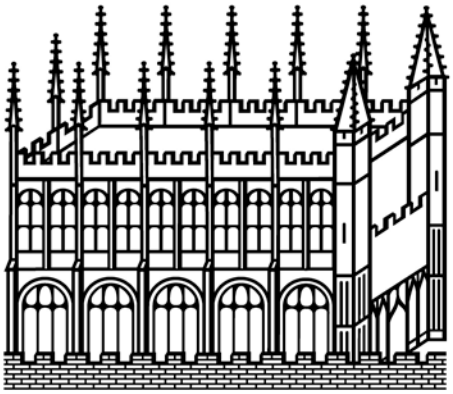


Bodleian Libraries

UNIVERSITY OF OXFORD

This book is part of the collection held by the Bodleian Libraries and scanned by Google, Inc. for the Google Books Library Project.

For more information see:

http://www.bodleian.ox.ac.uk/dbooks



This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 2.0 UK: England & Wales (CC BY-NC-SA 2.0) licence.

Hindi Pul. 8
13. D. 84.

Indian Institute, Oxford.
The Lucknow Sparks Library.
Presented
by
Munshi Newul Kishore.

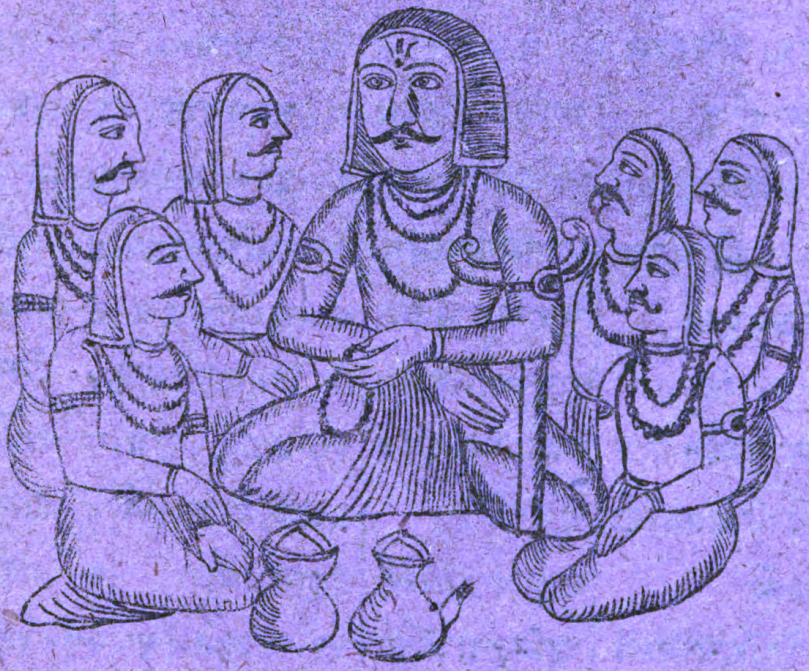
Vinayapatrikā.

Binay Patterkatra

विनयपत्रिका

जिसमें

गुसाईं तुलसीदास जीने श्रीरामचन्द्र परमब्रह्म परमेश्वर और जगज्जननि जानकी सहारानी के विनययुक्त भजनरागरागिनियों में वर्णनकियेहैं



पहिलीवार

स्यानलखनऊ

मुन्शी नवलकिशोर के छापेखाने में छपी

जनवरी सन १८८४ ई०

विज्ञप्ति

इस महीने अर्थात् जनवरी सन १८७४ ई० पर्य्यन्त जो पुस्तकें बेचने के लिये तय्यार हैं वह इस फ़ेहरिस्त में लिखवी हैं और उनका मोल भी बहुत किफ़ायत से घटा कर लिखवा है परन्तु व्योपारियों के लिये और भी सस्ती होंगी जिन को व्योपार की इच्छा हो वह छापेख़ाने के मुहतमिम अथवा मालिक के नाम पत्र भेज कर क़ीमत का निर्णय कर लें॥

नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब
भाषा इतिहास	चौथे हिस्से में	७-द्रोण पर्व्व	२-सभापर्व्व
महाभारत	शान्ति पर्व्व दान ध-	८-कर्ण पर्व्व	३-बनपर्व्व
१-पहिले हिस्से में	र्म्म अश्वमेध आश्र	९-शल्य पर्व्व द	४-विराट पर्व्व
आदि पर्व्व सभा प-	म बासिक पर्व्व व	गदा पर्व्व सौप्तिक प-	५-उद्योग प-
र्व्व बनपर्व्व	मौशल पर्व्व वदा-	र्व्व मय सौप्तिक व	र्व्व-भीष्म पर्व्व
२-दूसरे हिस्से में	रण प्रस्थान स्वर्गा	विशोक वस्त्री पर्व्व	७-द्रोण पर्व्व
विराट पर्व्व उद्योग	रोहण पर्व्व हरिवं-	१०-शान्ति पर्व्व रा-	८-कर्ण पर्व्व
पर्व्व भीष्म पर्व्व द्रो-	श पर्व्व	ज धर्म्म मोक्ष धर्म्म	९-शल्य पर्व्व
ण पर्व्व	महाभारत पर्व्व	वदान धर्म्म	१०-गदा पर्व्व
३-तीसरे हिस्से में	श्लेहदा भी हैं	११-अश्वमेध आ-	११-स्त्री पर्व्व
कर्ण पर्व्व शल्य पर्व्व	१-आदि पर्व्व	श्रम बासिक मुशा-	१२-स्वर्गारोहण
गदा पर्व्व सौप्तिक प-	२-सभा पर्व्व	ल पर्व्व महा प्रस्था	रामायण रामविलास
र्व्व शोशिक पर्व्व स्त्री	३-बनपर्व्व	न वस्वर्गारोहण	रामायण तुलसीकृत
पर्व्व शान्ति पर्व्व में	४-विराट पर्व्व	१३-हरिवंश पर्व्व	रामायण सटीक मय
राजधर्म्म आपद धर्म्म	५-उद्योग पर्व्व	महाभारत सवलसि-	मानस दायिका कोष
मोक्ष धर्म्म	६-भीष्म पर्व्व	१-आदि पर्व्व	आदि

श्रीगणेशायनमः

विनयपत्रिका ॥



रागबिलावल ॥ गाइयेगणपतिजगबन्दन । शंकरसुवन भवानीनन्दन ॥ टेक ॥ सिद्धिसदनगजबदनबिनायक । कृपासिन्धुसुन्दरसबलायक । मोदकप्रियमुदमंगलदाता । विद्याबारिधिबुद्धिबिधाता । मांगततुलसिदासकरजोरे । बसहिंरामसियमानसमोरे १ दीनदयालदिवाकरदेवा । करनिमनुजसुरासुरसेवा ॥ टेक ॥ हिमतमकरिकेहरिकरमाली । दहनदोषदुखदुरितरुजाली । कोककोकनदलोकप्रकाशी । तेजप्रतापरूपरसराशी । सारथिपंगुदिव्यरथगामी । हरिशंकरबिधिमूरतिस्वामी । बेदपुराणप्रकटयशजागै । तुलसीरामभक्तिबरमांगै २ ॥ रागधनाश्री ॥ कोयाँचियेशंभुतजिआन । दीनदयालभगतआरतहरसबप्रकारसमरथभगवान॥ टेक ॥ कालकूटज्वरजरतसुरासुरनिजप्रणलागिकियोबिषपान । दारुणदनुजजगतदुखदायकजारेउत्रिपुरएकहीबान । जोगतिअगममहामुनिदुर्लभकहतसन्तश्रुतिसकलपुरान । सोइगतिमरणकालअपनेपुरदेतसदाशिवसबहिसमान । सेवतसुलभउदारकल्पतरुपारवतीपतिपरमसुजान । देहुरामपदनेहकामरिपुतु

लसिदासकहकृपानिधान ३ दानीकहुंशंकरसमनाहीं। दीनदयालदयाहीभावैयाँचकसदासुहाहीं ॥ टेक ॥ मारि कैमारथप्योजगमें ताकीप्रथमरेखमटमाहीं। ताठाकुरको रीझिनिवाजिबोकहिक्योंपरतमोपाहीं। योगकोटिकरि जोगतिहरसोंमुनिमांगतसकुचाहीं। बेदविदिततेहिंप दपुरारिपुरकीटपतंगसमाहीं। ईशउदारउमापतिपरिह रिअनतजेयाँचनजांहीं। तुलसिदासतेमूढ़मांगनेकबहुंन पेटअघाहीं ४ बावरोरावरोनाहभवानी॥ दानिबड़ोदिन देतदियोबिनुवेदबड़ाईमानी ॥ टेक ॥ निजघरकीबरबात बिलोकहुहौतुमपरमसयानी। शिवकीदईसम्पदादेखत श्रीशारदासिहानी। जिनकेभाललिखीलिपिमेटीसुख कीनहींनिशानी। तिनरंकनकोनाकसँवारतहौंआयोनक बानी।दुखदीनतादुखीइनकेदुखयांचकताअकुलानी। यह अधिकारसोंपियेऔरहिभीखभलीमैंजानी। प्रेमप्रशंसा बिनयव्यंगियुत सुनिविधिकीबरबानी। तुलसीमुदितम हेशमनहिंमनजगतमातुमुसुकानी ५॥ रागरामकली ॥ मांगि येगिरिजापतिकाशी।जासुभवनअणिमादिकदासी। अवढ रदानिद्रवतपुनिथोरेसकतनदेखिदीनकरजोरे।सुखसंपति मतिसुगतिसुहाई सकलसुलभशंकरसेवकाई। गयेजेशर णआरतकेलीन्हे। निरखिनिहालनिमिषमहँकीन्हे। तुल सिदासयांचकगुणगावै बिमलभक्तिरघुपतिकीपावै ६ कसनदीनपरद्रवहुउमाबरदारुणबिपतिहरणकरुणाकर। वेदपुराणकहतउदारहरहमरिबेरकसमयहुकृपणतर।क वनिभक्तिकीन्हीगुणनिधि द्विजहोइप्रसन्नदीन्हें उशिवपद

निज । जोगतिअगममहामुनिगावहिंतुवपुरकीटपतंगहु पावहिं । देहुकामरिपुरामचरणरति तुलसिदासप्रभु हरहुभेदमति ७ देवबड़ेदाताबड़ेशंकरबड़ेभोरे । कियेदूरिदुखसबनकेजिननिनकरजोरे । सेवासुमिरणपूजिबोपातआखतथोरे । दियोजगतजहँलगिसबैसुखगजरथघोरे । गांवबसतबामदेवमैंकबहुंननिहोरे । अधिभौतिकबाधाभईतेकिंकरतोरे । बेगिबोलिकिनबरजियेकरतूतिकठोरे । तुलसीदलिरूघोचहैंशठशाखसहोरे ८ शिवशिवहोइप्रसन्नकरुदाया । करुणामयउदारकीरतिबलिजाउँहरहुनिजमाया । जलजनयनगुणअयनमयनरिपुमहिमाजाननकोई । बिनतवकृपारामपदपंकजसपनेहुभक्तिनहोई । ऋषियसिद्धमुनिमनुजदनुजसुरअपरजीवजगमाहीं । तवपदबिमुखनपारपावकोउकल्पकोटिचलिजाहीं । अहिभूषणदूषणरिपुसेवकदेवदेवत्रिपुरारी । मोहनिहारिदिवाकरशंकरशरणशोकभयहारी । गिरिजामनमानसमरालकाशीशमशाननिवासी । तुलसिदासहरिचरणकमलबरदेहुभक्तिअविनाशी ९ ॥ रागधनाश्री ॥ देवमोहतमतरणिहररुद्रशंकरशरणहरणभवशोकलोकाभिरामं । बालशशिभालसुबिशालललोचनकमलकामशतकोटिलावण्यधामं । कंबुकुंदेंदुकर्पूरबिग्रहरुचिरतरुणरबिकोटितनतेजभाजै । भस्मसर्वांग अर्द्धांगशैलात्मजाव्यालनृकपालमालाविराजै । मौलिसंकुलजटामुकुटबिद्युतछटा जटिनिवरवारिहरिचरणपूतं । श्रवणकुंडलगरलकंठकरुणाकंदसच्चिदानंदबंदेवधूतं । शूलशायकपिनाकाशिकरशत्रुवनदहनइवधूमध्वज

वृषभयानं । व्याघ्रगजचर्मपरिधानविज्ञानघनसिद्धसुर मुनिमनुजसेव्यमानं । तांडवीनृत्यपरडमरुडिमडिमध्व रध्वशुभइवभांतिकल्यानराशी । महाकल्पांतब्रह्माण्डमं डलदवनभवनकैवल्यआसीनकाशी । अज्ञसर्वज्ञयज्ञेशअ च्युतविभोविश्वभवदंशसंभवपुरारी। ब्रह्मेंद्रचंद्रार्कवरुणा ग्निवसुमरुतयमअर्चिभवदंघ्रिसेवाधिकारी । अकलनिरु पाधिनिर्गुणनिरंजनब्रह्मकर्मपथमेंकमजनिर्विकारं। अखि लविग्रहउग्ररूपशिवभूपसुरसर्वगतसर्वसर्वोपकारं । ज्ञा नवैराग्यधनधर्मकैवल्यसुखसुभगसौभाग्यशिवसानुकूलं। तदपिनरमूढ़आरूढ़संसार पथभ्रमतभवविमुखतवपादमू लं । नष्टमतिदुष्टअतिकष्टरतखेदगतदासतुलसीशंभुशरण आया। देहिकामारिश्रीरामपदपंकजेभक्तिभवहरणिगतभे दमाया १० देवभीषणाकारभैरवभयंकरभूतप्रेतप्रमथाधि पतिविपतिहर्ता । मोहमूषकमार्जारसंसारभयहरणतारण तरणअभयकर्ता ।अतुलबलविपुलविस्तारविग्रहगौरअम लअतिधवलधरणीधराभं । शिरसिसंकुलितकलकूटपिंग लजटापटलशतकोटिविद्युच्छटाभं । भ्राजविबुधापगाआ पपावनपरममौलिमालेवशोभाविचित्रं । ललितललाट पररजरजनीशकलकलाधर नौमिहरधनदमित्रं ३ इन्दु पावकभानुनयनमर्दनमयनज्ञानगुणअयनविज्ञानरूपं । रवनगिरिजाभवनभूधराधिपसदा श्रवणकुंडलवदनछवि अनूपं । चर्म्मअशिशूलधरडमरुशायकचापयानवृषभेषक रुणानिधानं । जरतसुरअसुरनरलोकशोकाकुलंमृदुलचि तअजितकृतगरलपान । भवतनभषनव्याघ्रचर्मांबरंउरग

नरमौलिउरमालधारी। डाकिनीशाकिनीखेचरंभूचरंयंत्र मंत्रभंजनप्रबलकल्मषारी। कालअतिकालकलिकालव्या लादिखगत्रिपुरमर्दनभीमकर्मभारी।सकललोकांतकल्पां तशूलाग्रकृतदिग्गजाव्यक्तगुणनृत्यकारी । पापसन्ताप घनघोरसंश्रितदीनभ्रमतजगयोनिनहिकोपित्राता । पा हिभैरवरूपरामरूपीरुद्रबंधुगुरुजनकजननीबिधाता ।य स्यगुणगणगनतिबिमल मतिशारदानिगमनारदप्रमुख ब्रह्मचारी। शेषसर्बेशआसीनआनन्दबनप्रणततुलसीदा सत्रासहारी ११ सदाशंकरंसप्रदंसज्जनानंददंहैमकन्या बरंपरमरम्यं। काममदमोचनंतामरसलोचनंबामदेवंभजे भावगम्यं। कम्बुकुंदेंदुकर्पूरगौरंशिवंसुदरंसच्चिदानन्दक न्दं। सिद्धसनकादियोगीन्द्रवृन्दारकाविष्णुविधिबन्दिच रणारविन्दं। ब्रह्मकुलबल्लभंसुलभमतिदुर्लभंबिकटबेषंवि भुंवेदपारं। नौमिकरुणाकरंगरलगंगाधरंनिर्मलंनिर्गुणंनि र्बिकारं। लोकनाथंशोकशूलनिर्मूलिनंशूलिनंमोहतमभूरि भानुं।कालकालंकलातीतमजरंहरंकठिनकलिकालकामद कृशानुं। तज्ञानज्ञानपाथोधिघटसंभवंसर्बगंसर्बसौभाग्यमू लं। प्रचुरभवभंजनंप्रणतजनरंजनंदासतुलसीशरणसानु कूलं१२ ॥ रागबसंत ॥ सेवहुशिवचरणसरोजरेनु।कल्याण अखिलप्रदकामधेनु। कर्पूरगौरकरुणाउदार संसारसारभु जगेंद्रहार।सुखजन्मभूमिमहिमाअपार निर्गुणगुणनायक निराकार। त्रयनयनमयनमर्दनमहेश अहंकारनिहारउ दितदिनेश । बरबालनिशाकरमौलिभ्राज। त्रैलोक्यशो कहरप्रमथराज । जिनकहँविधिसुगतिनलिखीभाल ।

तिनकीगतिकाशीपतिकृपाल। उपकारीकोंपरहरसमान सुरअसुरजरतकृतगरलपान। वहुकल्पउपाइकरीअनेक विनुशम्भुकृपानहिभवविवेक। विज्ञानभवनगिरिसुतार मन कहतुलसिदासममत्रासशमन १३ देखोदेखो बनबन्योआजुउमाकन्त। मनोदेखनतुम्हैंआईऋतुब सन्त। मनुतनद्युतिचम्पककुसुममाल बरबसननील नूतनतमाल। कलकदलिजघपदकमललाल सूचक कटिकेहरिगतिमराल। भूषणप्रसूनबहुविविधिरंग नूपु रकिंकिणिकलरवविहंग। करनवलबकुलपल्लवरसाल श्रीफलकुचकंचुकिलताजाल। आननसरोजकचमधुपपुं ज लोचनविशालनवनीलकंज। पिकबचनचरितबरब रहिकीर सितसुमनहासलीलासमीर। कहतुलसिदा ससुनुशिवसुजान उरबसिप्रपंचरचेपंचबान। कर कृपाहरियभ्रमफंदकाम जेहिहृदयबसहिसुखराशिराम १४॥ रागमारू॥ दुसहदोषदुखदलनिकरुदेविदाया। वि श्वमूलासिजनुमानुकूलासिशरशूलधारिणि महामूलमा या। तड़ितगर्भांगसर्वांगसुंदरलसतदिव्यपटभव्यभूषण बिराजै। वालमृगमंजुखंजनविलोचनिचंद्रवदनिलखिको टिरतिमारलाजै। रूपसुखशीलसीमासिभीमासिरामासि बामासिवरबुद्धिबानी। छमुखहेरंबअंबासिजगदंबिकेशंभु जायासिजयजयभवानी। चंडभुजदंडखंडनिविहंडनिमुंड महिषमदभंगकरिअंगतारे। शुंभनिःशुंभकुंभीशरणकेशरि णिक्रोधवारिधवैरिवृंदवारे। निगमआगमअगमगुर्वितवगु णकथनउर्विवरकरतजेहिसहसजीहा। देहिमामाहिप्रनप्र

मनिजनेमयहरामघनश्यामतुलसीपपीहा १५ ॥ रामसारंग॥
जयजयजगजननिदेवि सुरनरमुनिअसुरसेवि भक्तमुक्ति
दायिनिभयहरणिकालिका। मंगलमुदसिद्धिसदनपबस
बरीशबदनितापतिमिरतरुणतरणिकिरणिमालिका। बर्म
चर्मकरिकृपाण शूलसेलधनुषबाणधरणिदलनिदानवद
लरणकरालिका। पूतनापिशाचप्रेतडाकिनिशाकिनिसमे
तभूतग्रहबैतालखगमृगालिजालिका। जयमहेशगामिनि
अनेकरूपनामिनि समस्तलोकस्वामिनिहिमशैलबालि
का। रघुपतिपदपरमप्रेमतुलसीचहैअचलनेम देहुह्वैप्रस
न्नपाहिप्रणतपालिका १६ जयभागीरथनन्दिनिमुनिचय
चकोरचंदिनिनरनागबिबुधबंदिनिजयजह्नुबालिका। बि
ष्णुपदसरोजजासिईशशीशिपरबिभासित्रिपथगासिपुण्य
राशिपापछालिका। बिमलबिपुलबहसिबारिशीतलत्रय
तापहारिभवरवरबिभगतरतरंगमालिका। पुरजनपूजोप
हारशोभितशशिधवलधारमंजनभवभारभक्ति कल्पथालि
का। निजतटबासीबिहंगजलथलचरपशुपतङ्गकीटजटिल
तापससबसरिसपालिका। तुलसीतवतीरतीर सुमिरतर
घुबंशबीरबिचरतमतिदेहुमोहिंमहिषकालिका १७ ॥ राम
रामकली ॥ जयतिजयसुरसरीजगदखिलपावनी। बिष्णु
पदकंजमकरन्दइव अम्बुबरबहसिदुखदहसिअघवृन्दबि
द्राविनी। मिलितजलपात्र अजयुक्तहरिचरणरजबिरजवर
बारित्रिपुरारिशिरधामिनी। जह्नुकन्याधन्यपुण्यकृत
सगरसुतभूधरद्रोनिबिदरनिबहुनामिनी। यक्षगन्धर्ब
मुनिकिन्नरोरगदनुजमनुजसबहिंसुकृतपुंजयुनकामिनी।

स्वर्गसोपानविज्ञानज्ञानप्रदे मोहमदमदनपाथोजहिमया मिनी । हरितगम्भीरवानीरदुहुतीरबरमध्यधाराबिशद बिश्वअभिरामिनी । नीलपर्यंककृतशयनसर्पेशजनुसह सशीशावलीश्रोतुसुरस्वामिनी । अमितमहिमाअमित रूपभूपावलीमुकुटमणिबन्दितैलोक्यपथगामिनी । देहि रघुबीरपदप्रीतिनिर्भरमातु दासतुलसित्रासहरणिभव भामिनी १८ हरणिपापत्रिबिधितापसुमिरतसुरस रित । बिलसतिमहिकल्पबेलिमुदमनोरथफरित । सो हतिशशिधवलधारसुधासलिलभरित । बिमलतरतरंग लसतरघुबरकेसेचरित । तोबिनुजगदम्बगंगकलियुग काकरित । घोरभवअपारसिंधुतुलसीकैसेतरित १९ ईशशीशबससित्रियथलशशिनभपतालधरणि । मुनिसु रनरनागसिद्धसुजनमंगलकरणि । देखतदुखदोषदुरितदा हदारिददरणि । सगरसुवनशांसतिशमनिजलनिधिजल भरणि । महिमाकोअवधिकरसिबहुबिधिहरिहरणि । तु लसीकरुबानिबिमलबिमलबारिबरणि २० ॥ रागबिला वल ॥ जमुनाज्योंज्योंलागीबाढ़न । त्योंत्योंसुकृतसुभट कलिभूपहिनिदरिलगेभुजकाढ़न । ज्योंज्योंजलमलीन त्योंत्योंयमगणमुखमलीनहैआढ़न । तुलसिदासजगदघ जवासज्योंअनघमेघलागेडाढ़न २१ ॥ रागभैरव ॥ सेइय सहितसनेहदेहभरिकामधेनुकलिकाशी । शमनिशोकस तापपापरुजसकलसुमगलराशी । मर्य्यादाचहुंओरचर नवरसेवतसुरपुरबासी । तीरथसबशुभअंगरोमशिवलिंग अमितअबिनाशी । अन्तरअयनअयनभलथलफलबच्छ

वेदविश्वासी । गलकम्बलकरुणाबिभातिजनुमूलसतसरितासी । दण्डपाणिभैरवबिषाणमलरुचिखलगणभयदासी । लोलदिनेशत्रिलोचनलोयनकरणघंटघंटासी । मणिकर्णिकाबदनशशिसुंदरसूरसरिससुखमासी । स्वारथपरमारथपरिपूरणपंचक्रोशमहिमासी । बिश्वनाथपालककृपालचितलालतिनितगिरिजासी । सिद्धिशचीशारदपूजहिमनजोगवतरहतिरमासी । पंचाक्षरीप्राणमुदमाधवगव्यसुपंचनदासी । ब्रह्मजीवसमरामनामदोऽआखरबिश्वबिकासी । चारितुचरतिकरमकुकरमकरिमरतजीवगनघासी । लहतपरमपदपयपावनजेहिचहतप्रपंचउदासी । कहतपुराणरचीकेशवनिजकरकरतूतिकलासी । तुलसीबसिहरपुरीरामजपुजोभयोचहैसुपासी। २२ ॥ रागबसंत ॥ सबशोचबिमोचनचित्रकूट । कलिहरनकरनकल्याणबूट । शुचिअवनिसुहावनिआलबाल । काननबिचित्रबारीबिशाल । मंदाकिनिमालिनिसदासींच बरबारिबिषयनरनारिनीच । शाखासुश्रृंगभूरुहसुपात निर्झरमधुबरमृदुमलयबात । शुकपिकमधुकरमुनिबरबिहारुसाधनप्रसूनफलचारिचारु । भवघोरघामहरसुखदछांहथप्योथिरप्रभावजानकीनाह । साधकसुपथिकबड़ेभागपाइ पावतअनेकअभिमतअघाइ । रसएकरहितगुणकर्मकाल सियरामलषणपालककृपाल । तुलसीजोरामपदचहसिप्रेम । सेइयेगिरिकरिनिरुपाधिनेम २३ ॥ रागकान्हरा ॥ अबचितचेतुचित्रकूटहिचलु । कोपितकलिलोपितमंगलमगबिलसतबढ़तमोहमायामलु । भूमिबिलोकि

रामपदअंकितबनबिलोकिरघुबरबिहारथलु । शैलशृङ्ग भवभंगहेतुलखुदलनकपटपाषण्डदंभदलु । जहँजनमेज यजनकजगतपतिबिधिहरिहरपरिहरिप्रपंचछलु । सुकृ तप्रवेशकरतजेहिआश्रमबिगतबिषादभयेपारथनलु । नकरुबिलंबबिचारुवारुमतिबर्षपाछिलेसमअगिलोपलु । मंत्रसोजाइजपहिजोजपिभयेअजरअमरहरअचैहलाहलु। रामनामजपयागकरतनितमज्जतपयपावनिपीवतजलु । करिहैंरामभावतोमनकोसुखसाधनअनयासमहाफलु । कामदमणिकामताकल्पतरुसोयुगयुगजागतजगतीतलु । तुलसीतोहिंबिशेषबूझिये एकप्रतीतिप्रीतिएकैबलु २४

रागधनाश्री ॥ जयतिअंजनीगर्भअंबोधिसंभूतबिधुबिबुधकुल कैरवानंदकारी ।केशरीचारुलोचनचकोरकसुखदलोकगण शोकसंतापहारी । जयतिजयबालकपिकेलिकौतुकउदित चंडकरमण्डलग्रासकर्त्ता । राहुरबिशक्रपबिगर्बखर्ब्बीकर णशरणभयहरणजयभुवनभर्त्ता । जयतिरणधीररघुबीर हितदेवमणिरुद्रअवतारसंसारपाता । बिप्रसुरसिद्धमुनि आशिषाकरबपुषबिमलगुणबुद्धिबारिधिबिधाता । जयति सुग्रीवऋक्षादिरक्षणनिपुणबालिबलशालिबधमुख्यहेतू । जलधिलंघनसिंहसिंहिकामद मथनरजनिचरनगरउत्पा तकेतू । जयतिभूनन्दिनीशोचमोचनबिपिनदलनघननाद बशबिगतशंका । लूमलीलानलज्वालमालाकुलितहोलि काकरणलंकेशलंका । जयतिसौमित्ररघुनन्दनानन्दकर ऋक्षकपिकटकसंघटबिधायी । बद्धबारिधसेतुअमरमंगल हेतुभानुकुलकेतुरणबिजयदायी । जयतिजयबज्रतनुद ग

ननखमुखविकटचण्डभुजदण्डतरुशैलपानी। समरतैलिकयंत्रतिलतमीचरनिकरपरिडारसुभटघालिघानी। जय तिदशकंठघटकरणकारिदनादकदनकारणकालनेमिहंता। अघटघटनासुघटविघटनविकटभूमि पातालजलगगनगन्ता। जयतिविश्वविख्यातबानैतबिरदावलीबिदुषवरण तबेदविमलबानी। दासतुलसीत्रासशमनसीतारमनसंग शोभितरामराजधानी २५ जयतिमर्कटाधीशमृगराजविक्रममहादेवमुदमङ्गलालयकपाली। मोहमदकोहकामादिखलसंकुलाघोरसंसारनिशिकिरणमाली। जयतिलसदंजनादितिजकपिकेसरीकश्यपप्रभवजगदार्त्तिहर्त्ता। लोकलोकपकोकनदशोकहरहंस हनुमानकल्याणकर्त्ता। जयतिसुविशालविकरालबिग्रह बज्रसारसर्वाङ्गभुजदण्ड भारी। कुलिशनखदशनबरलसतबालधिदृढ़दबैरिशस्त्रास्त्रधरकुधरधारी। जयतिजानकीशोचसन्तापमोचनराम लक्ष्मणानन्तबारिजबिकाशी। कीशकौतुककेलिलूमलंका दहनदलनकाननतरुणतेजराशी। जयतिपाथोधिपाषाणजलथानकरयातुधानप्रचुरहर्षहाता। दुष्टरावणकुम्भकर्णपाकारिजितममभित्कर्मपरिपाकदाता। जयतिभुवनैकभूषणबिभीषणवरदबिहितकृतरामसंग्रामशाका। पुष्पकारूढ़सौमित्रसीतासहित भानुकुलभानुकीरतिपताका। जयतिपरयंत्रमंत्राभिचारग्रसनकार्म्मरणकूटकृत्यादिहन्ता। शाकिनीडाकिनीपूतनाप्रेतबैतालभूतप्रमथयूथजन्ता। जयतिबेदान्तबिधिबिबिधिबिद्याविशद वेदवेदांगबिदब्रह्मबादी। ज्ञानबैराग्यबिज्ञानभाजनबिभो

बिमलगुणगणशुकनारदादी । जयतिकालगुणकर्ममा
यामथननिश्चलज्ञानव्रतसत्यरतधर्मचारी । सिद्धिसुरवृ
न्दयोगीन्द्रसेवितसदादासतुलसीप्रणतभयतमारी २६
जयतिमङ्गलागारसंसारभारापहर वानराकारविग्रहपुरा
री । रामरोषानलज्वालमालाबिषध्वोन्तधरशलभसंहार
कारी । जयतिमरुदंजनामोदमन्दिरनतग्रीवसुग्रीवदुःखै
कबन्धो । यातुधानोद्धक्रुद्धकालाग्निहरसिद्धसुरसज्ज
नानन्दसिन्धो । जयतिरुद्राग्रणीविश्वविद्याग्रणीविश्वबि
ख्यातभटचक्रवर्त्ती । सामगाताग्रणीकामजेताग्रणीरामहि
तरामभक्तानुवर्त्ती । जयतिसंग्रामजयरामसन्देहहरकोश
लाकुशलकल्याणभाषी । रामविरहार्कसन्तप्तभरतादि
नरनारिशीतलकरणकल्पशाखी । जयतिसिंहासनासीन
सीतारमननिरखिनिरभरहरषनृत्यकारी । रामसंभ्राजशो
भासहितसर्बदातुलसिमानसरामसुरपुरबिहारी २७ ज
यतिवातसंजातबिख्यातबिक्रमबृहद बाहुबलबिपुलबाल
धिबिशाला । जातरूपाचलाकारबिग्रहलसतलूमबिद्यु
ल्लताज्वालमाला । जयतिबालार्कवरबदनपिंगलनयनक
पिशकर्कशजटाजूटधारी । बिकटभृकुटीबज्रदशननखबैरि
मदमत्तकुंजरपुंजकुंजरारी । जयतिभीमार्जुनव्यालसूदन
गर्बहरधनंजयरथत्राणकेतू । भीषमद्रोणकरणादिपालित
कालदृकसुयोधनचमूनिधनहेतू । जयतिगतराज्यदातार
संसारसंकटदनुजदर्पहारी । ईतिव्रतिभीतिग्रहप्रेतचौरा
नव्याधिबाधाशमनघोरमारी । जयतिनिगमागमव्याकर
णकरणलिपिकाव्यकौतुककलाकोटिसिन्धो । सामगायक

भक्तकामदायकनामदेवश्रीरामप्रियप्रेमबन्धो । जयतिघ
मौंसुसंदग्धसंपातिनवपक्षलोचनदिव्यदेहदाता । कालक
लिपापसंतापसंकुलसदाप्रणततुलसीदासतातमाता २८
जयतिनिर्भरानन्दसन्दोहकपिकेशरीकेशरी सुवनभुवनैक
भर्त्ता । दिव्यभूम्यंजनामंजुलाकर्मणेभक्तसन्तापचिन्तापह
र्त्ता । जयतिधर्मार्थकामापवर्गदविभो ब्रह्मलोकादिवैभव
विरागी। वचनमानसकरमसत्यधर्मव्रतजानकीनाथचरणा
नुरागी । जयतिविहगेशबलबुद्धिवेगातिमदमथनमन्मथम
थनऊर्द्धरेता। महानाटकनिपुणकोटिकविकुलतिलकगान
गुणगर्वगन्धर्वजेता । जयतिमन्दोदरीकेशकर्षणविद्यमान
दशकंठभटमुकुटमानी। भूमिजादुःखसंजातरोषांतकृतयात
नाजंतुकृतयातुधानी । जयतिरामायणश्रवणसंजातरोमां
चलोचनसजलशिथिलबानी । रामपदपद्ममकरन्दमधुकर
पाहिदासतुलसीशरणशूलपाणी २९ ॥रागसारंग॥ जाकेग
तिहैहनुमानकीताकोपैजपूजिआईयह रेखाकुलिशपषान
की । अघटितघटनसुघटविघटनऐसीबिरुदावलीनहिं आ
नकी । सुमिरतसंकटशोचविमोचनमूरतिमोदनिधानकी ।
तापरसानुकूलगिरिजाहरलषणरामअरुजानकी। तुलसीक
पिकीकृपाबिलोकनिखानिसकलकल्यानकी ३० ॥रागगौरी॥
ताकिहैंतमकिताकिओरको। जाकेहैसबभांतिभरोसोकपिके
शरीकिशोरको। जनरंजनअरिगणगंजनसुखभंजनखलबर
जोरको। वेदपुराणप्रकटपुरुषारथसकलसुभटशिरमोरको।
उथपेथपनथपथौउथपनपनबिबुधवृंदबंदिछोरको। जलधि
लंघिदहिलंकप्रबलदलदलननिशाचरघोरको। जाकोबाल

बिनोदसमुझिजियडरतदिवाकरमोरको।जाकीचिबुकचोट चूरणकियरदमदकुलिशकठोरको।लोकपालअनुकूलबिलो किबोचहतबिलोचनकोरको।सदाअभयजयमुदमंगलभय जोसेवकरणारोरको। भक्तकामतरुनामरामपरिपूरणचन्द चकोरको। तुलसीफलचारोकरतलयशगावतगईबहोरको ३१ ॥ रागबिलावल ॥ ऐसीतोहिनबूझियेहनुमानहठीले।सा हबकहूंनरामसेतोसेनवसीले। तेरेदेखतसिंहकेशिशुमेडुक लीले । जानतहौंकलितेरोऊमनुगुणगणकीले। हांकसु नतदशकन्धकेभयबन्धनढीले। सोबलगयोकिधौंभयेअब गर्बगहीले। सेवककोपरदाफटेतूसमरथशीले।अधिकआप तेआपनोसुनिमानसहीले। शांसतितुलसीदासकोदेखिसु यशतुहीलें। तिहूंकालतिनकोभलोजेरामरँगीले ३२ सम रथसुवनसमीरकेरघुबीरपियारे।मोपरकीबेतोहिजोकरिले हिभियारे। तेरीमहिमातेचलैविच्चिनीबियारे। अनियारी मोरिबारक्योंत्रिभुवनउजियारे। केहिकारणजननजानिकेस नमानकियारे। केहिअघअवगुणआपनीकरिडारिदियारे। खायेखोंचीमांगिमेंतेरोनामलियारे।तेरेबलबलिआजुलौंज गजागिजियारे। जोतोसोंहोतोफिरोमेरीहेतहियारे । तब क्योंबदनदेखावतोकहिबचनइयारे । तोसोंज्ञाननिधान कोसर्वज्ञबियारे। हौंसमुझतसाईंद्रोहकीगतिछारछियारे। तेरेस्वामीरामसेस्वामिनीसियारे। तहँतुलसीकेकौनकोका कोतकियारे ३३ अतिआरतअतिस्वारथीअतिदीनदुखा री । इनकोबिलगनमानियेबोलहिनबिचारी। लोकरी तिदेखीसुनीव्याकुलनरनारी। अतिबरषैअनबरषेहूंदेहि

दैवसिगारी । नाकहिआयेनाथसोंशासतिभयभा
री । कहिआयोकीबीक्षमानिजओरनिहारी । समयसां
करेसुमिरियेसमरथहितकारी । सोउसबिधिऊपरकरै
अपराधबिसारी । बिगरीसेवककीसदासाहिबैसुधारी । तु
लसीपरतेरीकृपानिरुपाधिनिहारी ३४ कटुकहियेगाढ़ेप
रेसुनसमुझिसुसाईं । करहिंअनभलेकोभलोआपनीभला
ईं । समरथशुभीजोपाइयेबिरपीरपराई । ताहितकेसबज्यों
नदीबारिधनबुलाई । अपनेअपनेकोभलोचहेलोगलोगा
ई । भावेजोजेहितेहिभजेशुभअशुभसगाई । बाहबोलदै
थापियेजोनिजबरिआई । बिनसेवासोपालियेसेवककीना
ई । चूकचपलतामेरियेतूबड़ोबड़ाई । होतआदरेढीठहैअ
तिनीचनिचाई । बंदिछोरिबिरदावलीनिगमागमगाई ।
नीकोतुलसीदासकोतेरिहीनिकाई ३५ ॥ रागगोरी ॥ मंग
लमूरतिमारुतनंदन । सकलअमंगलमूलनिकंदन । पव
नतनयसन्तनहितकारी हृदयबिराजतअवधबिहारी ।
मातुपितागुरुगणपतिशारद शिवासमेतशम्भुशुकनारद ।
चरणबन्दिबिनवोंसबकाहू देहुरामपदनेहनिबाहू । बंदौं
रामलषणबैदेही जोतुलसीकेपरमसनेही ३६ ॥ दंडक ॥
लाललाड़िलेलषणहितहोजनके । सुमिरेसंकटहारीस
कल सकलमंगलकारीपालकृपालअपनेपनके । धरणी
धरणहारभंजनभुवनभार अवतारसाहसीसहसफनके ।
सत्यसंधसत्यव्रतपरमधर्म्मरतनिर्म्मलकर्म्मबचनमनके ।
रूपकेनिधानधनुपाणपाणि तूणिकटिमहाबीरबिदितजि
तैयाबड़ेरनके । सेवकसुखदायकसबल सबलायकगाय

कृपानिकेतन गुणगनके। भावतेभरतकेसुमित्रासीताके
दुलारेचातकचतुर रामश्यामघनके। वल्लभउर्मिलाके
सुलभसनेहबश धनीधनतुलसीसे निरधनके ३७॥ राम
अनाथो॥ जयतिलक्ष्मणानन्त भगवन्तभूधर भुजगराज
भुवनेशभूभारहारी। प्रबलपावकमहाज्वालमालाबमन
शमन संतापलीलावतारी। जयतिदासरथिसमसमर
समरथ सुमित्रासुवनशत्रुसूदन रामभरतबन्धो। चारु
चम्पकवरणवसन भूषणधरणदिव्यतरभव्यलावण्यसि
न्धो। जयतिगाधेयगौतमजनकसुखजनकविश्वकण्टक
कुठिलकोटिहन्ता। वचनचयचातुरीपरशुधर गर्वहरसर्व
दारामभद्रानुगन्ता। जयतिसीतेश सेवासरसविष परस
निरसनिरुपाधिधुरधर्मधारी। विपुलबलमूलशार्दूलविक्र
मजलदनादमर्दन महाबीरभारी। जयतिसंग्रामसागरम
यंकर तरणरामवरबाहुसेतू। उर्मिलारवनकल्याणमंगल
भवन दासतुलसीदोषदवनहेतू ३८ जयतिभूमिजारमण
पदकंज मकरंदरसरसिकमधुकर भरतभूरिभागी। भुवन
भूषण भानुवंशभूषण भूमिपालमणि रामचन्द्रानुरागी।
जयतिबिबुधेश धनदादि दुर्लभमहाराज संभ्राजसुखपद
बिरागी। खड्गधाराव्रती प्रथमरेखा प्रकटशुद्धमति युवति
पतिप्रेमपागी। जयतिनिरुपाधि भक्तिभावयंत्रित हृदय
बंधुहितचित्रकूटाद्रिचारी। पादुकानृपसचिवपृथुमिपाल
क परमधर्मधुरधीरबरबीरभारी। जयतिसंजीविनीसमय
संकट हनूमानधनवान महिमाबखानी। बाहुबलविपुल
परमितपराक्रम अतुलगूढ़ गतिजानकीजानजानी। जय

ति रणअजिरगन्धर्व्वगणगर्व्वहरफेरिकियराम गुणगाथ माता। माण्डवीचितचातक नवाम्बुदबरण शरण तुलसी दासअभयदाता ३९ जयतिजय शत्रुकरिकेशरी शत्रुहन शत्रुतमतुहिनहरकिरणकेतू। देवमहिदेवमहिधेनु सेवक सुजनसिद्धिमुनिसकलकल्याणहेतू। जयतिसर्वांगसुंदरसु मित्रासुवन भुवनबिख्यातभरतानुगामी। वर्मचर्मासिध नुबाणतूणीरधरशत्रुसंकटशमनतवप्रणामी। जयतिलव णाम्बुनिधिकुम्भसम्भव महादनुजदुर्ज्जनदवनदुरितहा री। लक्ष्मणानुजभरतरामसीताचरण रेणुभूषितभाल तिलकधारी। जयतिश्रुतिकीर्त्तिबल्लभसुदुर्लभसुलभन मितनर्मदभक्तभक्तिदाता। दासतुलसीचरणशरणसीत लबिभोपाहिदीनार्तसन्तापहाता ४० जयतिश्रीजानकी भानुकुल भानुकीप्राणप्रिय वल्लभावतरणिभूपे। राम आनन्दचैतन्यघनविग्रहाशक्तिग्रहलादनीसाररूपे। जय तिचितचरणचिंतनिजेहिधरतहृदि कामभयकोहमदमोह माया। रुद्रबिधिबिपुलसुरसिद्धबंदितपदेजयतिसर्बेश्वरी रामजाया। कर्मजययोगविज्ञानवैराग्यलहिमोक्षहितयो गिनेप्रभुमनावै। जयतिबैदेहिसबशक्तिशिरभूषणोतेनतव दृष्टिबिनकबहुपावै। जयतिकोटिब्रह्मांडजगदीशकोईश जिहनिगममुनिबुद्धिअगमगावै। बिदितयहगाथअहदा नकुलमाथसोनाथतवदानतेहाथआवै। दिव्यशतबर्षजप ध्यानजबशिवधर्योराम गुरुसूपथबतायो। चितैहित लीनलखिकृपाकीनीतबैदेवदुर्लभदेखदरशपायो। जयति श्रीस्वामिनीसीय शुभनामिनीदामिनीकोटिनिजदेहदर

सै । इंदिराआदिदेमत्तगजगामिनीदेवभामिनीसबैंपावप
रसै । दुखितलखिभक्तिबिनदरशनिजरूपतवजननजष
फलतेसुलभनाहीं । कृपाकरिपूर्णनवकंजदललोचनाप्र
गटभई जनवान्हपअजिरमाहीं । रमितवबिपिनप्रिय
प्रेमप्रगटनकरन लंकपतिव्याजकछुबेलठान्यो । गोपि
काकृष्णतबतल्पबहुपलकरितोहिंमिलईशआनंदमान्यो ।
हीनतबसुमुखकेसंगरहिरंकसोखि मुखजोदेवनहींनाहने
रो । अघउद्धरणयहजानमहिशरणतबदासतुलसीभयो
आयचेरो ४१ ॥ रागकेदारा ॥ कबहुंकअम्बअवसरपा
ई । मेरिओसुधिधायबीकछुकरुणाकथाचलाई । दीन
सबअंगहीनछीणमलीनअघीअघाई । नामलैउदरभर्यों
एकप्रभुदासीदासकहाई । बूझिहैसोहैकौनकहिबीना
मदशाजनाई । सुनतहीरामकृपालुकेमेरीबिगरीसोबनि
जाई। जानकीजगजननिजनकीकियेबचनसहाई। दास
तुलसीतरेभवतवनाथगुणगणगाई ४२ काहूसमयसुधि
धायबीमेरीमातुजानकी । जनकहाइनामलेतहौंकियेषन
चातकज्योंप्यासप्रेमपानकी। सरलप्रकृतिआपजानियेक
रुणानिधानकी। निजगुणअरिकृतअनहितोदासदोषसुर
तिचितरहतनदियेदानकी। बानीबिसारणशीलहैमानदअ
मानकी। तुलसीदासनबिसारियेमनक्रमबचनजाकेसपने
हूंगतिनआनकी ४३ जयतिसच्चिदाव्यापकानन्दयब्रह्मबि
ग्रहव्यक्तलीलावतारी।बिकलब्रह्मादिसुरसिद्धसंकोचबंश
बिमलगुणगेहनरदेहधारी । जयतिकोशलाधीशकल्याण
कोशलसुतासुतकुशलकैवल्यफलचारुचारी। बेदबोधितक

मैधर्मधरणीधेनुबिप्रसेवकसाधुमोदकारी। जयतिऋषिम
खपालशमसज्जनसालशापवशमुनिबधूपापहारी। भंजिभ
वचापदलिदापभूपावलीसहितभृगुनाथनतमाथधारी। ज
यतिधार्मिकधीररघुबीरसुबीरगुरु मातुपितुबंधुवचनानुसा
री। चित्रकूटादिबिध्यादिदण्डकबिपिनधन्यकृत पुण्यका
ननबिहारी। जयतिपाकारिसुतकाककरतूतिफलदानिस्व
निगर्तगोपितबिराधा। दिब्यदेवीबेषदेखिनिशिचरीज
नुबिडंबितकरीबिश्वबाधा। जयतिखरत्रिशिरदूषणचतु
र्दशसहससुभटमारीचसंहारकर्त्ता। गृद्धशबरीभक्तिबिवश
करुणासिंधुचरितनिरुपाधित्रिबिधर्त्तिहर्त्ता। जयतिमद्
अंधकुकवन्धबधिबालिबलशालिबधकरणसुग्रीवराजा।
सुभटमर्कटभालुकटकसंघट सजतनमतपदरावणानुजनि
वाजा। जयतिपाथोधिकृतसेतुकौतुकहेतुकालमनअगम
लइललकिलंका। सकुलसानुजसदलदलितदशकण्ठरण
लोकलोकपकियेरहितशंका। जयतिसौमित्रिसीतास
चिवसहितचलेपुष्पकारूढ़निजराजधानी। दासतुलसी
मुदितअवधबासीसकलरामभयभूपबैदेहिरानी ४४॥
जयतिराजराजेंद्रराजीवलोचन रामनामकलिकामतरु
श्यामलाली। अजयअंभोधिकुम्भजनिशाचरनिकरतिमि
रघनघोरखरकिरणमाली। जयतिदेवमुनिदेवनरदेवदश
रथकेदेवमुनिबंद्यकियअवधबासी। लोकनायककोकशो
कसंकटशमनभानुकुलकमलकाननबिकासी। जयतिश्रृ
ङ्गाररसतामरसदामदुतिदेहगुणगेहबिश्वोपकारी। स
कलसौभाग्यसौंदर्यसुखमारूपमनोभवकोटिगर्वापहारी।

जयतिशुभगसारंगसुनिषंगशायकशक्तिचारुघर्मासिबरब
र्मधारी। धर्मधुरधीररघुबीरभुनबलअतुलहेलयादलित
भूभारभारी। जयतिकलधौतमणिमुकुटकुण्डलतिलक
झलकभलिभालविधुबदनशोभा। दिव्यभूषणबसनपी
तउपवीतकियध्यानकल्याणभाजननकोभा। जयतिभर
तसौमित्रशत्रुघ्नसेवितसुमुखसचिवसेवकसुखदसर्बदाता।
अधमआरतदीनपतितपातकपीन सकृतनतमात्रकहँपाहि
पाता। जयतिभुवनदशचारियशजगमगतपुण्यप्रधन्य
जयजयधन्यरामराजा। चरितसुरसरितकविमुख्यतिहि
निःसरितपिवतमज्जतमुदितसंतसमाजा। जयतिबर्णाश्र
माचारिनारिनरसत्यशमदमदयादानशीला। बिगतदुख
दोषसंतोषसुखसर्बदासुनतगावतरामराजलीला। जयति
बैराग्यबिज्ञानबारानिधेनमतनमदपापतापहर्त्ता। दास
तुलसीचरणशरणसंशयहरणदेहि अवलंबबैदेहिभर्त्ता ४५
रागगौरी॥ श्रीरामचन्द्रकृपालभजुमनहरणभवभयदारुणं।
नवकंजलोचनकंजमुखकरकंजपदकंजारुणं। कंदर्पअग
णितअमितछबिनवनीलनीरजसुंदरं। पटपीतमानहुंतड़ि
तरुचिनौमिजनकसुताबरं। भजुदीनबंधुदिनेशदानवदैत्य
बंशनिकंदनं। रघुनंदआनँदकंद कोशलचंद्रदशरथनंदनं।
शिरमुकुटकुण्डलतिलकचारुउदारअंगबिभूषणं। आजानु
भुजशरचापधरसंग्रामजितखरदूषणं। इतिबदततुलसी
दासशंकरशेषमुनिमनरंजनं। ममहृदयकंजनिवासकरि
कामादिखलदलगंजनं ४६॥ रागरामकली॥ सदाराम
जपुरामजपुरामजपुमूढ़मनबारंबारं। सकलसौभाग्यसुख

खानिजियजानिशठमानिबिश्वासबदवेदसारं । कौशलेंद्र नवनीलकंजाभिजनमदनरिपुकंजहृदिचंचरीकं । जानकी रवनसुखभवननभुवनैकप्रभुवन मभजस्मरपरमकारुणी कं । दनुजवनधूमध्वजपीनआजानुभुजदण्डकोदण्डपर षण्डवानं । अरुणकरचरणमुखनयनराजीवगुणअयन बहुमयनशोभानिधानं । बासनावृन्दकैरवदिवाकरकाम क्रोधमदपङ्कजकाननतुषारं । लोभअतिमत्तनागेन्द्रपंचाननं बिप्रहितहरणसंसारभारं । केशवंक्लेशहंकेशवंद्यंपदंद्वन्द मन्दाकिनीमूलभूतं । सर्बदानन्दसन्दोहमोहापहंघोरसं सारपाथोनिधीतं । शोकसंदेहपाथोदपटलानिलंपापप र्ब्बतकठिनकुलिशरूपं । सन्तजनकामधुकधेनुबिश्रामप दनामकलिकलुषमंजनअनूपं । धर्म्मकल्पद्रुमारामहरि धामपथिसंबलंमूलमिदमेवएकं । भक्तिबैराग्यबिज्ञानसम दानमदनामआधीनसाधनअनेकं । तेनतप्तंहूतदत्तमेवा खिलंतेनसर्बंकृतकर्मजालं । जनश्रीरामनामामृतंपानकृ तमनश्चिमनवद्यमवलोक्यकालं । स्वपचखलभिल्लयमना दिहरिलोकगतिनामबलबिपुलमतिमलिनपरसी । त्या गिसबआशसंत्रासभवपासअशिनिशितहरिनामजपुदास तुलसी ४७ ऐसीआरतीरघुबीरकीकरहुमन । हरनदुख द्वन्दगोबिन्दआनन्दघन । चरअचररूपहरिसर्बगतसर्ब दाबसतइमिवासनाधूपदीजै । दीपनिजबोधगतक्रोधमद मोहतमप्रौढ़अभिमानचित्तछीजै । भावअतिशमविसदप्र बरनैवेद्यशुभश्रीरवनपरमसंतोषकारी । प्रेमतांबूलगत शूलसंशयसकलबिपुलभववासना बीजहारी । अशुभ

शुभकर्मघृतपूर्णदसवर्त्तिकात्यागपावकसतोगुणप्रकाशी। भक्तिबैराग्यबिज्ञानदीपावलीअर्पिनीरांजनंजगनिवासी। विमलहृदिभवनकृतशांतिपर्यंकशुभशयनबिश्रामश्रीराम राया । क्षमाकरुणाप्रमुखतत्रपरिचारिका यत्रहरित त्रनहिंभेदमाया । इतिआरतीनिरतसनकादिश्रुतिशेष शिवदेवऋषिअखिलमुनितत्वदरसी । करेसोईतरेपरि हरेगादिमलवदतिइतिअमलमतिदासतुलसी ४८ हर तिआरतसकलआरतीरामकी । दहतिदुखदोषनिर्मूल निष्कामकीसुभगसौरभघूपदीपबरमालिका । उदतअघ बिहंगसुनितालकरतालिका । भक्तहृदयभवनअज्ञानत महारिणी । बिमलबिज्ञानगयतेजबिस्तारिणी । मोह मदकोहकलिकंजहिमयामिनी । मुकुतकीदूतिकादेहद्यु तिदामिनी। प्रणतजनकुमुदबनइंदुकरजालिका। तुलसी अभिमानमहिषेशबहुकालिका ४९ देवदनुजबनदहन गुणगहनगोबिंदनंदादिआनन्ददातबिनाशी। शम्भुशिव रुद्रशंकरमयंकरभीमघोरतेजापतनक्रोधराशी । देवनन्त भगवन्तजगदंतअंतकत्रासशमनश्रीरमणभुवनाभिरामं । भूधराधीशजगदीशईशानबिज्ञानापनज्ञानकल्याणधामं। वामनाव्यक्तपावनपरावर बिभोप्रगटपरमात्माप्रकृतिस्वा मी । चंद्रशेखरशूलापाणिहरअनघअजअमितअवक्षिन्नऋ षभेशगामी । नीलजलदाभतनुश्यामबहुकामछबिरामरा जीवलोचनकृपालं । कंबुकर्पूरबपुधवलनिर्मलमौलजटा सुरततनिशितसुमनमालं। बसनकिंजल्कधरचक्रसारंग दरकंजकौमोदकोअतिबिशालं । मारकरिमत्तमृगराजत्र

यनयनहरनौमिअपहरणसंसारजालं । कृष्णकरुणा भवनदवनकालीयवलबिपुलकंसादिनिर्बंशकारी । त्रिपु रमदभंगकरमत्तगजचर्मधर अंधकोरगनसमपन्ननगारी । ब्रह्मव्यापकअकलअकलसकलपरमहिततीतगोतीत गुण वृत्तिहर्त्ता । सिंधुसुतगर्बगिरिबज्रगौरीशनवदक्षमखअ खिलबिध्वंशकर्त्ता । भक्तिप्रियभक्तजनकामधुकधेनुहरि हरनदुर्घटबिपतिभारी । सुखदनर्मदवरवदविरजअनव द्यखिलबिपिनआनंदबीथिनिबिहारी । रुचिरहरिशंक रीनाममंत्रावलीछंददुखहरनिआनंदखानी । बिष्णुशिव लोकसोपानसमसर्बदाबदतितुलसीदासबिशदबानी । दे वभानुकुलकमलरबिकोटिकंदर्प छबिकालकलिव्यालमि वबैनतेयं । प्रबलभुजदंडपरचण्डकोदण्डवरतूणबरबिशि खबलमप्रमेयं । अरुणराजीवदलनयनसुखमाअयनश्या मतवकांतिबरबारदामं । तप्तकांचनबस्त्रशस्त्रबिद्यानिपु णसिद्ध सुरसेव्यपाथोजनाभं । अखिललावन्यगृहबि श्वबिग्रहपरमप्रौढ़गुणगूढ़महिमाउदारं । दुर्द्धर्षदुस्तरदु र्गस्वर्गअपवर्गपतिभयसंसारपादपकुठारं । शापबशमुनि बधूमुक्तकृतबिग्रहितयज्ञरक्षणदक्षपक्षकर्त्ता । जनकनृपस दसिशिवचापभंजनउग्रभार्गवागर्बगरिमापहर्त्ता । देवगु रगिरागौरबसुदुरत्यराजात्यक्तश्रीसकलसौमित्रिभ्राता । संगजनकात्मजामनुज मनुसृत्यअजदुष्टवधनिरतत्रैलो क्यत्राता । दंडकारण्यकृतपुण्य पावनचरणहरणमारीच मायाकुरंगं । बालिबलमत्तगजराजइवकेशरीसुहृदसुग्रीव दुखराशिभंगं । ऋक्षमर्कटबिकटसुभटउद्भटसमर शैलसं

कासरिपुत्रासकारी। बांधपाथोधिसुरनिकरमोचन सकु लदलनदशशीशभुजबीसभारी। दुष्टबिबुधारिसंघातअघ हरण महिभारअवतारकारणअनूपं। अमलअनवद्यअद्वै तनिर्गुणसगुण ब्रह्मसमरागिनरभूपरूपं। शेषश्रुतिशा रदाशम्भुनारदसनक गनतगुणअन्तनहिंतवचरित्रं। सो ईरामकामारिप्रियअवधिपतिसर्वदा दासतुलसीत्रासनि धिवहित्रं ५१ देवजानकीनाथरघुनाथरागादितम तरणि तारुण्यतनतेजधामं। सच्चिदानन्दआनन्दकन्दाकरं बि श्वबिश्रामरामाभिरामं। नीलनवबारिधर सुभगशुभ कान्तिकर पातकौशेयबरबसनधारी। रत्नहाटिकज टितमुकुटमण्डितमौलि भानुशतसदृशानुद्योतकारी। श्र वणकुण्डलभालतिलकभ्रूरुचिर अरुणअम्भोजलोचनबि शालं। बक्रअवलोकित्रैलोकशोकापहं मारिरिपुहृदयमा नसमरालं। नाशिकाचारुसुकपोलद्विजबज्द्युति अधर बिम्बोपमामधुरहासं। कण्ठदरचिबुकबरबचनगम्भीर बरसत्यसंकल्पसुरत्रासनाशं। सुमनसुविचित्रनवतुलसि कादलयुतं मृदुलबनमालउरभ्राजमानं। भ्रमतआसोदव समतमधुमकरनिकर मधुरतरमुखरकुर्वन्तिगानं। शुभग श्रीबत्सकेयूरकंकणहार किंकिणीरटतिकटितटरसालं। बामदिशिजनकजासोनसिंहासनं कनकमृदुबल्लिमिवतरु तमालं। आजानभुजदण्डकोदण्डमण्डित बामबाहुदक्षि णपाणिबाणमेकं। अखिलमुनिनिकरसुरसिद्धगन्धर्वबर नमतनरनागअवनिपअनेकं। अनघअविछिन्नसर्वज्ञसर्वे शखलु सर्वतोभद्रदातासमाकं। प्रणतजनखेदबिच्छेद

बिद्यानिपुण नौमिश्रीरामसौमित्रसाकं। युगुलपदपद्मसु खसद्मपद्मावली चिह्नकुलिशादिशोभातिभारी। हनुम न्तहृदिबिमलकृतपरममन्दिरसदा दासतुलसीशरणशो कहारी ५२ देवकोशलाधीशजगदीशजगदेकहित अमि तगुणबिपुलबिस्तारलीला । गायन्तितवचरित्रसुपवि त्रश्रुतिशेष शुकशम्भुसनकादिमुनिमननशीला । बारिच रबपुषधरभक्तिनिस्तारपदधरणिकृतनावमहिमातिगुर्वी। सकलयज्ञासमयउग्रविग्रहक्रीड़मर्दनुजेशउद्धरणउर्वी। कमठअतिबिकटतनुकठिनपृष्ठो परिभ्रमतमन्दरकन्दुसुख मुरारी । प्रगटकृतअमृतगोइन्दिराइन्दु वृन्दारकावृन्द आनन्दकारी । मनुजमुनिसिद्धसुरनागत्रासकदुष्ट दनुज द्विजधर्ममर्य्यादहर्त्ता । अतुलमृगराजबपुधरितविद्धरित अरि भक्तप्रह्लादअह्लादकर्त्ता । छलनबलिकपटबटुरू पबावनब्रह्मभुवनपर्यन्तपदतीनकरणं । चरणनखनीरत्रै लोकपावनपरमबिविधिजननीदुसहशोकहरणं। क्षत्रिया धीशकरिनिकरबरकेशरी परशुधरिबिप्रशशिजलदरूपं। बीसभुजदण्डदशशीशखण्डनचण्डवेगसायंकनौमिरामभू पं। भूमिभरभारहरप्रगटपरमात्मा ब्रह्मनररूपधरभक्ति हेतू। वृलिकुलकुमुदराकेशराधारमण कंसबंशाटवीधूम केतू । प्रबलपाषण्डमहिमण्डलाकुलनिरखि निन्द्यकत अखिलमखकर्मजालं । शुद्धबोधैकघनज्ञानगुणधामअज बद्धअवतारबन्देकृपालं । कालकलिजनितमलमलिनमन सर्बनर मोहनिशिनिबिड़ियवनाधकारं । विष्णुयशपुत्रक ल्कीदिवाकरउदितदासतुलसीहरणबिपतिभारं ५३ देव

सकलसौभाग्यप्रदसर्बतोभद्रनिधिसर्बसर्बेशसर्बाभिरामी सर्बहृदिकंजमकरन्दमधुकररुचिररूपभूपालमणिनौमिरामं। सर्बसुखधामगुणग्रामबिश्रामप्रदनामसर्बश्रयबदमटिपुनीतं । निर्मलंशान्तसुविशुद्धबोधायतनक्रोधमदहरणकरुणानिकेतं। अजितनिरुपाधिगोतीवमव्यक्तविगुनेकमनवद्यमजमद्वितीयं। प्राकृतंप्रगटपरमात्मापरमहितप्रेरकानन्तबन्देतुरीयं। भूधरसुन्दरंश्रीबरंमदनमदमथनसौंदर्यसीमातिरम्यंदुःप्राप्यदुःप्रेक्ष्यदुस्तर्कदुःपारसंसारहरसुलभमृदभावगम्यं। सत्यकृतसमरतसत्यब्रतसर्बदायुष्टसंतुष्टसंकष्टहारी। धर्म्मबर्मणिब्रह्मकर्मबोधकबिप्रपूज्यब्रह्मण्यजनप्रियमुरारी। नित्यनिर्ममनित्यमुक्तनिर्माणहरिज्ञानघनसच्चिदानंदमूलं। सर्बरक्षकसर्बभक्षकध्यक्षकूटस्थगूढार्बिभक्तानुकूलं । सिद्धिसाधकसाध्यवाच्यवाचकरूपमंत्रजापकजाप्यसृष्टसृष्टामरमकारणकंजनाभजलदाभतनुसगुणनिर्गुणसकलदृश्यदृष्टा। व्योमव्यापकबिरजब्रह्मबरदेशबैकुण्ठवामनबिमलब्रह्मचारी। सिद्धवृन्दारिकावृन्दवंदितसदाखण्डपाखण्डनिर्मूलकारी । पूर्णानन्दसंदोहअपहरणसंमोहअज्ञानगुणसंनिपातं। बचनमनकर्मगतशरणतुलसीदासत्रासपाथोधिइवकुम्भजातं ५४ देवबिश्वबिख्यातबिश्वेशबिश्वायतन बिश्वमर्य्यादव्यालारिमामी। ब्रह्मवरदेशबागीशव्यापकबिमलबिपुलबलबानिनिर्वाणस्वामी। प्रकृतमहतत्वशब्दादिगुणदेवताव्योममरुदग्निअवलंबउर्वी। बुद्धिमनइन्द्रियप्राणचित्तात्माकालपरमाणुचिच्छक्तिगर्वी। सर्बमेवाक्रत्वद्रयभूपालमणिव्यक्त

मव्यक्तमतभेदविष्णो। भुवनभवदंगकामारिबंदितिपदंद्व
न्दमंदाकिनीजनकजिष्णो। आदिमध्यांतभगवन्तत्वंसर्व
गतमीशपश्यंतिजेब्रह्मबादी। यथापढ़तंतुघटमृत्तिकासर्ब
सृगदारुकरिकनककटकांगदादी। गूढ़गंभीरगर्बघ्रगूढ़ार्थ
बितगुप्तगोतीतगुरुज्ञानज्ञाता। ज्ञेयज्ञानप्रियप्रचुरगरि
मागारघोरसंसारपरपारदाता। सत्यसंकल्पअतिकल्प
कल्पान्तकृतकल्पनातोअहितल्पबासी। बनजलोचनबन
जनाभबनदाभवयुवनचरनध्वजकोटिलावन्यरासी। सुक
रदुःकरदुसराध्यदुर्व्यसनहरदुर्गदुर्द्धर्षदुर्गार्तिहर्ता। बे
दगर्भाभकादर्भगुणगर्भकरअवपरगर्वनिर्वाप्यकर्ता। भक्त
अनुकूलभवशूलनिर्मूलकरतूलअघनामपावबासमानं। तर
लतृष्णातमीतरणिघर्णिधरणशरणभयहरण करुणानि
धानं। बहुलवृन्दारुवृन्दारकावृन्दपदवंद्यमंदारमालोरु
धारी। पाहिमानोशसंतापसंकुलसदादासतुलसीप्रणतरा
वणारी ५५ देवसंतापहरबिश्वबिश्रामकररामकामारि
अभिरामकारी। शुद्धबोधायतनसच्चिदानन्दघनसज्जना
नंदबर्द्धनखरारी। शीलसमताभवनविषमतामतिशमनरा
मरामारमनरावणारी। खड्गकरचर्मबरबर्मधररुचिरक
टितूणशरशक्तिसारंगधारी। सत्यसंधाननिर्बाणप्रदसर्ब
हितसर्बगुणज्ञानबिज्ञानशाली। सघनतमघोरसंसारभर
सर्बरीनामदिवसखरकिरणमाली। तप्ततीक्ष्णतरुणतीव्र
तापघृतपरूपतनुभूपतमपरतपखी। मानमदमदनमत्सर
मनोरथमथनमोहअंभोधिमन्दरमनखी। वेदविख्यातब
रदेशबामनबिरजबिमलबागीशबैकुण्ठस्वामी। कामक्रो

धादिमर्दनबिवर्द्धनक्षमाशातबिग्रहबिहंगराजगामी। परम पावनपापपुंजमुंजाटवीअनलमिवनिषमिनिर्मूलकर्ता। भुव नभूषणदूषणारिभुवनेशभुवनाथश्रुतिमाथजयभुवनभर्ता। अमलअविचलअकलसंतप्त कलिबिकलताभंजनानन्दरा सी। उरगनायकशयनतरुणपंकजनयनक्षीरसागरअयन सर्बबासी। सिद्धिकविकोविदानंददायकपदद्वन्दमंदात्म मनुजैर्दुरापं। यत्रसूभूतअतिपूतजलसुरसरीदर्शनादेवअप हरतिपापं। नित्यनिर्मुक्तसंयुक्तगुणनिर्गुणानन्तभगवन्त न्यामकनियंता। बिश्वपोषणभरणबिश्वकारणकरणतु लसीदासत्रासहंता ५६ देवदनुजसूदनदयासिंन्धुदम्भा पहंदहदुर्दोषदुःपापहर्ता। दुष्टतादमनदमभवनदुःखौघह रदुर्गदुर्वासनानाशकर्ता। भूरिभूषणभानुमन्तभवभंजना नंदभयदभुवनेशभारी। भावनातीतभवबंद्यभवभक्तहित भूमिउद्धरणभूधरणधारी। बरदबनदाभवामीबिश्वात्माबि रजबैकुंठमंदिरबिहारी। ब्यापकंव्योमवृंदारबामनबिभो ब्रह्मबिदब्रह्मचिन्तापहारी। सहजसुन्दरसुमुखसुमनशुभ सर्बदाशुद्धसर्बज्ञस्वच्छंदचारी। सबकृतसबजितसर्बभूत सर्बहितसत्यसंकल्पकल्पान्तकारी। नित्यनिर्मोहनिर्गुण निरंजननिजानंदनिर्माणनिर्बाणदाता। निर्भरानंदनिःकंप निःसमीनिर्मुक्तनिरुपाधिनिर्ममबिधाता। महामंगलमूल मोदमहिमायतनमुग्धमधुमथनमानदअमानी। मदनमर्द नमदातीतमायारहितमंजुमानाथपाथोजपानी। कमल लोचनकलाकोशकोदंडधरकोशलाधीशकल्याणराशी। यातुधानप्रचुरमतकरिकेशरीभक्तमनपुण्यआरण्यबासी।

अनघअद्वैतअनवद्यअव्यक्तअज अमितअविकारआनन्द सिंधो। अचलअनिकेतअविरलअनामयअनारम्भअम्भो धनादघ्नबंधो। दासतुलसीखेदखिन्नआपन्नइहशोकसंपन्न अतिशयसभीतं। प्रणपालकरामपरमकरुणाधामपाहि मामुर्विपतिदुर्विनीतं ५७ देवदेहिसंतसंगनिजअंगश्रीरं गभवभंगकारणशरणशोकहारी। तेजभवदंघ्रिपल्लवसमा श्रितसदाभक्तिरतबिगतसंशयमुरारी। असुरसुरनागनर यक्षगंधर्वखगरजनिचरसिद्धयेचापिअन्वे। संतसंसर्गत्रैव र्गपरपरमपदपापनिःप्रायगतित्वयिप्रसन्ने। वृतवलिबा णप्रह्लादयशव्याघ्रगजगृद्धद्विजबंधुनिजधर्मत्यागी। सा धुपदसलिलनिर्धूतकल्मषसकलखयचयवनादिकैवल्यभा गी। सान्तनिरपेक्षनिर्ममनिरामयअगुणशब्दब्रह्मैकपर ब्रह्मज्ञानी। दक्षसमदृकसदृककिंगतअतिस्वपरमितपरम रतिविरततवचक्रपानी। बिश्वउपकारहितव्यग्रचितसर्ब दात्यक्तमदमन्युकृतपुण्यरासी। यत्रतिष्ठंतित्रैवअजस र्बहरिसहितगच्छंतिक्षीराब्धिबासी। वेदपयसिंधुसुबिचा रमन्दरमहा अखिलमुनिवृन्दनिर्मथनकर्ता। सारसतसं गसुधृतइतिनिश्चितंबदतिश्रीकृष्णवैदर्भिभर्ता। शोकसं देहभयहर्षतमतर्वगणसाधुसंयुक्तविच्छेदकारी। यथारघु नाथशायकनिशाचरचमूनिचयनिर्दलनयदुवेगभारी। य त्रकुत्रापिममजन्मनिजकर्मवशभ्रमतजग योनिसंकटअने कं। तत्रत्वद्भक्तिसज्जनसमागमसदाभवतमेरामबिश्राम मेकं। प्रबलमवजनितत्रैव्याधिभेषजभक्तभक्तिभेषज्वमद्वै तदरसी। संतभगवन्तअन्तरनिरंतरनहोकिमपिमतिबिम

लकहैंदासतुलसी ५८ देवदेहिअवलंवकरकमलकमला रमणदमनदुखशमनसन्तापभारी। अज्ञानराकेशग्रासन विधुंतुददलनरामकामकरिमतहरिदूषणारी॥ वपुषब्रह्मा खंडसुव्रतितिलंकादुर्गरचितमनदनुजमयरूपधारी। विवि धिकौसोधअतिरुचिरमन्दिरनिकरसत्यगुणप्रमुखत्रैकटक कारी। कुनयअभिमानसागरभयंकरघारविपुलअवगाह दुस्तरअपारं। तक्रारागादिसंकुलमनोरथसकलसंगसंक ल्पवीचीविकारं। मोहदशमौलितदभ्रात हंकारप्रा कारिजितकामविश्रामहारी। लोभअतिकायमत्सरमहो दरदुष्टक्रोधपापिष्टविबुधांतकारी। द्वेषदुर्मुखदम्भस्वरअ कंपनकपटदर्पमनुजातिमदशूलपानी। अमितबलपरम दुर्जयनिशाचरनिकरसहितषडवर्गगोयातुधानी। जीवभ वदंघ्रिसेवकविभीषणबसतमध्यदुष्टाष्टवाग्रसितचिन्ता। नियमयमसकलसुरयोगलोकेशलंकेशवश नाथअत्यंतभी ता। ज्ञानअवधेशगृहगेहनी भक्तिशुभतत्रअवतारभूभार हर्ता। भक्तसंकष्टअवलोक्यपितुवाक्यकृतगहनकियोगव नवैदेहिभर्ता। कैवल्यसाधनअखिलभालुमर्कटविपुलज्ञा नसुग्रीवकृतजलधिसेतू। प्रबलवैराग्यदारुणप्रभंजनतन यविषयवनदहनमिवधूमकेतू। दुष्टदनुजेशनिर्वंशकृतदा सहितविश्वदुखहरणबोधैकरासी। अनुजनिजनिजजान कीसहितहरिसर्वदादासतुलसीहृदयकमलवासी ५९ देव दीनउद्धरणरघुवरयकरुणाभवनशमनसन्ताप पापौघहा री। विमलविज्ञानविग्रहअनुग्रहरूपभूपवरविबुधनर्मद खरारी। संसारकान्तारअतिघोरगम्भीरघन गहनतरुक

मैंसंकुलमुरारी। बासनाबल्लिखरकंठकाकुल बिपुलनिबि डविटपाटवीकठिनभारी। बिबिधवितृतिखगनिकरसे नोलूक काकबकगृद्धआमिषअहारी। अखिलखलनिपुण छलछिद्रनिरखतसदा जीवजनपथिकमनषेदकारी। क्रो धकरिमत्तमृगराजकन्दर्प्प मददर्प्पवृकभालुअतिउग्रक र्मा। महिषमत्सरकूरलोभशूकरसूर फेरुछलदम्ममार्जार धर्मा। कपटमर्कटबिकटव्याघ्रपाषंडमुखदुखदमृगबात उत्पातकर्ता। हृदयअवलोकियहशोकशरणागतं पाहिमां पाहिभोबिश्वभर्ता। प्रबलअहंकारदुर्घटमहीधरमहामोह गिरिगुहानिविड़ान्धकारं। चित्तबैतालमनुजादमनप्रेत गण रागभोगौघवृश्चिकबिकारं। बिषयसुखलालसादंश मसकादिखल झिल्लिरूपादिसबसर्पस्वामी। तत्रआक्षिप्त तवविषममाया नाथअन्धमैंमदव्यालारिगामी। घोरअव गाहभवआपगापायजलपूरदुःप्रेक्षदुस्तरअपारा।मकरख ड़वमंगोनक्रचक्राकुला कूलशुभप्रशुभदुखतीव्रधारा। स कलसंघटपोचशोचवशसर्बदा दासतुलसीबिषमगहनिग्र स्तं। त्राहिरघुवंशभूषणकृपाकर कठिनकालबिकरालक लित्रासत्रस्तं ६० देवनौमिनारायणंनरंकरुणायनंध्यान पारायणंज्ञानमूलं। अखिलसंसारउपकारकारणसदयहृद यनयनिरतप्रणत्वकूलं। श्यामनवतामरसदामद्युतिबपुष छबि कोटिमदनार्कअगणितप्रकाशं। तरुणरमणीयराजी वलोचनललित बदनराकेशकरनिकरहासं। सकलसौंद र्यनिधिबिपुलगुणधामविधि वेदबुधशम्भुसेवितअमानं। अरुणपदकंजमकरन्दमन्दाकिनी मधुपमुनिवृन्दकुर्वन्ति

पानं । शक्रप्रेरितघोरमारमदभंगकृत क्रोधमतबोधरत ब्रह्मचारी। मार्कण्डेयमुनितर्यहित कौतुकीविनहिकल्पा न्तप्रभुप्रलयकारी। पुण्यबनशैलसरिबद्रिकाश्रमसदासी नपद्मासनंएकरूपं। सिद्धयोगिन्द्रवृन्दारकानन्दप्रदभद्र दायकदरशअतिअनूपं। मानमनभंगमदक्रोधलोभादिप र्वतंदुर्गभुवनभर्ता । द्वैषमत्सररागप्रबलप्रत्यूहप्रतिभूरि निर्दयक्रूरकर्मकर्ता। बिकटतरबक्रक्षुरधारप्रमदातीव्रदर्य करखड्गधारा। धीरगम्भीरमनपीरकारकतत्र केवराका बयंविगतसारा। परमदुर्घटपन्थखलअसंगतसाथनाथन हिंहाथबरविरतियष्टी। दरशनारतिदासत्रसितमायात्रा सत्राहिहरित्राहिहरियामकष्टी। दासतुलसीदीनधर्मसंब लहीन अमितअतिखेदमतिमोहग्रासी। देहिअवलंवन बिलंबअम्भोजकर चक्रधरतेजबलशर्मराशी ६१ देवस कलसुखकन्दआनन्दबनपुण्यकृत बिन्दुमाधवद्वंदबिपति हारी। यस्यांघ्रिपाथोजअजशम्भुसनकादि शुकशेषमुनि वृन्दअलिनिलयकारी। अमलमरकतश्यामकामशतको टिछबिपीतपटतड़ितइवजलदनीलं। अरुणशतपत्रलोच नबिलोकनिचारुप्रणतजनसुखदकरुणाब्धिशीलं। काल गजराजमृगराजदनुजेशबनदहनपावकमोहनिशिदिनेशं। चारुभुजचक्रकौमोदकोजलदरस रसिकजोपरियथाराज हंसं। मुकुटकुण्डलतिलकअलकअलिब्रातइव भृकुटिद्विज अधरबरचारुनाशा। रुचिरसुकपोलदरग्रीवसुखसीवहरि इन्दुकरकुन्दमिवमधुरहासा। उरसिबनमालसुबिशाल नवमंजुश्रीवत्सलाक्षणमुदारं। परब्रह्मणयअतिधन्यगत

धन्यअजअमितबलबिपुलमहिमाअपारं । हारकेयूरक
रनकंकणरत्नजटितमणिमेखलाकटिप्रदेशं । युगुलपद
नूपुरंमुखरकलहंसवतसुभगसर्वांगसौंदर्य्यवेशं । सक
लसौभाग्यत्रैलोक्य श्रीदक्षदिशिरुचिरवारीशकन्या ।
बसतिबिबुधापगानिकटतटसदन बरनयननिखैंतिनरते
तिधन्या । अखिलमंगलभवननिबिड़संशयशमनदवन
अजनाटवीकष्टहर्ता । बिश्वकृतबिश्वहितअजितगीतीत
शिवबिश्वपालनहरणबिश्वकर्ता । ज्ञानबिज्ञानबैराग्य
ऐश्वर्य्यनिधिसिद्धिअणिमादिदेभूरिदानं । ग्रसतभव
व्याल अति त्रास तुलसीदास त्राहि श्रीराम उरगारिया
नं ६२ ॥ रागआसावरी ॥ इहैपर्मफलपर्मबड़ाई । नख
शिखरुचिरबिंदुमाधवछवि निरखहिंनयनअघाई । बि
शदकिशोरपीनसुंदरबपु नमैरुचिअधिकाई । नीलकं
जबारिदतमालमणिइन्हतनतेंद्युतिपाई । मृदुलचरणशु
भचिन्हपदजनखअतिअद्भुतउपमाई । अरुणनीलपाथो
जप्रसवजनुमणियुतदलसमुदाई । जातरूपमणिजटित
मनोहरनूपुरजनसुखदाई । जनुहरउरहरिबिबिधिरूप
धरिरहेबरभवनबनाई । कटितटरचितचारुकिंकिणिरव
अनुपमबरणिनजाई । हेमजलजकलकलिनमध्यजनुम
धुकरमुखनसुहाई । उरबिशालभृगुचरनचारुअतिसूचति
कामलताई । कंकनहारबिबिधिभूषणबिधिरतिनिजक
रमनलाई । गजमणिमालबीचभ्राजतिकहिजातनपटि
कनिकाई । जनुउडगणमंडलवारिदपरनवग्रहरचीअथा
ई । भुजंगभोगभुजदंडकंजदरचक्रगदाबनिआई । ग्रो

भासीबग्रीवचिबुकाधरबदनअमितछबिछाई । कुलिशकुं दकुंडलदामिनिद्युतिदशननिदेखिलजाई । नसानयनक पोललालितश्रुतिकुंडलभ्रूमोहिं भाई। कुंचितकचशिरमुकु टभालपरतिलककहौंसमुझाई । अलपतडितयुगरेखइंदु महरहितजिचंचलताई । निर्मलपीतदुकूलवनूपमाहिय नसमाई । बहुमणियुतगिरिनीलसिखरपरकनकबसनरु चिराई। दक्षभागअनुरागसहितइंदिराअधिकललिताई। हेमलताजनुतमालढिगनीलनिचोलउढ़ाई । सत्तसारदा शेषश्रुतिमिलिकरिशोभाकहिनसिराई। तुलसिदासमति मंदहुंदरतकहैकौनबिधिगाई ६३ ॥ रागजैतश्री ॥ मनइ तनोइहैयातनुकोपर्मफलसबअंगसुभग बिंदुमाधवछबित जिसुभावअवलोकएकपल । तरुणअरुणअंभोजचरणमृ दुनखद्युतिहृदयतिमिरहारी । कुलिशकेतुध्वजजलजरेख बरअंकुशमनगजबशकारी । कनकजटितमणिनूपुरमेख लाकटितटमधुरबानी । त्रिबलीउदरगंभीरनाभिसरज हांउपजेबिरंचिज्ञानी । उरबनमालपदिकअतिशोभित बिप्रचरणचितकहुकरखै। श्यामतामरसदामवरनबपुपी तबसनशोभाबरखै । करकंकणकेयूरमनोहरदेतिमोदमु द्रिकान्यारी । गदाकंजदरचारुचक्रधरनामशुंडसमभुज चारी । कंबुग्रीवछबिसीवचिबुकद्विजअधरअरुणउन्नतना सा।नवराजीवनयनशशिआननसेवकसुखदबिसदहासा। रुचिरकपोलश्रवणकुंडलशिरमुकुटतिलकभालभ्राजै। ल लितभ्रकुटिसुंदरचितवनिकचनिरखिमधुपअवलीलाजै । रूपशीलगुणखानिदक्षिदिसिसिंधुसुतारतपदसेवा । जा

कीकृपाकटाक्षचहतशिवबिधिमुनिमनुजदनुजदेवा । तुल
सिदासभवत्रासमिटैतवजबमतिइहसरूपअटकै । नाहिं
तोदीनमिलीनहीनसुखकोटिजन्मभ्रमिभ्रमिभटकै ६४ ॥
रागबसंत ॥ बंदौंरघुपतिकरुणानिधान । जातैंछुटहिभवभे
दज्ञान । रघुबंशकुमुदसुखप्रदनिशेश । सेवितपदपंक
जअजमहेश । निजभक्तिहृदयपाथोजभृङ्ग । लावन्यब
पुषअगणितअनंग । अतिप्रबलमोहतममारतंड । अ
ज्ञानगहनपावकप्रचंड । अभिमानसिंधुकुंभजउदार । सुर
रंजनभंजनभूमिभार । रागादिसर्पगणपन्नगारि । कंदर्प
नागमृगपतिमुरारि । भवजलधिपोतचरणारबिंद । जा
नकीरमणआनंदकंद । हनुमंगप्रेमबापीमराल । निः
कामकामधुकगोदपाल । त्रैलोक्यतिलकगुणगहनराम ।
कहतुलसिदासविश्रामधाम ६५ ॥ रागभैरव ॥ रामरामर
मुरामरामरटुरामरामजपुजीहा । रामनामनवनेहमेहको
मनहठिहोहुपपीहा । सबसाधनफलकूपसरितसरसागर
सलिलनिरासा । रामनामरतिस्वातिसुधाशुभसीकरप्रेम
पियासा । गरजतरजपाषाणपरखेपबिप्रीतिपरखितिय
जानै । अधिकअनुरागउमँगिउरपरपरमितपहिंचानै ।
रामनामरतिरामनामगतिरामनामअनुरागी । ह्वैगयेहैं
जेहोंहिंगेतेईगणियतत्रिभुवनबड़भागी । एकअंगमगअ
गमगवनकरिबिलंबुनक्षिणछलछाहैं । तुलसीहितअपनी
अपनीदिशनिरूपधिनियमनिबाहैं ६६ ॥ रागभैरव ॥ राम
जपुरामजपुरामजपुबावरे । घोरभवनीरनिधिनामनिज
नावरे । एकहिसाधनसबऋधिसिद्धिसाधरे । ग्रसेकलिरो

नयोगसंयमसमाधिरे। भलोजोहैपोचजोहैदाहिनोजोबा
मरे। रामनामहींसोअंन्तसबहीकोकामरे। जगतभवाटि
कारहीहैकलिफूलिरे। धुंआकसेधौरहरदेखितूनभूलिरे।
रामनामछोड़िजोभरोसोकरेऔररे। तुलसीपरोसोत्यागि
भागैकूरकौररे ६७ रामरामजपिजियसदासानुरागरे।
कलिनबिरागयोगजागतपत्यागरे।रामनामसुमिरणसब
बिधिसुखसाजरे। राममनामहागणिफणिजगजागरे ।
मणिलियेफणिजियेव्याकुलबिहालरे। रामकोबिसारिबो
निषेधसिरताजरे। रामनामकामतरुदेतफलचाररे। राम
नामप्रेमपरमारथकोसाररे। रामनामतुलसीकोजीवनअ
धाररे ६८ रामरामरामजीहजौलोंतूनजपिहै । तौलोंतू
कहंजायतिहूंतापतपिहै।सुरसरीतीरबिनुनीरदुखपाइहै।
सुरतरुतरतोहिंदुखदारिद्रसताइहै। जागतबागतसुखस
पनेनसोइहै। जन्मजन्मयुगयुगजगरोइहै। छूटिबेकेपल
बिशेषकंधौजाईगो । कै हैबिषभोजनसुधाजौसानिखाइ
गो।तुलसीतिलोकतिहूंकालतोसेदीनको। रामनामहीकी
गतिजैसेजलमीनको ६९ सुमिरिसनेहसोतूनामरामराय
को। संबरनिसंबरकोसखाअसहायको। भागुहैअभागेहू
कोगुणगणहीनको। गाहकगरीबकोदयालदानीदीनको
कुलअकुलीनकोसुन्योहैबेदसाखिहै,पांगुरेकोहाथपायँआं
धरेकोआंखिहै। मायबापभूखेकोअधारनिराधारको । से
तुभवसागरकोहेतुसुखसारको । पतितपावनरामनामसों
नदूसरो। सुमिरिसुभूमिभयोतुलसीसोऊसरो। भलोभ
लीभांतिहैजोमरेकहैलागिहै । मनरामनामसोंसुभायअ

नुरागिहै। रामनामकोप्रभावजानजुड़ीआगिहै। सहित सहायकलिकालभीतुभागिहै। रामरामनामसोंबिरागयो गजागिहै। बामबिधिभालनकर्मदागदागिहै। रामनाममो दकसनेहसुधापागिहै। पाइपरतोषतूनद्वारद्वारबागिहै। कामतरुरासनामजोइजोइमांगिहै। तुलसीदासस्वारथ परमारथनखांगिहै ७० ऐसेहूनसाहबकीसेवातूहोतचा रुरे। मुनिमनअगमसुगममाइबापुसो। कृपासिन्धुस हजसखासनेहीआपुसो। स्वामीसर्बज्ञसोंचलेनचोरीचा रकी। प्रीतिपहिंचानयहरीतिदरबारकी। कायनकले शलेतमानबातमनकी। सुमिरेसकुचिरुचिजोगवतजन की। रीझेबसहोतखीझेदेतनिजधामरे। फलतसकल फलकामतरुनामरे। बेचेखोटेदामनमिलैनराखैकामरे। सोऊतुलसीनिवाज्योऐसोराजारामरे ७१ मेरोभलोकि योरामआपनीभलाई। होतोसांईद्रोहीपैसेवकहितसो ई। रामसोंबड़ोहैकौनमोसोंकौनछोटो। रामसोंखरोहैकौ नमोसोंकौनखोटो। लोककहैरामकोगुलामहौंकहावों। एतेबड़ेअपराधमौनमनपावों। पाथमाथेचढ़ैतृणतुलसी जोनीचौ। बोरतनबारिताहिजानिआपसींचौ ७२ जागि जागिजीवजड़जोहजगजामिनी। देहगेहनेहजानिजैसे घनदामिनी। सोवतसपनेहीसहैसंसृतसन्तापरे। बूड़ो मृगबारिखायोजेवरीकोसांपरे। कहैवेदबुधतूतोबूझमन माहिरे। दोषदुखसपनेकेजागेहियेजाहिंरे। तुलसीजागे तेजाहितापतिहूंतापरे। रामनामशुचिरुचिसहजसुभा यरे ७३॥ रागबिभास॥ जानकीशकीकृपाजगावतीसु

जानजीवजागित्यागिमूढ़तानुरागश्रीहरे। करिबिचारत जिबिकारभजिउदाररामचन्द्रभद्रसिंधुदीनबन्धुबेदबिदितरे। मोहमयकुहूनिशाबिशालकालबिपुलब्यालसोयो खोयोसोअनूपरूपस्वप्नजूयरे। अबप्रभातप्रगटज्ञानभानु केप्रकाश बासनाशरोगमोहद्वैषनिबिड़मतटरे। भागमद मानचारभोरजानिजातुधानकामक्रोधलोभ क्षोभनिकरअ पडरे। देखतरघुबरप्रतापबीतेसंतापपापतापत्रिबिधिप्रे मआपदूरिहोकरे। श्रवणसुनिगिरागँभीरजागेअतिधी रबीरबरबिरागतोषसकलसंतआदरे। तुलसिदासप्रभु कृपालनिरखिजीवजनबिहाल भंज्योभवजालपरमंगला चरे ७४ ॥ रागललित ॥ खोटोखरोरावरोहौंरावरीसौंरा वरेसोंझूंठौक्योंकहौंगोजानौसबहीकेमनकी। करमबच नहियेकहौनकपनकिये ऐसीहवजैसीगांठिपानीपरेसन की। दूसरोभरोसोनाहींबासनाउपासनाकीबासवबिरंचि सुरनरमुनिगनकी। स्वारथकेसाथीझेरेहाथसेतलेवादेइ काहूतोनपीररघुबीरदीनजनकी। सांइँसभासादरलवार भयेदेवदिब्यदुसहसांसतिकीजैआगेदयातनकी। सां चेपरेपांवोंपानपांचनमेंपणप्रमाणतुलसी चातकआशराम श्यामघनकी ७५ रामकोगुलामनामरामबोलारामरा ख्योकामइहै नामद्वैहौंकबहूं कहतुहौं। रोटीलूगानी केराखेआगेहू कोवेदभाषेभलोद्वैहैतेरोतातेआनन्द लहतु हौं। बांध्योहौंकरमजड़गर्बगूढनिगडसुनतदुसहहौंतौ सांसतिसहतुहौं। आरतिअनाथनाथकोशलकृपालपाल लीन्होंछीनदीनदेख्योदुरितदहतहौं। बूड्योजोहींकह्यो

मैंहूंचेरोंको हौरावरोजूमेरोकोऊकहूंनाहींचरणगहतुहौं । मींजोगुरुपीठिअपनाइगहिबांह बालिरोंवकसुखदसदाविरदबहतुहौं । लोगकहँपोचसोंनशोचनसकोंचमेरेब्याहुनबरैखीजातिपांतिनचहतुहौं । तुलसीअकाजकाजरामहीकेरीझेनीकेप्रीतिकोप्रतीतिमनमुदितरहतुहौं ७६ जानकीजीवनजगहितजगदीशरघुनाथराजीवलोचनराम। शरदबिधुबदनसुखशीलश्रीसदनसहजसुन्दरतन शोभाअगणितकाम।जगसुपितासुमात सुगुरुसहितसुतसबकोदाहिनोंदीनबंधुकाहूकोनबाम। आरतहरणशरणदअतुलितदानप्रणतपालककृपालपतितपावननाम। सकलबिश्वबंदितसकल सुरसेवित अगमनिगमकहैं रावरेईगुणग्राम। इहैजानिकैतौतुलसीतिहारोजनभयोन्यारोकेगनिबोजहांगनेगरीबगुलाम ७७ ॥ रागटोड़ी ॥ देवदीनकोदयालदानिदूसरोनकोई। जाहिदीनताकहौंहौंदीनदेख्योसोई। सुरमुनिनरनागअसुरसाँहबतौघनेरे । येतौलौंजौंलोंरावरेननेकनयनहेरे । त्रिभुवनतिहुंकालबिदितबदतिवेदचारी । आदिअंतमध्यरामसाहिबीतिहारी। तोहिमांगिमांगनौनमांगनोकहायो । सुनिसुभावशीलसुयशयाचनजनआयो । पाहनपशुबिटपबिहँगअपनेकरलीन्हें । महाराजदशरथकेरंकरावकीन्हें । तूगरीबकोनिवाजहौंगरीबतेरो । वारककहियेकृपालतुलसीदासमेरो ७८ देवतूदयालदीनहौंतूदानिहौंभिखारी । हौंप्रसिद्धपातकीतूपापपुंजहारी । नाथतूअनाथकोअनाथकौनमोसों । मोसमानआरतनहिंआरतहरतोसों।ब्रह्मतूहौंजीवतूठाकुरहौं

चेरो । तातमातगुरुसखातूसबबिधिहितगेरो । तोहिं मोहिंनातोअनेकमानियेजोभावै । ज्योंज्योंतुलसीकृपाल चरणशरणपावै ७६ देवैऔरकहिमांगियेजोमागिबोनि वारो । अमितदातारकौनदुखदरिद्रटारो । धर्मधामराम कामकोटिरूपरूरो । साहिबसबबिधिसुजानदानिखङ्गसू रो । सुसमयदिनद्वैनिसानसबकेद्वारबाजै । कुसमयदशरथ केदानितेगरीबनिवाजै । सेवाबिनुगुणबिहीनदीनतासुना ये । जेजेतेनिहालकियेफूलेफिरतपाये । तुलसीदास यांचतरुचि मानिदानदीजै । रामचन्द्रचंदतूचकोरमोहिं कीजै ८० ॥ रागभैरव ॥ दीनबंधुसुखसिंधुकृपाकरकोरु णीकरघुराई । सुनहुनाथमनजरतत्रिबिधिज्वरकरतफि रतबौराई । कबहुंयोगरतभोगनिरतहठबियोगबसहोई । कबहुंमोहबशद्रोहकरतबहुकबहुंदयाअतिसोई । कबहुं दीनमतिहीनरंकरतकबहुं भूपअभिमानी । कबहुंयोग रतभोगनिरतशठकबहुं धर्मरतज्ञानी । कबहुंदेखजगध नमयरिपुमयकबहुंनारिभयभासै । संसृतसन्निपातदारुण दुखबिनुहरिकृपाननासै । संयमजपतपनेमधर्मव्रतबहु भेषसजसमुदाई । तुलसीदासभवरोगरामपदप्रेमहीन नहिंजाई ८१ मोहजनितमललागबिबिधिबिधिकोटि हुयत्ननजाई । जन्मजन्मअभ्यासनिरतचितअधिकअधिक लपटाई । नयनमलिनपरनारिनिरखिमनमलिनमलि नबिषयसंगलागे । हृदयमलीनबासनामानमदजीवसह जसुखत्यागे । परिनिन्दासुनिश्रवणमलिनभयेबचनदोष परगाये । सबप्रकारमलभारलागनिजनाथचरणबिसराये

तुलसीदासव्रतज्ञानदानतपशुद्धिहेतश्रुतिगावै । रामचर
णअनुरागनीरबिनुकलिमलनाशनपावै ८२ ॥ रागजैतश्री ॥
कछुकैनआईगयोजन्मजाय । अतिदुर्लभतनुपाइकपटतजि
भजेंनराममनबचनकाय । लरिकाईंबीतीअचेतचितचञ्च
लताचौगुनीचाय । यौवनज्वरयुवतीकुपथ्यकरिभयोत्रिदो
षभरिमदनबाय । मध्यबयसधनहेतुगँवायकृषीबनिजना
नाउपाय । रामबिमुखसुखलह्योनसपनेहुनिशिबासरतयो
तिहूंताय । सेयेनहिंसीतापतिसेवकसाधुसुमतिभलिभ
क्तिभाय । सुनेनपुलकितनकहेनमुदितमनकियेजेचरितर
घुबंशराय । अबशोचतमणिबिनुभुअंगज्योंबिकलअंगदले
जराघाय । शिरधुनिधुनिपछितातमींजिकरकोउनमीतहि
तदुसहदाय । जिन्हलगिनिजपरलोकबिगारेतेलजातहो
तठाढ़ठांय । तुलसीअजहुंसुमिरिरघुनाथहितरेउगयन्दजा
केएकनाय८३ तौतूपछितैहैमनमींजिहाथ । भयोहैसुगमतो
कोअमरअगमतनसमुझिधौंकतखोवतअकाथ । सुखसाधन
हरिबिमुखवृथाजैसेश्रमफलघृतहितपथेपाथ । यहबिचारि
तनिकुपथकुसंगतिचलिसुपंथमिलिभलेसाथ । देखिराम
सेवकसुनिकीरतिरटहिनामकरिगानगाथ । हृदयआनिधनु
हरिबानपाणिप्रभुलसैमुनिपटकटिकसेभाथ । तुलसिदास
परिहरिप्रपंचसबनावरामपदकमलमाथ । ननिढरपहितो
सेअनेकखलअपनायेजानकीनाथ८४ ॥ रागधनाश्री ॥ मनमा
धवकोनेकुनिहारहि । सुनुशठसदारंककोधनज्योंक्षणक्षण
प्रभुहिसम्हारहि । शोभाशीलज्ञानगुणमन्दिरसुन्दरपर
मउदारहि । रंजनसंतअखिलअघगंजनभंजनबिषयबिका

रहि।ज्योंबिनयोगयज्ञव्रतसंयमगयोचहहिभवपारहिं।तौ जनितुलसिदासनिशिबासर हरिपदकमलबिसारहि८५ इहैकह्योश्रुतिवेदचहूं।श्रीरघुबीरचरणचिंतनतजिनाहिन ठौरकहूं। जाकेचरणबिरंचिसेयनितसिधिपाईशंकरहू। शुकसनकादिमुक्तबिचरततेउभजनकरतअजहूं। यद्यपिपरमचपलश्रीसन्ततथिरनरहतकतहूं।हरिपदपंकजपाइअचलभइकर्मबचनमनहूं। करुणासिंधुभक्तिचिंतामणिशोभासेवतहूं। औरसकलसुरअसुरईशसबखायेउरगछहूं। सुरुचिकह्योसोइसत्यतातअतिपरुषबचनजबहूं।तुलसिदास रघुनाथबिमुखनहिं मिटैबिपतिकबहूं ८६ सुनुमनमूढ़ सिखावनमेरो। हरिपदबिमुखकाहूनलह्योसुखशठयहसमुझिसबेरो। बिछुरेशशिरबिमननयननतेपावतदुखबहुतेरो । भ्रमतश्रमितनिशिदिवसगगनमहँतहांरिपुराहुबड़ेरो। यद्यपिअतिपुनीतसुरसरितातिहुंपुरसुयशघनेरो। तजेचरणअजहूंनमिटतनितबहिबोताहूकेरो। छुटैनबिपतिभजेबिनरघुपतिश्रुतिसंदेहनिबेरो । तुलसिदाससबआशछांड़िकरिहोहुरामकोचेरो ८७ कबहूंमनबिश्रामनमान्यो । निशिदिनभ्रमतबिसारिसहजसुखजहँतहँइंद्रिनतान्यो । यद्यपिबिषयसंगसहैदुसहदुखबिषमजालअरुझान्यो । तदपिनतजतमूढ़ममताबशजाननहूनहिंजान्यौं । जन्मअनेककियेनानाबिधिकर्मकीचचितसान्यो । होइनबिमलबिबेकनीरबिनुबेदपुराणबखान्यो । निजहितनाथपितागुरुहरिसोंहरषिहृदयनहिं आन्यो । तुलसिदासकबहुगजाइसरखनतहिजन्मसिरान्यो ८८ मे

रोमनहरजूहठनतजै । निशिदिननाथदेउँशिखबहुबिधि करतसुभावनिजै । ज्योंयुवतीअनुभवतिप्रशवअतिदारुण दुखउपजै । ह्वै अनुकूलबिसारिशूलशठपुनिखलपतिहि भजै । लोलुपभ्रमतगृहपशुज्यों जहँतहँशिरपदत्राणब जै। तदपिअधमबिचरततिहिंमारगकबहुंनमूढ़लजै । हौं हारेउकरियत्नबिबिधिबिधि अतिशयप्रबलअजै । तुलसि दासबशहोइंतबै जबप्रेरकप्रभुबरजै ८६ ऐसीमूढ़तायाम नकी । परिहरिरामभक्तिसुरसरिता आशकरतओसकन की। धूमसमूहनिरखिचातकज्योंतृषितजानिमतिघनकी। नहिंतहँशीतलतानबारिपुनिहानिहोतलोचनकी । ज्यों गचकांचबिलोकिसेनजड़छाहँआपनेतनकी । टूटतअति आतुरअहारबशछतिबिसारिआननकी। कहँलोंकहौंकुचा लकृपानिधिजानतहोगतिजनकी। तुलसिदासप्रभुहरहु दुसहदुखकरहुलाजनिजप्रनकी ६० नाचतहीनिशिदिव समर्‌यो। तबहींतेनभयोहरिथिरजबतेजीवनामधर्‌यो। बहुबासनाबिबिधिकंचुकिभूषणलोभादिभर्‌यो । चरअ रुअचरगगनजलथलमेंकौनस्वांगुनकर्‌यो । देवदनुज मुनिनागमनुजनहिंयाचतकोउउबर्‌यो । मेरोदुसहदरिद्र दोषदुखकाहूतोनहर्‌यो । थकेनवपदपाणिसुमतिबलसं गसकलबिछुर्‌यो। अबरघुनाथशरणआयोजनभवभयबि कलडर्‌यो । जेहिगुणतेबसिहोहुरीझिप्रभुसोमोहिंसब बिसर्‌यो। तुलसिदासनिजभवनद्वारप्रभुदीजैरहनपर्‌यो ६१ माधवजूमोसममन्दनकोऊ। यद्यपिमीनपतंगहीन मतिमोहिनहींपूजैओऊ। रुचिररूपआहारबशउन्हपावक

लोहनजान्यो । देखतबिपतिबिषयनतजतहीतातेअधिक अयान्यो। महामोहसरिताअपारमहसन्ततफिरतबह्यो। श्रीहरिचरणकमलनौकातजिफिरिफिरिफेनगह्यो। अस्थि पुरातनक्षुधितश्वानअतिज्योंभरिमुखपकर्यो। निजतालू गतिरुधिरपानकरिमनसंतोषधर्यो। परमकठिनभवब्या लग्रसितहीत्रसितभयोअतिभारी । चाहतअभयभेकशर णागतखगपतिनाथबिसारी। जलचरवृन्दजालअन्तरग तहोतसिमिटिएकपासा। एकहिएकखातलालचबशनहिं देखतनिजनाशा।मेरेअघशारदअनेकयुगगणतपारनहिंपा वै। तुलसीदासपतितपावनप्रभुयहभरोसजियआवै ९२ कृपासोधोंकहाबिसारीराम। जेहिकरुणासुनिश्रवणदीन दुखधावतहौतजिधाम। नागराजनिजबलबिचारहियहा रिचरणचितदीन्ह। आरतगिरासुनतखगपतितजिचलत बिलंबनकीन्ह।दितिसुतत्रासत्रसितनिशिदिनप्रह्लादप्र तिज्ञाराखी । अतुलितबलमृगराजमनुजतनुदनुजहत्यो श्रुतिशाखी। भूपसदसिसबनृपविलोकिप्रभुराखुकहोनर नारी। बसमपूरिअरिदर्पदूरिकरिभूरिकृपादनुजारी। एक एकतेरिपुत्रसितजनतुमराखेरघुबीर । अबमोहिं देतदुस हदुखबहुरिपुकसनहरहुभवपीर। लोभग्राहदनुजेशक्रोध कुरुराजबन्धुखलमार। तुलसिदासप्रभुयहदारुणदुखभंज हुरामउदार ९३ काहेतेहरिअबमोहिं बिसारेउ । जानत निजमहिमामेरेअघतदपिननाथसँभारेउ। पतितपुनीतदी नहितअशरणशरणकहतश्रुतिचारेउ। होंनहिंअधमसभी तदीनकिधौंवेदनमृषापुकारेउ। खगगणिकागजव्याधपां

तिजहँतहांहोंहूंबैठारो। अबकहिलाजकृपानिधानपरस तपनवारोफारेउ। जोकलिकालप्रबलअतिहोतोतुवनिदेशतेन्यारेउ। तौहरिरोषभरोशदोषगुणतेहिभयतेतजिगारेउ। मसकबिरंचिबिरंचिमसकसमकरहुप्रभावतुम्हारेउ। यहसामर्थअक्षतमोहिं त्यागहुनाथतहांकछुचारेउ। नाहिं ननरकपरतमोकहँडरयद्यपिहौंअतिहारेउ। यहबड़िआसदासतुलसीप्रभुनामहुपापनजारेउ ६४ तऊनमेरेअघ अवगुणगनिहैं। जोयमराजकाजसबपरिहरियहीख्याल उरअनिहैं। चलिहैंछूटिपुंजपापिनकेअसमंजसजियजनि हैं। देखिखलनअधिकारप्रभूसोमेरीभूलभुलाईमनिहैं। हँसिकरिहैंपरतीतिभक्तिकीभक्तशिरोमणिमनिहैं। ज्यों त्योंतुलसिदासकौशलपतिअपनायेहिपरिबनिहैं ६५ जो पैजियधरिहौअवगुणजनकी। तौक्योंकटतसुकृतनखतेमो पैबिपुलवृन्दअघबनके। कहिहैकौनकलुषमेरेकृतकर्म बचनअरुमनके। हारहिअमितशेषशारदश्रुतिगिनतएकएकक्षनके। जोचितचढ़ैनाममहिमानिजगुणगणिपावनपनके। तौतुलसिहितारिहौबिप्रजोदशनतोरियमगनके ६६ जोपैहरिजनकेगुणगहते। तौसुरपतिकुरुराजबालिसोंकतहठिबैरबिसहते। जोजपयज्ञयोगब्रतबरजितकेवलप्रेमनचहते। तौकतसुरमुनिबरबिहायब्रजगोपगेहबसिरहते। जोजहँतहँप्रणरासिभक्तकोभजनप्रभावनकहते। तौकलिकठिनकर्ममारगजड़हमकेहिभांतिनिबहते। जोसुतहितलियनामअजामिलकेअघअमितनदहते। तौयमभटसांसतिहरिहमसेवृषभखोजिखोजिनहते। जोजग

बिदितपतितपावनअतिब्याकुलबिरदनबहते।तौबहुकल्प
कुटिलतुलसीसेसपनेहुसुगतिनलहते ९७ ऐसोहरिकरत
दासपरप्रीति। निजप्रभुताबिसारिजनकेबशहोतसदायह
रीति। जिनबांधेसुरअसुरनागनरप्रबलकर्मकीडोरी। सो
ईअबिछिन्नब्रह्मयशुमतिबांध्योहठिसकतनछोरी। जाकी
मायाबशबिरंचिशिवनाचतपारनपायो। करतलतालबजा
इग्वालयुवतिन्हसोइनाचनचायो। बिश्वंभरश्रीपतित्रि
भुवनपतिबेदबिदितयहलीख। बलिसोकछुनचलीप्रभुता
बरहवैद्विजमांगीभीख। जाकेनामलियेछूटतभवजन्मम
रणदुखभार। अम्बरीषहितलागिकृपानिधिसोइजनमेद
शबारायोगबिरागध्यानजपतपकरजेहिखोजतमुनिज्ञानी।
बानरभालुचपलपशुपामरनाथतहांरतिमानी। लोकपाल
यमकालपवनरबिशशिसबआज्ञाकारी। तुलसिदासप्रभु
उग्रसेनकेद्वारबेंतकरधारी९८बिरदगरीबनिवाजरामको।
गावतबेदपुराणशंभुशुकप्रगटप्रभावनामको। ध्रुवप्रहलाद
बिभीषणकपिपतिजड़पतंगपांडवसुदामको। लोकसुयश
परलोकसुगतिइन्हमेंकाहैरामकामको। गणिकाकोलकिरा
तआदिकाबइनतेअधिकबामको। बाजिमेधकबकियोअजा
मिलगजगायेकबश्यामको। छलीमलीनहीनसबहीसों
गतुलसीसोछीनछामको। नामनरेशप्रतापप्रबलजगयु
गयुगचलतचामको ९९ सुनिसीतापतिशीलसुभाउ। मो
दनमनतनपुलकिनयनजलसोनरसेहरषाउ। शिशुपनते
पितुमातुबंधुगुरुसेवकसचिवसखाउ। कहतरामबिधुबद
नरिसोहसपनेहुलख्योनकाउ। खेलतसंगअनुजबालक

नितजुगवतअनटअपाउ । जीतहारिचुचकारिदुलारतदेत दिवावतदाउ । शिलाशापसंतापबिगतभइपरसतपावनपांउ । दईसुगतिसोनहेरिहरषिहियचरणछुयेकोपछिताउ । भवधनुभंजिनिदरिभूपतिभृगुनाथपाइगयेताउ । क्षमिअपराधक्षमाइपांयपरिइतौनअनतसमाउ । कह्यो राजबनदियोनारिबशगरिगलानिगैराउ । ताकुमातुको मनजुगवतज्योंनिजतनममंनघाउ । कपिसेवाबशभये कनौड़ेकह्योपवनसुतआउ । दीबेकोनकछूऋणियांहोयनि कतुपत्रलिखाउ । अपनायेसुग्रीवबिभीषणतिननतज्यो कुलछाउ । भरतसभासनमानिसराहतहोतनहृदयअघाउ । निजकरुणाकरतूतिभक्तपरचपलचलतचरचाउ । सुकृतप्रणामप्रणतयशबरणतसुनतकहतफिरिगाउ । समुझिसमुझिगुणग्रामरामकेउरअनुरागबढ़ाउ । तुलसिदासअनयासरामपदपैहौप्रेमपसाउ १०० जाउँकहां तजिचरणतुम्हारे । काकोनामपतितपावनजगकेहिअतिदीनपियारे । कौनेदेवबराइबिरदहितहठिहठिअधमउधारे । खगमृगव्याधपषाणबिटपजड़यमनकवनसुरतारे । देवदनुजमुनिनागमनुजसबमायाबिबशबिचारे । तिनकेहाथदासतुलसीप्रभुकहाअपनपोहारे १०१ हरितुमबहुतअनुग्रहकीन्हों । साधनधामबिबुधदुर्लभतनमोहिंकृपाकरिदीन्हों । कोटिहुमुखकहिजाहिंनप्रभुकेएकएकउपकार । तदपिनाथकछुऔरमांगिहौंदीजेपरमउदार । बिषयबारिमनमीनभिन्ननहिंहोतकबहुंपलएक । तातेसहियबिपतिअतिदारुणजन्मतयोनिअनेक । कृपाडोरिब

नसीपदअंकुशपरमप्रेममृदुचारो । यहिबिधिबेगिहरहु मेरोदुखकौतुकरामतुम्हारो । हैश्रुतिबिदितउपायसकल सुरकेहिकहिदीननिहोरेउ । तुलसिदासयकजीवमोहरजु जोबांध्योसोइछोरेउ १०२ यहबिनतीरघुबीररगुसांई । औरआशबिश्वासभरोसोहरोजीवनड़ताई । चाहौंनसुग तिसुमतिसंपतिकछुऋधिसिधिबिपुलबड़ाई । हेतुरहित अनुरागरामपदबढ़ैअनुदिनअधिकाई । कुटिलकर्मलैजाय मोहिंजहँतहँअपनीबरिआई। यहजगमेंजहँलगियातनकी प्रीतिप्रतीतिसगाई । तेसबतुलसिदासप्रभुहीसोंहोहिंसि मिटिएकठांई १०३ जानकीजीवनकीबलिजैहौं । चितकहै रामसियापदपरिहरिअबनकहूं चलिजैहौं । उपजीउरप्र तीतिसपनेहुंसुखप्रभुपदबिमुखनपैहौं । मनसमेतयातन केबासिन्हइहैसिखावनदेहौं । श्रवणनिऔरकथानहिसु निहौंरसनाऔरनगैहौं । रोंकिहौंनयनबिलोकतऔ रहिशीशईशहीनैहौं । नातोनेहनाथसोंकरिसबनातोनेह निबैहौं । यहछरभारताहितुलसीजगजाकोदासकहैहौं । १०४ अबलौंनसानीअबननसैहौं । रामकृपाभवनिशासि रानीजागेफिरिनडसैहौं ।पायोनामचारुचिंतामणिउरकर तेनखसैहौं । श्यामरूपशुचिरुचिरकसौटीचितकंचनहिंक सैहौं । परबशजानिहँस्यानिजइन्द्रिनइनबशहवैनहँसैहौं॥ मनमधुकरपनकरितुलसीरघुपतिपदकमलनसैहौं १०५ रागरामकली ॥ महाराजरामादरयोधन्यसोई । गुरुअगुण राशिसर्बज्ञसुकृतिसूरशीलनिधिसांचुतुहिसमनकोई । उ पलकेवटकीशभालुनिशिचर शवरिगीधसमदमदयादान

हीने । नामलियेरामकियेपरमपावनसकलनरतरततिन केगुणगानकीने । व्याधअपराधकोसाधराखीकौनपिंग लाकौनमतिभक्तिभेई । कौनधौंसोमजातीअजामिलअध मकोनगजराजधौंबाजिपेई । पांडुसुतगोपिकाबिदुरकुबरी सबहिमोचकियोशुद्धितालेशकैसो । प्रेमलखिकृष्णकियेआ पनेतिन्हकोअबसुयशसंसारहरिहरकोजैसो। कोलखलभि ल्लयवनादिखलरामकहिनीचह्वैऊंचपदकेनपायो । दीनदुः खदमनश्रीरमणकरुणाभवनपतितपावनबिरदवेदगायो । मंदमतिकुटिलखलतिलक तुलसीसरिसभौनतिहुंलोकति हुंकालकोऊ । नामकीकानिपहिचानिजनआपनाअसतक लिब्यालरखुशरणसोऊ १०६ ॥ रागबिलावल ॥ ह्वैनीकोमेरो देवताकोशलपतिरामा। सुभगसरोरुहलोचनसुठिसुंदरश्या मासियसमेतशोभितसदाछविअमितअनंग । भुजबिशाल सरधनुधरेकटिचारुनिषंग । बलिपूजाचाहतनहींचाहैंएक प्रीतिसुमिरतहीमानैभलोपावनसबरीतिदेहिसकलसुख सिंधुदुखदहेआरतजनबंधुगुणगहिअघअवगुणहरैअसक रुणासिंधु। देशकालपूरणसदाबदबेदपुराना सबकोप्रभुस बमेंबसैसबकीगतिजान। कोकरिकोटिककामनापूजैबहुदे वतुलसिदासतेहिसेइयेशंकरजेहिसेव १०७ बीरमहाअव राधियेसाधेसिधिहोइ ।सकलकामपूरणकरैजानैसबकोइ। बेगिबिलंबनकीजियेलीजैउपदेश। महामंत्रजपियेसोईजो जपतमहेश । प्रेमवारितर्पणभलोघृतसहजसनेहु । संतत समिधिअग्निक्षमाममताबलिदेहु । अघउचाटिमनबशक रैमारैमदमार । आकर्षैसुखसंपदासंतोषबिचार । जे

मुहिभांतिभजनकियोमिलेरघुपतिताहि। तुलसिदासप्र
यपथचढ़ोजोलेहुनिबाहि १०८ कसनकरहुकरुणाहरे
दुखशमनमुरारि । त्रिबिधितापसंदेहशोकसंशयभयहा
रि । यहकलिकालजनितमलमतिमंदमलिनमन । ते
हिपरप्रभुनहिं करसम्हारिकेहिभांतिजियेजन । सबप्रका
रसमरथप्रभोमैंसबबिधिदीन । यहजियजानिद्रवोनहींमैं
करमबिहीन । भरतअनेकयोनिरघुपतिपतिआतनमोरे ।
दुखसुखसहौंरहौंसदाशरणागततोरे । तोसमदेवनकोउ
कृपालसमुझोंमनमाहीं । तुलसिदासहरितोषियेसोसा
धननाहीं १०९ कहुकेहिकहियेकृपानिधेभवजनितबिप
तिअति । इंद्रियसकलबिकलसदानिजनिजसुभावरति ।
जेसुखसंपतिस्वर्गनरकसंततसँगलागी । हरिपरिहरिसो
इयत्नकरतमनमोरअभागी । येअतिदीनदयालदेवसुनिम
नअनुरागे । जोनद्रवहुरघुबीरधीरकाहेनदुखलागे । यद्य
पिमैंअपराधभवनदुखशमनमुरारे । तुलसिदासकहँआश
इहैबहुपतितउधारे ११० केशवकहिनजाइकाकहिये । दे
खततवरचनाविचित्रहरिसमुझिमनहिंमनरहिये । शून्यभी
तिपरचित्ररंगनहिंबिनतनलिखाचितेर । धोयेमिटैनमरैभी
तिदुखपाइयहतनहेरे । रबिकरनीरबसैअतिदारुणमकर
रूपतेहिमाहीं । बदनहीनसोग्रसेचराचरपानकरनजेना
हीं । कोउकहसत्यझूठकहकोऊयुगलप्रबलकरिमाने । तु
लसिदासपरिहरेतीनभ्रमसोआपनपहिचाने १११ केश
वकारणकौनगुसांई । जेहिअपराधअसाधुजानिमोहिंतज्यो
अज्ञकीनांई । परमपुनीतसंतकोमलचितितिन्हहितुमहिं

बनिआई। तौकतविप्रव्यावगजगनिकहितार्योकछुरही सगाई। कालकर्मगतिअगतिजीवकीसबहरिहायतुम्हारे। सोइकछुकरहुहरहुममतामम फिरउनतुम्हहिंबिसारे।जोतु मतजहुभजोंनआनप्रभुयहप्रमानपनमोरे। मनबचकर्मन रकसुरपुरजहँतहँरघुबीरनिहोरे। यद्यपिनाथउचितनहो तअसप्रभुसोंकरोंढिठाई। तुलसिदाससीदतनिशिदिनदे खततुम्हारिनिठुराई ११२ माधवअबनद्रवहुकेहिलेखे।प्र णतपालप्रणतोरमोरप्रणजिअउंकमलपददेखे। जबलगि मैंनदीनदयालतैंमैंनदासतैंस्वामी। तबलगिजोदुखसहेउं कहेउंनहिंयद्यपिअन्तरयामी। तैंउदारमैंकृपिणपतितमैंतैं पुनीतश्रुतिगावै। बहुतनातरघुनाथतोहिंमोहिंअबनतजे बनिआवै। जनकजननिगुरुबंधुसुहृदपतिसबप्रकारहित कारी। द्वैतरूपतमकूपपरोनहिंअसकछुयत्नबिचारी। सु नअदभ्रकरुणाबारिजलोचनमोचनभयभारी। तुलसिदा सप्रभुतवप्रकाशबिनसंशयटरतनटारी ११३ माधवमो समानजगमाहीं। सबबिधिहीनजोदीनमलिनअतिलीन बिषयकोउनाहीं। तुमसमहेतुरहितकृपालआरतहितईश त्यागी। । मैंदुखशोकबिकलकृपालकेहिकारणदयान लागी। नाहिनकछुअवगुणतुम्हारअपराधमोरमैंमाना। ज्ञानभवनतनदियेनाथसोउपायनमैंप्रभुजाना। बेणुकरी लश्रीखंडबसंतहिदूषणमृषालगावै। साररहितहतभाग्य सुरभिपल्लवसोकहहुकिमिपावै। सबप्रकारमैंकठिनमृदु लहरिदृढ़बिचारजियमोरे। तुलसिदासप्रभुमोहसृंखला छुटिहितुम्हारेछोरे ११४माधवमोहफांसक्योंटूटै। बाहि

रकोटिउपायकरियअभिअन्तरग्रन्थिनछूटै घृतपूरणकरा
हअंतरगतशशिप्रतिबिंबदिखावैईंधनअनललगाइकल्प
शतअघटतनाशनपावै। तरुकोटरमहँबशबिहंगतरुकाटै
मरैनजैसा साधनकरियबिचारहीनमनशुद्धहोइनहिंतैसे।
अन्तरमलिनविषयमनअतितनुपावनकरियपखारे। मरइ
नउरगअनेकयत्नबलमीकबिबिधिबिधिमारे। तुलसिदास
हरिगुरुकरुणाबिनबिमलबिवेकनहोई। बिनबिबेकसंसा
रघोरनिधिपारनपावैकोई ११५ माधवअसतुम्हारियह
माया। करिउपायपचिमरियतरियनहिंजबलगिकरहुन
दाया। सुनियगुनियसमुझियसमुझाइयदशाहृदयनहिं
आवै। जेहि अनुभवबिनमोहजनितदारुणभवबिपतिसता
वै। ब्रह्मपियूषमधुरशीतलज्योंपैमनसोरसपावै। तौकत
मृगजलरूपविषयकारणनिशिबासरधावै। जेहिकेभवन
बिमलचिन्तामणिसोकतकांचघटोरे। सपनेपरबशपर्यो
जागिदेखतकेहिजाइनिहोरे। ज्ञानभक्तिसाधनअनेकस
बसत्यझूठकछुनाहीं। तुलसिदासहरिकृपामिटैभ्रमयहभ्र
मोसमनमाहीं ११६ हेहरिकवनदोपताहिंदीजै। जेहि
उपाइसपनेहुदुर्लभगतिसोइनिशिबासरकीजै। जानत
अर्थअनर्थरूपतमकूपपरबयहिलागै। तदपिनतजतश्वान
अजगरज्योंफिरतविषयअनुरागै। भूतद्रोहकृतमोहबश्य
हितआपनमैंनबिचारो। मदमत्सरअभिमानज्ञानरिपुइ
न्हमहँरहनिअपारो। वेदपुराणसुनतसमुझतरघुनाथसक
लजगव्यापी। भेदनाहिंश्रीखंडवेणुइवसारहीनमनपा
पी। मैंअपराधसिंधुकरुणाकरजानतअन्तरयामी। तुलसि

दासभवव्यालग्रसिततवशरणउरगरिपुगामी ११७ हेह
रिकवनयत्नसुखमानहुं। ज्योंगजदशनतथाममकरणीसब
प्रकारतुमजानहुं। जोकछुकहियकरियभवसागरतरियब
च्छपदजैसे। रहनिआनविधिकरियआनहरिपदसुखपाइ
येकैसे। देखतचारुमयूरबचनशुभबोलसुधाइवसानी। स
बिषउसीआहारनिठुरअसयहकरनीवहबानी। अखिल
जीवबत्सलनिर्मत्सरचरणकमलअनुरागी। तेतवप्रियर
घुबीरधीरमतिअतिशयनिजपरत्यागी। यद्यपिममअवगु
णअपारसंसारयोगरघुराया। तुलसिदासनिजगुणबि
चारिकरुणानिधानकरुदाया ११८ हेहरिकवनयत्नश्रम
भागै। देखतसुनतबिचारतयहमननिजसुभावनहिंत्या
गै। भक्तिज्ञानबैराग्यसकलसाधनयहिलागिउपाई। कोउ
भलकहउदेउकछुकोऊअसिबासनाहृदयतेनजाई। जिहि
निशिसकलजीवसूतहितवकृपापात्रजनजागै। निजकर
नीबिपरीतदेखिमोहिं समुझिमहाभयलागै। यद्यपिभग्न
मनोरथविधिबशसुखईछतदुखपावै। चित्रकारकरहीन
यथास्वारथबिनचित्रबनावै। हृषीकेशसुनिनामजाउंबलि
अतिभरोसजियमोरे। तुलसिदासइंद्रियसंभवदुखहरेबने
हिप्रभुतोरे ११९ हेहरिकसनहरहुभ्रमभारी। यद्य
पिमृषासत्यभासै जबलगिनहिंकृपातुम्हारी। अर्थअवि
द्यामानजानियेसंश्रितनहिंजाइगुसांई। बिनबांधेनिजहठ
शठपरबशपरयोकीरकीनांई। सपनेब्याधिबिबिधिबाधा
जनुमृत्युउपस्थितआई। बैद्यअनेकउपाइकरहिजागेबिनु
पीरनजाई। श्रुतिगुरुसाधस्मृतिसंमत यहदृश्यसदादुख

कारी। तेहिबिनुतजेभजेबिनुरघुपतिबिपतिसकैकोटारी।
बहुउपाइसंसारतरनकहँबिमलगिराश्रुतिगावै। तुलसिदा
समंमोरगयेबिनाजियसुखकबहुंनपावै १२० हेहरियहभ्र
मकीअधिकाई। देखतसुनतकहतसमुझतसंशयसंदेहनजा
ई। जोजगमृषातापत्रयअनुभवहोइकहहुकेहिलेखे। कहि
नजाइमृगवारिसत्यभ्रमतेदुखहोइंबिशेषे। सुभगसेजसो
वतसपनेज्योंबारिधबूड़तअतिभयलागे। कोटिहुनावन
पारपावसोजबलगिआपुनजागै। अनबिचाररमणीयस
दासंसारभयंकरभारी। समसंतोपदयाबिबेकतेव्यवहारी
सुखकारी। तुलसिदाससबबिधिप्रपंचजगयद्यपिझूंठश्रु
तिगावै। रघुपतिभक्तिसंतसंगतिबिनकोभवत्रासनसा
वै १२१ मैंहरिसाधनकरैनजानी। जसआमयभेषज
नकीन्हतसदोषकहापरबानी। सपनेनृपकहँघटेबिप्रबध
बिकलफिरैअवलागे। बाजिमेधशतकोटिकरैनहिंशुद्ध
होइबिनजागे। खगमहँसर्पबिपुलभयदायकप्रगटहोइ
अबिचारै। बहुआयुधधरिबलअनेककरिहारिहिमरइन
मारै। निजभ्रमतेरबिरबिसंभवसागरअतिभयउपजावै।
अवगाहतबोहितनौकाचढ़िकबहूंपारनपावै। तुलसिदा
सजगआपुसहितजबलगिनिर्मूलनजाई। तबलगिकोटि
कल्पउपायकरिमरियतरियनहिंभाई १२२ असकछुस
मुझिपरैरघुराया। बिनवतकृपादमालदासहितमोहनछू
टैमाया। बाक्यज्ञानअत्यंतनिपुणभवपारनपावैकोई।
निशिगृहमध्यदीपकीबातिन्हतमनिवृत्तनहिंहोई। जैसे
कोउयकदीनदुखितअतिअशनहीनदुखपावै। चित्रकल्प

तरुकामधेनुगृहलिखेनबिपतिनसावै । षट्रसबहुप्रकार भोजनकोउदिनअरुरैनिबखानै । बिनबोले संतोषजनित सुखखाइसोइपैजानै । जबलगिनहिंनिजहृदिप्रकाशअरु बिषयआशमनमाहीं । तुलसिदासतबलगिजगयोनिभ्रम तेसपनेहुसुखनाहीं १२३ जोनिजमनपरिहरैबिकारा । तौकतद्वैतजनितसंसृतदुखसंशयशोकअपारा । शत्रुमित्र मध्यस्थतीनियेमनकीन्हेंबरिआई । त्यागयोगहवउपेक्ष नीयअहिहाटकतृणकीनाई । अशनबसनपशुबस्तुबिबि धिबिधिसबमनमहँरहजैसे । स्वर्गनरकचरअचरलोकब हुबसतमध्यमनतैसे । बिटपमध्यपत्रिकासूत्रमहकंचुकि बिनहिबनाये । मनमहँतथालीननानातनप्रगटतअवसर पाये।रघुपतिभक्तिबारिछालितचितबिनप्रयासनहिंसूझै । तुलसिदासकहचिदबिलासजगबूझतबूझतबूझै १२४ मैं केहिकहउंबिपतिअतिभारी। श्रीरघुबीरधीरहितकारी।मम हृदयभवनप्रभुतोरा।तहँबसेआइबहुचोरा। अतिकठिनकर हिंबरजोरा।मानहिनहिंबिनयनिहोरा। तममोहलोभअहं कारा। मदक्रोधबोधरिपुमारा । अतिकरहिंउपद्रवना था।मर्दहिंमोहिंजानिअनाथा। मैंएकअमितबटपारा। को उसुनैनमोरपुकारा। भागहुनहिंनाथउबारा। रघुनायक करहुसँभारा। कहतुलसिदाससुनरामा। लूटहिंतस्करत वघामा १२५ चितायहमोहिंअपार। अपयशनहिंहोहि तुम्हार। मनमेरेमानहिशिखमेरी। जोनिजभक्तिचहहिह रिकेरी। उरआनहिप्रभुकृतहितजेते। सेवहितजेअपनपौ चे । दुखसुखअरुअपमानबड़ाई । सबसमलेखहिंबिप

तिबिहाई। सुनुशठकालग्रसितयहदेही। जनितेहिलागि बिदूषहिकेही। तुलसिदासबिनश्रमतिआये। मिलहिं नरामकपटलयलाये १२६ मैंजानीहरिपदरतिनाहीं। सपनेहुंनहिंबिरागमनमाहीं। जेरघुबीरचरणअनुरागे। तिन्हसबभोगरोगसमत्यागे। कामभुअंगडसतजबजाहीं। बिषयनिंबकटुलगतनताहीं। असमंजसअसहृदयबिचारी। बढ़तशोचनितनूतनभारी। जबकबरामकृपादुखजाई। तुलसिदासनहिआनउपाई १२७ सुमिरुसनेहसहितसीतापति। रामचरणतजिनहिंनआनगति। जपतपतीरथयोगसमाधी। कलिमतिबिकलनकछुनिरुराधी। करतहुंसुकृतिनपापसिराहीं। रक्तबीजसमबाढ़तजाहीं। हरणए कश्रघश्रसुरजालिका। तुलसिदासप्रभुकृपाकालिका १२८ रुचिररसनातूरामरामकयोंनरटत। सुमिरतशुभसुकृतबढ़तश्रघश्रमंगलघटत। बिनश्रमकलिकलुषजालकटुकराल कटत। दिनकरकेउदयजैसेतिमिरतोमफटत। योगयागजपबिरागतपसुतीर्थश्रटत। बांधिबेकोभवगयन्दरेणुकीरज बटत। परिहरिसुरमणिसुनामगुंजालखिलटत। लालच लघुतेरोलखितुलसीतोहिहटत १२६ रामरामरामरामरामरामजपत। मंगलमुदउदितहोतकलिमलछलछपत। कहुकेलहेफलरसालबपुरबीजबपत। हारहिजनिजननजाइगा लगूलगपत। कालकर्मगुणसुभावसबकेशीशतपत। रामनाममहिमाकीचरचाचलेचपत। साधनबिनुसिद्धिसकलबिकललोगलपत। कलियुगबरबणिजबिपुलनामनगरखपत। नामसोंप्रतीतिप्रीतिहृदयसुथिरथपत। पावनकियेरावण

रिपुतुलसिहुसेअपत १३० पावनप्रेमरामचरणकमल जन्मलाहुपर्म। रामनामलेतहोतसुलभसकलधर्म। योग मखबिबेकबिरतिवेदबिदितकर्म । करिबेकहँकहँकठोर सुनतमधुरनर्म। तुलसीसुनिजानिबूझिभूलहिंजनिभर्म। तेहिप्रभुकोतूहोहिजाहिसबहीकीशर्म १३१ रामसेप्रीत मकीप्रीतिरहितजीवजायजियत । जेहिसुखमानिलेत सुखसोसमुझिकियत। जहँतहँजेहियोनिजन्ममहिपता- लबियत। तहँतहँतूबिषयसुखहिचहतलहतनियत। कत बिमोहलट्योफट्योगगनमगनसियत। तुलसीप्रभुसुयश गाइक्योंनसुधापियत १३२ तोसेहोंफिरिफिरिहितप्रिय पुनीतसत्यबचनकहत। सुनिमनगुनिसमुझिक्योंनसुगम सुमगगहत। छोटोबड़ोखोटोखरोजगजोजहांरहत। अपने अपनेकोभलोकहुसोकोजोनचहत । बिधिलगिलघुकीट अवधिसुखसुखीदुखदहत। पशुलौंपशुपालईशबांधतछो रतनहत । बिषयमुदनिहारभारशिरकोकांधेज्योंबहत। येहींजियजानिमानिशठतूसासतिसहत। पायोकेहिघृत बिचारुहरिणबारिमहत। तुलसीतकुताहिशरणजातेसब लहत १३३ तातेहोंबारबारदेवद्वारपरिपुकारकरत। आ रतिनतदीनताकहेप्रभुसंकटहरत। लोकपालशोकबिकल रावणडरडरत। कासुनिसकुचेकृपालनरशरीरधरत। कौ शिकमुनितीयजनकशोचअनलजरत। साधनकेहिशीतल भयेसोनसमुझिपरत। केवटखगशवरिसहजचरणकमल नरत। सन्मुखतोहिंहोतनाथकुतरुसुफलफलत। बंधुबैर कपि बिभीषणगुरुगलानिगरत। सेवाकेहिरीझिरामकिये

सरिसभरत। सेवकभयोपवनपूतसाहिबअनुहरत ।ताको लियेरामनामसबकोसुढरढरत। जानेबिनुरामरीतिपचिर जगमरत। परिहरिछलशरणगयेतुलसिहुसेतरत १३४ रागसुहोबिलावल ॥ रामसनेहीसोंतेंनसनेहकियो। अगमजो अमरनिहूंसोतनतोहिदियो । दियोसुकुलजन्मशरीरसु न्दरहेतुजोफलचारिको। जोपाइपंडितपरमपदपावतपुरा रिमुरारिको। यहभरतखण्डसमीपसुरसरिथलभलोसंग तिभली।तेरीकुमतिकायरकल्पबल्लीचहतिहैबिषफलफली। अजहूंसमुझिचितदैसुनोपरमारथ । हैहितुमोजगहूंजाहि तेंस्वारथ। स्वारथहिप्रियस्वारथसोंकातेंकीनवेदबखानई। देखुखलअहिखेलपरिहरिसोप्रभुहिपहिचानई। पितुमा तुगुरुस्वामीअपनपौतियतनयसेवकसखा । प्रियलगत जाकेप्रेमसोबिनुहेतुहितुनहितेंलखा। दूरिनसोहितूहैरु हियेंहीहै । कुलहिछांड़िसुमिरेछोहकियेहीहै। कियेछोह छायाकमलकरकीभक्तपरभजतेहिभजै। जगदीशजीवन जीवकोजोसाजसबसबकेसजै। हरिहिहरिताविधिहिबि धिताशिवहिशिवताजेहिदई । सोइजानकीपतिमधुर मूरतिमोदमयमंगलमई । ठाकुरअतिहिबड़ोशीलसरल सुठि। ध्यानअगमशिवहूभेंट्योकेवटउठि ।भरिअंकभेंट्यो सजलनयनसनेहशिथिलशरीरसों । सुरसिद्धमुनिकवि कहतकोउनप्रेमप्रियरघुबीरसों। खगशबरिनिशिचरभा लुकपिकियेआपुतेबन्दितबड़े। तापरतिन्हकिसेवासुमिरि जियजातजनुसकुचनिबड़े। स्वामीकोसुभाउकहेउसोजब उरआनिहैं। शोचसकलमिटिहैंरामभलोमनमानिहैं। भ

लोमानिहैंरघुनाथजोरिजोहाथमाथोनाइहैं । ततकालतु लसीदासजीवनजन्मकोफलपाइहैं। जपिनामकरहिंप्र-णामकहिगुणग्रामरामहिंधरिहिये। बिचरहिंअवलिअव नीशचरणसरोजमनमधुकरकिये १३५ जिवजबतेहरि तेबिलगान्यो । तबतेदेहगेहनिजजान्यो । मायाबशस्व रूपबिसरायो। तेहिभ्रमतेदारुणदुखपायो । पायोजो दारुणदुसहदुखसुखलेशसपनेहुनहिंमिल्यो । भवशूल शोकअनेकजेहितेहिपंथतूहठिहठिचल्यो। बहुयोनिजन्म जराबिपत्तिमतिमन्दहरिजान्योनहीं। श्रीरामबिनुबिश्राम मूढ़बिचारलखिपायोकहीं । आनन्दसिंधुमध्यतवबासा। बिनुजानेकतुमरसिपियासा । मृगभ्रमबारिसत्यजिय जानी। तहँतूमगनभयोसुखमानी। तहँमगनमज्जसिपा नकरित्रयकालजलनाहींजहां । निजसहजअनुभवरूप तूखलभूलिअबआयोतहां। निर्मलनिरंजननिर्बिकारउदा रसुखतेंपरिहरेउ। निष्कामराजबिहायनृपइवस्वप्नकारा गृहपरेउ। तैंनिजकर्मडोरिदृढ़कीन्ही। अपनेकरनिगांठि गहिदीन्ही। तातेपरबशपरेउअभागे । ताफलगर्भबास दुखआगे। आगेअनेकसमूहसंसृतउदरगतजान्योसोऊ। शिरहेठऊपरचरणसंकटबातनहिंपूछैकोऊ। श्रोणितपुरी षतजोमूत्रमलकृमिकर्दमावृतसोवही। कोमलशरीरगँभी रवेदनशीशधुनिधुनिरोवही । तूनिजकर्मजालजहँघेरो। श्रीहरिसंगतज्योनहिंतेरो । बहुबिधिप्रतिपालनप्रभु कीन्हों। परमकृपालज्ञानतोहिदीन्हों। तोहिंदियोज्ञान बिबेकजन्मअनेककीतबसुधिभई । तेहिईशकीहोंशरण

जाकीबिषममायागुणमई। जेहिकियेजीवनिकायबशरस
हीनदिनदिनअतिनई। सोकरोबेगिसँभारश्रीपतिबिपति
महँजिनमतिमई। पुनिबहुबिधिगलानिजियमानी। अब
जगजायभजौंचक्रपानी। ऐसेहिकरिबिचारचुपसाधी।
प्रसवपवनप्रेरेउअपराधी। प्रेरेउजोपरमप्रचण्डमारुत
कष्टनानातेसह्यो। सोज्ञानध्यानबिरागअनुभवजातनापा
वकदह्यो। अतिखेदव्याकुलअल्पबल क्षणएकबोलिन
आवई। तबतीव्रकष्टनजानकोउसबलोगहर्षितगावई।
बालदशाजेतेदुखपाये। अतिअनीमनहिंजाहिंगनाये। क्षु
धाव्याधिबाधाभइभारी। वेदननहिंजानैंमहतारी। जन
नीनजावैपीरसोकेहिहेतुशिशुरोदनकरै। सोइकरैबिबिधि
उपायजातेअधिकतुवछातीजरै। कौमारसेसबअरुकिशोर
अपारअघकोकहिसकै। बितरेकतोहिनिर्दयमहाखलआन
कहुकोसहिसकै। यौबनयुवतिसंगरँगरात्यो। तबतूमहा
मोहमदमात्यो। तातेत्यागिधर्ममर्य्यादा। बिसरेतबसब
प्रथमबिषादा। बिसरेबिषादनिकायसंकटसमुझिनहिंफा
टतहियो। फिरिगर्भगतआवर्तसंसृतचक्रजेहिसोइसोइ
कियो। कृमिभस्मबिटपरिणामतनतेहिलागिजगबैरी
भयो। परदारपरधनद्रोहपरसंसारबाढ़ैनितनयो। देखत
हीआईबिरधाई। जोतैंसपनेहुनाहिंबुलाई। ताकेगुणक-
छुकहेनजाहीं। सोअबप्रकटदेखुजगमाहीं। सोप्रगटतन
जर्ज्जरजरावशव्याधिशूलसतावई। शिरकम्पइन्द्रीशक्ति
प्रतिहतबचनकाहुनभावई। गृहपालहूंतेअतिनिरादरखा
नपाननपावई। ऐसेहुदशाबैराग्यनहिंतृष्णातरंगबढ़ा

वई। कहिकोसकैमहाभवतेरे। जन्मएककैककुकगनेरे। खानिचारिसन्ततअवगाहीं। अजहुंनकरुबिचारमनमाहीं। अजहुंबिचारुबिकारतजिभजुरामजनसुखदायकं। भवसिन्धुदुस्तरजलरथम्भजुचक्रवरसुरनायक। बिनुहेतु करुणाकरउदारअपारमायातारणं। कैवल्यपतिजगपति रमापतिप्राणपतिहितकारणं। रघुपतिभक्तिसुलभसुख कारी। सोत्रयतापशोकभयहारी। बिनुसतसंगभक्ति नहिंहोई। तेतबमिलैंद्रवैजबसोई। जबद्रवैदीनदयाल राघवसाधुसंगतिपाइयो। जेहिदरशपरससमागमादि कपापराशिनशाइयो। जिनकेमिलेदुखसुखसमानअमानतादिकगुणभये। मदमोहलोभबिषादक्रोधसुबोधतेसहजहिगये। सेवतसाधुद्वैतभयभागे। श्रीरघुबीरचरणलयलागे। देहजनितबिकारसबत्यागे। तबफिरिनिजस्वरूपअनुरागे। अनुरागसोनिजरूपजोजगतेबिलक्षणदेखिये। संतोषसमशीतलसदाहमदेहवन्तनलेखिये। निरमलनिरामयएकरसतेहिहर्षशोकनव्यापई। त्रयलोक्य पावनसोसदाजाकीदशाऐसीभई। जोतेहिपंथचलैमनलाई। तौहरिकाहेनहोहिंसहाई। जोमारगश्रुतिसाधुदेखावैं। तेहिपदचलतसबैसुखपावैं। पावहिंसदासुखहरिकृपा संसारआशातजिरहै। सपनेहुनहींदुखद्वैतदरशनबातको टिककोकहै। द्विजदेवगुरुहरिसंतबिनुसंसारपारनपावई। यहजानितुलसीदासत्रासहरणरमापतिगावई १३६॥ राग बिलावल॥ जोपैकृपारघुपतिकृपालकीबैरअवरकेकहासरै। होयनबांकोबारभक्तकोजोकोउकोटिउपायकरै। तकैनीच

जोमीचुसाधुकीसोपांवरतेहिमीचमरै। बेदबिदितप्रहलाद कथासुनिकौनभक्तिपथपाउंधरै। गजउधारिहरिथप्यो बिभीषणध्रुवअविचलकहूंनटरै। अंबरीषकीशापसुरति करिअजहुंमहामुनिग्लानिगरै। सोधोंकहाजुनकियोसुयो धनअबुधआपनेमानेजरै। प्रभुप्रसादसौभाग्यबिजयशपांडवनबरिआईबरै। जोजोकूपखनेगोपरकहँसोशठफिरि तेहिकूपपरै। सपनेहुंसुखनसंतद्रोहीकहँसुरतरुसोउचि पकरनिफरै। हैंकाकोहैशीशईशकेजोहठिजनकीसीमचरै। तुलसिदासरघुबीरबाहुबलु सदाअभयकाहूनडरै १३७ कबहुंस्वकरसरोजरघुनायकधरिहौनाथ शीशमेरे। जेहि कर अभयकियेजनआरतबारकबिबशनासटेरे। जेहिकर कमलकठोरशंभुधनुभंजिजनकसंशयमेट्यो। जेहिकर कमलउठाइबंधुज्यों परमप्रीतिकेवटभेंट्यो। जेहिकरकमलकृपालगीधकहँपिण्डदेइनिजलोक दियो। जेहिकरबालि बिदारिदासहित कपिकुलपतिसुग्रीवकियो। आयोशरणसभीतबिभीषणजेहिकरकमलतिलककीन्हों। जेहि करगहिशरचापअसुरहतिअभयदानदेवनदीन्हों। शीतलसुखदछाहँजेहिकरकीमेटतिताप पापमाया। निशि बासर तेहिकरसरोजकीचाहततुलसिदासछाया १३८ दीनदयालदुरितदारिददुखदुनीदुसहतिहुंतापतईहै। देव दुआरपुकारतआरतसबकी सब सुखहानि भईहै। प्रभु के बचन बेद बुधसम्मतममरतिमहिदेवमईहै। तिन्ह कीमतिरिसरागमोहमदलोभलालचीलीलिलईहै। राजसमाजकुसाजकोटिकटु कल्पतकलुषकुचालनईहै। नी

तिप्रतीतिप्रीतिपरमितिपतिहेतुबादहठिहेरिहईहै। आश्र
मवर्णनधर्मबिरहितजगलोक बेदमर्य्यादगईहै । प्रजा
पतिपाखंडपापरत अपनेअपनेरंगरईहै । शान्तिस
त्यशुभरीतिगईघटिबढ़ीकुरीतिकपटकलईहै । शीदतसा
धुसाधुताशोचतिखलबिलसत हुलसतिखलईहै । परमा
र्थस्वारथसाधनभयेअफलसकल नहिंसिद्धिसईहै । का
मधेनुधरनीकलिगोमरबिबशबिकलजामतिनवईहै । क
लिकरनी बरनियेकहांलौकरत फिरतबिनटहलटईहै ।
तापरदांतपीसिकरमींजतकोनेजाचितकाहठईहै। त्योंत्यों
नीचचढ़त शिरऊपरज्योंज्योंशीलबशढीलदई है । सरु
षबरजितरजियेतरजनीकुम्हिलैहैं कोम्हड़े कीजईहै। दी
जैदादिदेखिनातोबलिमहीमोदमंगलरितईहै । भरेभाग
अनुरागलोगकहैंरामअवधिचितवनिचितई है । बिनती
सुनसानंदहेरिहँसिकरुणाबारिभूमिभिजई है । रामराज
भयोकाजसगुणशुभराजारामजगत बिजईहै । समरथ
बड़ोसुजानसुसाहिबसुकृतसैनहारतजितईहै ।सुजनसुमा
वसराहतसादरअनायास सासतिबितईहै। उथपैथपनउ
जारिबसावनगईबहोरिबिरदसंदईहै। तुलसीप्रभुआरति
आरतहरअभयबाहँकेहिकेहिनदईहै १३६ तेनरनरक
रूपजीवतजगभवभंजनपदबिमुखअभागी । निशिबासर
रुचिपाप अशुचिमन खलमतिमलिननिगमपथत्यागी ।
नहिंसतसंगभजननहिंहरिकोश्रवणनरामकथाअनुरागी।
सुतवितदारभवनममतानिशिसोवतअतिनकबहुं मतिजा
गी । तुलसिदास हरिनामसुधातजिशठहठिपियतविष

यविषमांगी । शूकरश्वानशृगालसरिसजनजन्मतजग तजननिदुखलागी १४० रामचन्द्ररघुनायकतुमसों हौं विनतीकेहिभांतिकरों । अघअनेकअवलोकि आपनेअन घनामअनुमानिडरों । परदुखदुखी सुखीपरसुखतेसंत शीलनहिहृदयधरों । देखिआनकीबिपतिपरमसुखसुनि संपति बिनआगिजरों । भक्तिबिराग ज्ञानसाधनकहि बहुबिधिडहकतलोकफिरों । शिवसर्बससुखधामनामत वबंचिनरकप्रदउदरभरों । जानतहूं निजपापजलधि जियजलसीकरसमसुनतलरों । रजसमपरअवगुणसुमे रुकरिगुणतिरिसमरजतें निदरों । नानाबेषबनाइदिवस निशिपरबितजेहितेहियुक्तिहरों । येकौपलुन कबहुंअ लोलचितहितदेपदसरोजसुमिरों । जोआचरणबिचार हुमेरोकलपकोटिलगिअवटिमरों । तुलसिदासप्रभुकृपा बिलोकनिगोपदज्योंभवसिन्धु तरों १४१ सकुचत हौं अति रामकृपानिधिक्योंकरि बिनयसुनावों । सकलधर्म बिपरीतकरत केहिभांतिनाथमनभावों । जानतहूंहरि रूपचराचरमेंहठिनयननलावों । अंजनकेश शिखायुव तीतहँलोचनसलभपठावों । श्रवणनिकोफलकथातुम्हा रीयहसमुझोंसमुझावों । तिनश्रवणनिपरदोषनिरंतर सुनिसुनिभरिभरितावों । जेहिरसनागुणगाइ तिहारेबि नुश्रयासमुखपावों । तेहिमुखपरअपवादभेकज्यों रटिर टिजन्मनसावों । करहुहृदय अतिबिमलबसहिंहरिकहि २ सबहिसिखावों । हौंनिजउरअभिमानमोहमदखलमं डलीबसावों । जोतनुधरिहरिपदसाधहिंजनसोबिनुकाज

गबावौं। हाटकघटभरि धर्‌यो । सुधागृहतजनभकू पखनावौं । मनक्रमबचनलाइकीन्हेंअघतेकरियन्नदुरा वौं । परप्रेरित इरषाबशकबहुंक कियो कछुशुभसोजना वौं । बिप्रद्रोहजनुबाटपर्‌योहठिसबसोंबैरबढ़ावौं । ता हूपरनिजमतिबिलाससबसंतनमांझगनावौं । निगमशे षशारदनिहोरिजोंअपनेदोषकहावौं । तौनसिराहिं कल्प शतलगिप्रभुकहाएकमुखगावौं । जोकरनीआपनीबिचा रौंतौकिशरणहोंआवौं । मृदुलसुभाव शीलरघुपतिको सोबलमनहिं दिखावौं । तुलसिदासप्रभु सोगुण नहिं जेहिसपनेहुतुमहिंरिझावौं । नाथकृपाभवसिंधुधेनुपद समजो जानिसिरावौं १४२ सुनहुंरामरघुबीर गुसाईं मनअनीतिरतमेरो । चरणसरोजबिसारितिहारेनिशि दिनफिरतअनेरो । मानतनाहिंनिगमअनुशासनत्रासन काहूकेरो । भूल्योशूलकर्मकोल्हुनतिलज्योंबहुबारनिपे रो। जहँसतसंगकथामाधवकीसपनेहुकरतनफेरो । लो भमोहमदकामक्रोधरततिन्हसोंप्रेमघनेरो । परगुणसु नतदाहपरदूषणसुनतहर्षबहुतेरो । आपपाप कोनग रबसावतसहिन सकतपरखरो । साधनफलश्रुतिसा रनामतबभवसरिता कहँबेरो । मोपरकरकाकिनोला गिशठबेचिहोतहठिघेरो । कबहूंकहौंसंगतिसुभावतेजा उँसुमारगनेरो । तबकरिक्रोधसंगकुमनोरथदेतकठिन भटभेरो। एकहौंदीन मलीनहीनमतिबिपतिजालअतिघे रो । तापरसहिनजाइकरुणानिधिमनको दुसहदरेरो । हारिपर्‌योंकरियन्नबहुतबिधितातेकहतसबेरो । तुलसि

दासयहत्रासमिटेजबहृदयकरोतुमडेरो १४३ सोधौंको जो नामलज्जातेनहिंराख्योरघुबीर । कारुणीकबिनुका रणहोंहरिहरोबिषमभवभीर । बेदबिदितजगबिदितअ जामिलबिप्रबन्धुअघधाम । घोरयमालयजातनिवार्यो सुतहितसुमिरतनाम । पशुपांवरअभिमान सिंधुगजग्र स्योआइजबग्राह । सुमिरतसुकृतसपदिआयेप्रभुहरेउ दुसहउरदाह । ब्याधनिषादगृद्धगणिकादित अगणित अवगुणमूल । नामओटते रामसबनकोदूरिकरेउभव शूल । केहिआचरणघाटिहौंतिनते रघुकुलभूषणभूप । मोदत तुलसिदासनिशिवासरपर्योभीमतमकूप १४४ कृपासिंधुजनदीनदुवारेदादिनपावतकाहे । जबजहँतुम हिं पुकारतआरततबतिन्हकेदुखदाहे । गजप्रहलादपांडु सुतकपिसबकेरिपु संकटमेट्यो । प्रणतबन्धुभय बिकल बिभीषणउठिसोभरतज्योंभेट्यो । मैंतुम्हरो लैनाम ग्राम यकउरआपनेबसावों । भजनबिबेकबिरागलोगभलेकर्म कर्मकरिल्यावों । सुनिरिसभरेकुटिलकामादिककरहिं जोरबरिआई । तिन्हहिंउजारिनारिअरिधनपुररावहिं रामगुसाई । समसेवाछलदानदंडहौं रचिउपायपचिहा र्यो । बिनकारणकेकलहबढ़ोदुखप्रभुसोप्रकटिपुकार्यो। सुरस्वारथीअनीशअलापकनिठुरदयाचितनाहीं । जाउँ कहांकोबिपतिनिवारकभवतारकजगमाहीं । तुलसीय द्यपिपोचतौतुम्हरैऔरनकाहूकेरो । दीजैभक्तिवांहबैरक ज्योंसुबशबसअबखेरो १४५ हौंसबविधिरामरावरोचा हतभयोचेरो । ठौरठौरसाहबीहोतहै ख्यालकालकलि

केरो । कालकर्मइन्द्रीविषयगाहकगनघेरो । हौंनकबू लतबांधिकै मोलकरतकरेरो । बन्दिछोरतेरोनामहैबिरु दैतबड़ेरो । मैंकह्योंतबछल प्रीतिकैमांगेउरडेरो । नाम ओटअबलगि बच्यों मलजुगजगजेरो । अबगरीब नजमोगियेपायबोनहेरो । जेहिकौतुक बकश्वानकोप्रभु न्यावनिबेरो । तेहिहेतुककहियेकृपालतुलसिहैमेरो १४६ कृपासिंधुतातेरहौंनिशिदिनमनमारे । महाराजलाजआ पुहिनिजजांघउघारे । मिल्योरहैंमार्योचहैंकामादिसं हाती । मोबिनरहैंनमेरियैजारैछलछाती । बसतहि येहितजानिमैंसबकीरुचिपाली । कियोकथिककोदण्डहौं जड़कर्मकुचाली । देखीसुनीनआजुलौंअपनायतिएसी । करहिसबैशिरमेंरहीफिरिपरैअनैसी । बड़ेअलेपीलखिप रैपरिहरैनजाहीं । असमंजसमैंमगनहौंलीजैगहिबाहीं । बारकबलिअवलोकियेकौतुकजननीको । अनायासमि टिजायगोसंकटतुलसीको १४७ कहौंकौनमुंहलाइकै रघुबीरगुसाईं । सकुचतसमुझतआपनीसबसाईंदुहाई । सेवतबशसुमिरतसबाशरणागतसोहौं । गुणगनसीता नाथकेचितकरतनहौंहौं । कृपासिंधुबन्धुदीनकेआरतहि तकारी । प्रणतपालबिरदावलीसुनिजानिबिसारी । से इनघेइनसुमिरिकेपदप्रीतिसुधारी । पाइसुसाहिबरामसों भरिपेटबिगारी । नाथगरीबनिवाजहैंमैंगहिनगरीबी । तुलसीप्रभुनिजओरतेनिपरैसोकीबी १४८ कहां जाउंकासोंकहौंओरठौरनमेरे । जनमगवांयोंतेरेहीद्वार किंकरतेरे । मैंतोबिगरानाथसोंआरतिकेलीन्हे । तो

हिकृपानिधिक्योंबनेमेरीसीकीन्हे । दिनदुरदिनदिन दुरदशादिनदुखदिनदूषण । जबलौंतूनबिलोकिहैरघु बंशबिभूषण । दईपीठिबिनढीठमेंतुमबिश्वबिलोचन । तोसोंतुहीनदूसरोनतशोचबिमोचन । पराधीनदेवदीन हौंस्वाधीनगोसांई । बोलिनिहारेसौकरेबलिबिनयकि झाई । आपुदेखिमोहिंदेखियेजनमानियसांचो । बड़ीवोट रामनामकीजेहिलयोसोबांचो । रहनिरीतिरामरावरी नितहियहुलसीहै । ज्योंभावैत्योंकरिकृपातेरोतुलसीहै ॥ १४६ रामभद्रमोहिंआपनोसोचहैअरुनाहीं । जीव सकलसन्तापकेभाजनजगमाहीं । नातोबड़ोसमर्थसोय कवोरकिधोहूं । तोकौमोसेअतिघनेमोकोएकतोहूं । बड़िगलानिहानिहैहियेसरबज्ञगुसाईं । कूरकुसेवकक हतहौंसेवककीनाईं । भलोपोचरामकोकहैमोहिंसबनर नारी । बिगरेसेवकश्वानज्योंसाहिबशिरगारी । अस मंजसमनकोमिटैसोउपाउनसूझै । दीनबन्धुकीजैसोई बनिपरैजोबूझै । बिरदावलीबिलोकियेतिन्हमेंकोइहौं हौं । तुलसीप्रभुकोपरिहर्योंशरणागतसौंहौं १५० ज्योंपैचेराईरामकीकरतेनजातो । तौतूदामकुदामज्योंक रकरनबिकातो । जपतजीहरघुनाथकोनामनहिंअल सातो । बाजीगरकेसूमज्योंखलखेहनखातो । जोतूम नमेरेकहेरामकामकमातो । सीतापतिसन्मुखसुखीसब ठांवसमातो । रामसुहातेतोहिंजोतूसबहिसुहातो । का लकर्मकुलिकारनीकोऊनकुहातो । रामनामअनुरागही जियजोरतिआतो । स्वारथपरमारथपथीतोहिसबपति

आतो । सेइसाधुसुनिसमुझिकेपरपीरपिरातो । जन्म कोटिकोकँदैलोहदहृदयथिरातो। भवमगअगमअनन्तहैंबि नुश्रमहिसिरातो। महिमाउलटेनामकोसुनिकियेकिरातो। अमरअगमतनपाइसोजड़जायनजातो । होतोमंगलमू लतूअनकूलबिधातो । जोमनप्रीतिप्रतीतिसोंरामनाम हिरातो । तुलसीरामप्रशादसोतिहुंतापनतातो १५१ रामभलाईआपनोभलकियोंनकाको । युगयुगजानकीना थकोजगजागतसाको । ब्रह्मादिकबिनतीकरीकहिदुख बसुधाको । रबिकुलकैरवचन्द्रभोआनन्दसुधाको । कौ शिकगरततुसारज्योंतकित्रेजतियाको । प्रभुअनहितहि तकोदियोफलकोपकृपाको । हर्योपापआपजायकैसंता पशिलाको । शोचमगनकाढ्योसहीसाहेबमिथिलाको । रोषराशिभृगुपतिधनीअहमितिममताको । चितवतभा जनकरिलियाउपसमसमताको । मुदितमानिआयसुच लेबनमातुपिताको । धर्मधुरन्धरधीरसोगुणशीलजिता को । गुहगरीबगतज्ञातिहूंजीवजेहिनभखाको । पायो पावनप्रेमतेंसनमानसखाको । सद्गतिसबरीगिद्धकीसा दरकरताको । शोचसीवसुग्रीवकेसंकटहरताको । राखि बिभीषणकौंसकैतेहिकालकहांको । आजबिराजराजहो दशकण्ठजहांको । बालिसबासीअवधकेबूझियेनखाको । तेपांवरपहुंचेतहांजहँमुनिमनथाको । गतिनलहैंरामना मसोंबिधिसोसिरजाको । सुमिरतकहतप्रचारिकैबल्लभ गिरिजाको । अकनिअजामिलकीकथासानन्दनभाको । नामलेतकलिकालहूंहरिपुरहिनगाको । रामनाममहिमा

करैकामभूरुहआको। साक्षीवेदपुराणहैतुलसीतनताको।
१५२ मेररावरियैगतिहैरघुपतिबलिजाउँ। निलजनीच
निर्धननिर्गुणकहँजगदूसरोनठाकुरठाउँ। हैघरघरभवभ
रेसुसाहिबसूझतसबनिआपनोदाउँ। बानरबन्युबिभीषण
हितबिनकोशलपालकहूंनसमाउँ। प्रणतारतिभंजनजन
रंजनशरणागतप्रबिपंजरनाउँ। कीजेदासदासतुलसीअब
कृपासिन्धुबिनमोलबिकाउँ १५३ देवदूसरोकोनदीनको
दयाल। शीलनिधानसुजानशिरोमणिशरणागतप्रियप्र
णतपाल। कोसमर्थसर्वज्ञसकलप्रभुशिवसनेहमानसम
राल। कोसाहिबकियेनीतप्रीतिबशखगनिशचरकपिभी
लभाल। नाथहाथमायाप्रपंचसब जीवदोषगुणकर्मका
ल। तुलसिदासभलोपोचरावरोनेकुनिरखिकीजेनिहाल।
१५४ ॥ रागमारंग ॥ बिश्वासएकरामनामको। मानतनहीं
प्रतीतअनतऐसोईस्वभावमनबामको। पढ़िबोपरयोनछ
ठोछमतअरुगयजुरअथर्बनसामको। ब्रततीरथतपमुनिस
हमतपचमरैकरतनछामको। कर्मजालकलिकालकठिन
आचीनसुसाधितदामको। ज्ञानविरागयोगजपतपभयलो
भमोहकेहकामको। सबदिनसबलायकगुणगायकरघुना
यकगुणग्रामको। बैठेनामकामतरुतरडरकौनघोरघनया
मको। कोजानेकोजैहैयमपुरकोसुरपुरपरधामको। तुलसि
हिबहुतभलोलागतजगजीवनरामगुलामको १५५ कलि
नामकामतरुरामको। दलनिहारदारिदुकालदुखदोष
घारघनघामको। नामलेतदाहिनोहोतमनबामबिधाता
बामको। कहतमुनीशमहेशमहातमउलटेसूधेनामको।

भलोलोकपरलोकतासुजाकेबललालितलालको । तुल
सीजगजानियतनामतेशोचनकूबमुकामको १५६ सेइयेसु
साहबरामसो । सुखदसुशीलसुजानसरशुचिसुन्दरकोटि
ककामसो । शारदशेषसाधुमहिमाकहैंगुणगणगायकसा
मसो । सुमिरिसप्रेमनामयासोंरतिचाहतचन्द्रललामसो ।
गमनबिदेशनलेशकलेशुकोसकुचतसकृतप्रणामसो । सा
क्षीताकोबिदितबिभीषणबैठ्योंहैअविचलधामसो । टहल
सहजजनमहलमहलनागतचारोयुगयामसोंदेखतदोषन
खीजतरीझतसुनिसेवकगुणग्रामसो । जाकोभयेतिलोक
तिलकभयेत्रिजगयोनितनतामसो । तुलसीऐसेप्रभुहिभ
जैजोनताहिबिधाताबामसो १५७ ॥ रागनट ॥ कैसेदेउँना
थहिखोरि । कामलोलुपश्रमतमनहरिभक्तिपरिहरितोरि ।
बहुतप्रीतिपुजाइबेपरपूजिबेपरथोरि । देतसिखसिखयोन
मानतमूढ़ताअसिमोरि । कियेसहितसनेहजेअघहृदयराखे
चोरि । संगबशकियेशुभसुनायेसकललोकनिहोरि । क
रौंलोकछुधरौंसचिपचिसुकृतशिलाबटोरि । पैठिउरबरब
शदयानिबिदम्मलेतअँजोरि । लोभमनहिंनचावकपिज्यों
गरेआशडोरि । बातकहोंबनायबुधज्योंबरबिरागनिचो
रि । इतेहुंपरतुम्हरोकहावतलाजअँचईघोरि । निलजता
परखीझिरघुबरदेहुतुलसिहिकोरि १५८ हैप्रभुमेरोईसब
दोषु । शीलसिन्धुकृपालनाथअनाथआरतपोषु । बेषबच
नबिरागमनअघअवगुणनिकोकोसु । रामप्रीतिप्रतीति
पोलोकपटकरतबढ़ोसु । रागरंगकुसंगहीसोंसाधुसङ्गनि
रोसु । चहतकेहरिजसहिसेइशृगालज्योंखरगोसु । शम्भु

सिखवनरसनिहूनितरामनामहिंघोसु। दम्भहूंकलिनाम कुम्भजशोचसागरसोसु। मोदमंगलमूलअतिअनकूलनि जनिरपोसु। रामनामप्रभावसुनितुलसिहुंसरमसन्तोसु। १५६ मेंहरिपतितपावनसुने। मैंपततुमपतितपावन दोऊबानिकबने। व्याधगणिकागजअजामिलसाखिनिग मनिभने। औरअधमअनेकतारेजातकापैगने। जानिनाम अजानिलीन्हेंनरकयमपुरमने। दासतुलसीशरणआयो राखियेअपने १६० ॥ रागमलार ॥ तोसोप्रभुजोपैंकहूंकोउ होतो। तौसहिनिरादरनिशिदिनरटैलटिऐसोघटिकोतो। कृपासुधाजलदानमानिबोकहेसोसांचनिसोतो। स्वातिस नेहसलिलसुखचाहतचितचातकमोपोतो। कालकर्मबश मनकुमनोरथकबहुंकबहुंकछुभोतो। ज्योंमुदमयबसिमीन बारितजिउछरिभभरिलेतगरेतो। जितादुराउदासतुल सीउरक्योंकहिआवतओतो। तेरेराज्यरायदशरथकेलयेब येबिनुजोतो १६१ ॥ रागबेलावली ॥ ऐसोकोउदारजगमाहीं। बिनसेवाजोद्रवैदीनपररामसरिसकोउनाहीं। जोगतियो गबिरागयतनकरिनहिंपावतमुनिज्ञानी। सोगतिदेतगी धशवरीकहँप्रभुनबहुतजियजानी। जोसम्पतिदशशीश साधिकरिरावणशिवपहँलीन्ही। सोसम्पदाबिभीषणक हँअतिसकुचसहितहरिदीन्ही। तुलसिदाससबभांतिसक लसुखजोंचाहसिमनमेरो। तौभजुरामकामसबपूरणकरै कृपानिधितेरो १६२ एकइदानिशिरोमणिसांचो। ज हँयांच्योसोइयाचकताबशिफिरिबहुनाचननाचो। सब स्वारथीअसुरसुरनरमुनिकोउनदेतबिनपाये। कोशल

प्रालकृपालकल्पतरुबसितसकृयशिरनाये । हरिहुंऔर अवतारआपनेराखीबेदबड़ाई । लैचिउरानिधिदईसुदान हियचपिबालमिताई । कपिश्वरीसुग्रीवबिभीषणकोको नकियाअयाचो । अबतुलसिहिदुखदेतदयानिधिदारुण आशपिशाची १६३ जानतप्रीतिरीतिरघुराई । नातेस बहातेकरिराखतरामसनेहसगाई । नेहनिबाहिदेहतजि दशरथकीरतिअचलचलाई । ऐसेहुं पितुतेंअधिकगिद्धपर ममतागुणगरुआई । तियबरहीसुग्रीवसखालखिप्राणप्रि याबिसराई । रणपरयोबन्धुबिभीषणहीकोशोचहृदयअ धिकाई । घरगुरुगृहप्रियसदनसासुरेभइजबजहँपहुनाई। तबतहँकहेशबरीकेफलनकीरुचिमाधुरीनपाई । सहजस्व रूपकथामुनिबर्णतरहतसकुचिशिरनाई । केवटमीतकह तसुखमानतबानरबन्धुबड़ाई । प्रेमकनौड़ोरामसोप्रभुत्रि भुवनतिहुंकालनभाई । तेरोऋणीहोंकह्योकपीशसोंऐसी मातिहैकासेवकाई। तुलसीरामसनेहशीलखिजोनभक्त उरआई । तोस्यहिजन्मिजाइजननीजड़तनतरुणतागँवा ई १६४ रघुबररावरियहैबड़ाई । निदरिगनीआदरगरी बपरकरतकृपाअधिकाई । थकेदेवसाधनअनेककरिसप नेहुनहिंदईदिखाई । केवटकुटिलभालुकपिकौनपकियो सकुलसँगभाई । मिलिमुनिवृन्दफिरतदण्डकबनसोचर चौनचलाई । बारहिबारगीधशबरीकीबर्णतप्रीतिसुहाई। स्वानकहेतेकियेपुरबाहरतजोगयन्दचढ़ाई । सियनिन्दक मतिमन्दप्रजारजनिजनयनगरबसाई । यहदरबारदी नकोआदरीतिसदाचलिआई । दीनदयालदीनतुलसी

कीकाहुनसुरतिकराई १६५ ऐसेरामदीनहितकारी। अ
तिकोमलकरुणानिधानबिनुकारणपरउपकारी। साधन
हीनदीननिजअघबशशिलाभईमुनिनारी। गृहतेमवनि
परशिपदपावनघोरशापतेतारी। हिंसारतनिषादतामस
बपुपशुसमानबनचारी। भेंट्योहृदयलगायप्रेमबशनहिं
कुलजातिबिचारी। यद्यपिद्रोहकियोसुरपतिसुत कहिन
जायअतिभारी। सकललोकअवलोकिशोकहतशरणगये
भयटारी। बिहङ्गयोनिआमिषअहारपरगीधकवनब्रतधा
री। जनकसमानक्रियाताकीनिजकरसबबातसँवारी। अ
धमजातिशवरीयोषितशठलोकवेदतेन्यारी। जानिप्रीति
दैदरशकृपानिधिसोउरघुनाथउघारी। कपिसुग्रीवबन्धु
भयव्याकुलआयोशरणपुकारी। सहिनसकेदारुणदुखज
नकेहत्योबालिसहिगारी। रिपुकोबन्धुबिभीषणनिशिचर
कौनभजनअधिकारी। शरणगयेआगहवैलीन्होंभेंट्योभु
जापसारी। अशुभहोइजिनकेसुमिरणतेबानरऋच्छबि
कारी। बेदबिदितपावनकियेतेसबमहिमानाथतुम्हारी।
कहँलगिकहौंदीनअगणित जिनकीतुमबिपतिनिवारी।
कलिमलग्रसित दासतुलसीपरकाहेकृपाबिसारी १६६
रघुपतिभक्तिकरतकठिनाई। कहतसुगमकरनीअपारजा
नेसाइजेहिबनिआई। जोजेहिकलाकुशलताकहँसोइसुल
भसदासुखकारी। सफरीसन्मुखनलप्रबाहसुरसरीबहैग
जभारी। ज्योंसर्करामिलैसिकतामहँबलतेनकोउबिलगा
वै। अतिरसज्ञसूक्षमपिपीलिकाबिनुप्रयासहीपावै। सक
लदृश्यनिजउदरमेलिसोवैनिद्रातजियोगी। सोइहरिपद

अनुभवापरमसुखअतिशयद्वैतबियोगी। शोकमोहभयहर्ष दिवसनिशिदेशकालतहँनाहीं। तुलसिदासएहिदशाही नसंशयनिरमूलनजाहीं १६७ जोपैरामचरणरतिहोती। तौकतत्रिबिधिशूलनिशिबासरसहतेबिपतिनिसोती। जो सन्तोषसुधानिशिबासरसपनेहुंकबहुंकपावै। तौकतबिषय बिलोकिझूठजलमनकुरङ्ग्योंधावै। जोश्रीपतिमहिमाबि चारिउरभजतेभावबढ़ाये। तौकतद्वारद्वारकूकरज्योंफिरते पेटखलाये। जेलोलुपभयेदासआशकेतेसबहीकेचेरे। प्रभु बिश्वासआशजीतीजिनतेसेवकहरिकेरे। नहिंएकौआच रणभजनकोबिनयकरतहौंताते। कीजैकृपादासतुलसीप रनाथनामकेनाते १६८ जोमोहिंरामलागतेमीठे। तौन बरसषटरसरसअमरसहूवेजातेसबसीठे। बच्चकबिषय बिबिधितनधरिअनुभयसुनेअरुडीठे। यहजानतहौंहृदय आपनेसपनेनअघाइउबीठे। तुलसिदासप्रभुसोंएकहिबल बचनकहतअतिढीठे। नामकिलाजरामकरुणाकरिकेहिन दियेकरिचीठे १६९ योंमनकबहूंतुमहिंनलाग्यो। ज्योंछ लछांड़िसुभावनिरन्तररहतबिषयअनुराग्यो। ज्योंचितईप रनारिसुनेपातकप्रपञ्चघरघरके। त्योंनसाधुसुरसरितरङ्ग निर्मलगुणगुणरघुबरके। ज्योंनासासुगन्धरसबशरसना षटरसरतिमानी। रामप्रसादमालजूठनलगित्योंनललकि ललचानी। चन्दनचन्दबदनिभूषणपटज्योंचहपांवरपर स्यो। त्योंरघुपतिपदपद्मपरसकोतनपातकीनतरस्यो। ज्योंसबभांतिकुदेवकुठाकुरसेयैबपुबचनहिंयेहूं। त्योंनरा मसुकृतज्ञजेसकुचतसकृतप्रणामकियेहूं। चञ्चलचरण

लाभलगिलोलुपद्वारद्वारजगबागे। रामसीयआश्रमनच लतसपनेनभयश्रमितअभागे। सकलअङ्गपदबिमुखनाथ मुखनामकिओटलईहै। हैतुलसिहिपरतीतिएकप्रभुमूरति कृपामईहै १७० कीजैमोकोजगयातनामई। रामतुमसे शुचिसुहृदसाहिबहिमैंशठपीठिदई। गर्भबासदशमासपा लिपितुमातुरूपहितकीन्हों। जड़हिबिबेकसुशीलखलहि अपराधिहिआदरदीन्हों। कपटकरौंअन्तर्य्यामिहुंसोंअ घव्यापकहिदुरावों। ऐसेहुकुमतिकुसेवकपररघुपतिनकि योमनबावों। उदरभरोंकिङ्करकहाइबेंच्योबिषयनिहाथहि योहै। मोसेबञ्चककोकृपालछलछांड़िकैछोहकियोहै। पल पलकेउपकाररावरेजानिबूझिसुनिनीके। भिद्योनकुलिशहु तेकठोरचित कबहुंप्रेमसियपीके। स्वामीकीसेवकहितता सबकछुनिजसाइँदोहाई। मैंमतितुलातौलिदेखीभईमेरि हिदिशिगरुआई। एतहुपरहितकरतनाथमेरोकरिआयोऔ करिहैं। तुलसीअपनीओरजानियतप्रभुहिकनोड़ोइभरि हैं १७१ कबहुंकहौं यहिरहनिरहौंगो। श्रीरघुनाथकृपा लकृपातेसन्तस्वभावगहौंगो। यथालाभसन्तोषसदाकाहू सोंकछुनचहौंगो। परहितपरतनिरन्तरमनक्रमबचननेम निबहौंगो। परुषबचनअतिदुसहश्रवणसुनितेहिपावकन दहौंगो। बिगतमानसमशीतलमनपरगुणनहिदोषकहौं गो। परिहरिदेहजनितचिन्तादुखसुखसमबुद्धिसहौंगो। तुलसिदासप्रभुयहिपथ रहिअबिचल हरिभक्तिलहौंगो १७२नाहिनआवतआनभरोसो। यहिकलिकालसकलसा धनतरुहैश्रमफलनिफरोसो। तपतीरथउपबासदानमख

जेहिजोरुचैकरोसो। याहिपैजानिबोकर्मफलभरिभरिबेद परोसो । आगमबिधिजपयोगकरतनरसरतनकाजखरो सो। सुखसपनेहुनयोगसिधिसाधनरोगबियोगधरोसो। कामक्रोधमदलोभमोहमिलिज्ञानबिरागहरोसो। बिगरत मनसंन्यासलेतजलनावतआमधरोसो । बहुमतसुनिबहु पन्थपुराणनिजहांतहांझगरोसो । गुरुकह्योरामभजननी कोमांहिंलागतरामराजडगरोसो । तुलसीबिनपरतीति प्रीतिफिरिफिरिपचिमरैमरोसो । रामनामवोहितभवसा गरचाहैतरनतरोसो १७३ जाकेप्रियनरामबैदेही। सोछा ड़ियेकोटिबैरीसमयद्यपिपरमसनेही। तज्योपिताप्रहलाद बिभीषणबंधुभरतमहतारी। बलगुरुतज्योकंतब्रजबनित निभयजगमंगलकारी। नातेनेहरामकेमनियतसुहृदसुसे व्यजहांलों।अंजनकहाआंखिजेहिफूटैबहुतोकहौंकहांलों। तुलसीसोसबभांतिपरमहितपूज्यप्राणतेप्यारो। जासोंहो यसनेहरामपदएतोमतोहमारो १७४ ज्योंपैरहनिरामसों नाहीं। तौनरखरकूकरशूकरसेजायजियतजगमाहीं। का मक्रोधमदलोभनींदभयभूखप्यासससबहीके। मनुजदेहसु रसाधुसराहतसोसनेहसियपीके। सूरसुजानसपूतसुलक्ष णगणियतगुणगरुआई । बिनहरिभजनइंदारुनकेफलत जतनहींकरुआई । कीरतिकुलकरतूतिभूतिभलिशीलस्व रूपसलोने । तुलसीप्रभुअनुरागरहितजससालनसाग अलोने१७५ राख्योरामसुस्वामीसोंनीचनेहननातो। एते अनादरहोतहूतैनहातो । जोरेनयेनातेनेहफोकटफीके। देहकेदाहकगाहकजीके। अपनेआपनेकोसबचाहतनीको।

मूलदुहूंकोदयालदूलहमीकोजीवकेजीवनप्राणकेप्यारे। सुखहूकोसुखरामसोबिसारेकियोकरैगोतोसेखलकोभलो ऐसेसुसाहिबसोंतूकुचालक्योंचलो । तुलसीतेरीभलाई अनहूंबूझे । राउराउतहोतफिरकैजूझे १७६ जोतुमत्या गोरामहौंतोनहिंत्यागौं । परिहरिपायककाहिअनुरागौं। सुखदसुप्रभुतुमसोंजगमाहीं। श्रवणनयनमनगोचरनाहीं हौंजड़जीवईशरघुराया । तुममायापतिहौंवशमाया । हौं तोकुयाचकस्वामीसुदाता । हौंकपूततुमहींपितुमाता । जो पैकहूंकोउबूझतबातो । तौंतुलसीबिनमोलबिकातो १७७ भयेहुंउदासराममेरेआश्रावरी। आरतस्वारथीसबकहेबा तबावरी। जीवनकोदानीधनकहाताहिचाहिये । प्रेमनेम केनिवाहेंचातकसराहिये । मीनतेनलाभलेशपानीपुण्यपी नको। जलबिनथलकहांमीचबिनमीनको । बड़ेहीकीओ टबलिबांचिआयेछोटेहैं। चलतखरेकेसङ्गनहांतहांखोटेहैं। यहिदरबारभलोदाहिनेहूबामको । मोकोशुभदायकभरो सोरामनामको । कहतनशानीकैहैंकियेनाथनीकीहै । जा नतकृपानिधानतुलसीकेजीकीहै १७८॥ रागबिलावल॥ क हांजाउंकासोंकहौंकोसुनैदीनकी। त्रिभुवनतुहींगतिसबस ङ्गहीनकी। जगजगदीशघरघरनिघनेरहैं । निराधारको अधारगुणगणतेरेहैं। गजराजकाजखगराजतजिधायोको मोसेदोषकोषपोसेतोसेमायजायोको । मोसेकूरकायरकपू तकौड़ीआधके । कियेबहुमोलतेकरैयागीधश्राधके । तुल सीकितेरेहीबनायेबलिबनैगी । प्रभुकीबिलम्बअम्बदोष दुखजनैगी १७६ बारकबिलोकबलिकीजैमोहिंआपनो ।

रायदशरथकेतुउथपनथापनो। साहिबशरणपालुसबलन
दूसरो। तेरोनामलेतहीसुखेतहोतऊसरो। बचनकर्मतेरे
मेरेमेंनगड़ेहैं। देखेसुनेजानेसेजहानजेतेबड़ेहैं।कौनेकियो
समाधानसन्मानशिलाको।भृगुनाथसोऋषीजितैयाकौन
लीलाको। मातुपितुबंधुहितलोकवेदपालको। बोलकोअ
चलनतकरतनिहालको।संगहीसनेहबशअघमअसाधुको।
गीधशबरीकोकहांकरिहैशराधको। निराधारकोअधारदी
नकेदयालुको। मीतकपिकेवटरजनिचरभालुको। रङ्कनि
रगुणीनीचजेतनेनिवाजेहैं। महाराजसुजनसमाजतेबिरा
जेहैं। सांचीबिरदावलीनबढ़िकहिगईहै। शीलसिंधुढील
तुलसीकीबारभईहै १८० केहूभांतिकृपासिंधुमेरीओरहे
रिये। मोकोऔरठौरनसुटेकएकतेरिये। सहसशिलातेअ
तिमतिजड़भईहै। कासोंकहौंकौनेगतिपाहनहिंदईहै। पद
रागयागचहौंकौशिकज्योंकियोहै। कलिमलखलदेखिभा
रीभीतभयोहै। कर्मकपीशबालिबलीत्रासत्रस्योहौं। चाह
तअनाथनाथतेरीबाहँबस्योहौं। महामोहरावणबिभीषण
ज्योंहुयोहै। त्राहितुलसीशत्राहितिहूंतापतयोहै १८१ ना
थगुणगाथसुनिहोतचितचावसो। रामरीझिबेकोजानोभ
क्तिनभाउसो। कर्मसुभावकालठाकुरनठाउंसो। सुधन
नसुतनसुमननसुआउसो। याचोंजलजाहिकहेअमियपि
याउसो। कासोंकहूंकाहूसोंनबढ़तहिआउसो। बापब
लिजाउंआपकरियेउपाउसो। तेरहीनिहारेपरेहारेहूंसु
दाउसो। तेरेहीसुझायेसूझैअशुभसुझाउसो। तेरेहीबुझा
येबूझेअबुझबुझाउसो। नामअवलम्बअबदीनमीनराउसो

प्रभुसोबनाईकहौंजोहजरिजाउसो । सबभांतिबिगरीहै सोबनाउसो। तुलसीसुसाहिबहिदियोहैजनाउसो १८२

रागआसावरी ॥ राम प्रीतिकीरीतिआपजनियतहैं । बड़ेकी बड़ाईछोटेकीछोटाईदूरिकरै ऐसीबिरदावली बलिवेदम नियतहैं । गीधकोकियोश्राधभीलनीकोखायोफलसोऊ साधुसभामलीनांतिभनियतहैं । रावरेआदरेलोकबेदहूं आदरियतयोगज्ञानहूंतंगरूगनियतहैं । प्रभुकीकृपाकृपालुकठिनकलहूंकालिमहिमासमुझिउरअनियतहैं।तुलसी परायेबशभयेरसअनरसदीनबंधुद्वारेहठठनियतहैं १८३ रामनामकोजपेजायजियकीजरनि । कलिकालअपर उपायतेअपायभयेजैसेतमनाशिबेकोचित्रकेतरनि । कर मकलापपरितापपापसानेसब ज्योंसुफलफूलेतरुफोकटफ रनि । दम्भलोभलालचउपासनाबिनाशनीकेसुगतिसा धनभईउदरभरनि । योगनसमाधिनिरुपाधिनाबिराग ज्ञानबचनबिशेषबेषकबहूंनकरनि । कपटकुपथकोटिक हनिरहनिखोटीसकलसराहेनिजनिजआचरनि । मरत महेशउपदेशैहैंकहाकरतसुरसरितीरकाशीधरमधरनि । रामनामकोप्रतापहरकहैंजपैं आपयुगयुगजानेजगबेदहूं बरनि । मतिरामनामहीसोंरतिरामनामहींसों गतिराम नामहींकीबिपतिहरनि । रामनामसोंप्रतीतिप्रीतिरा खैकबहूंकैतुलसीढरैंगेरामआपनीढरनि १८४ लाज नलागतदासकहावत । मोआचरणबिहारिशोचतजि जोहरितुमकहँभावत । सकलसंगतजिभजतजाहिमुनि जपतपयागबनावत । सोसममन्दमहाखलपांवरकौन

यतनतेहिपावत । हरिनिर्मलमलग्रसितहृदयअसमंज
समोहिंजनावत । जेहिसरकाककंकबकशूकरक्योंमरा
लतहँआवत। जाकीशरणजायकोबिददारुणत्रयतापबुझा
वत । तहूं गयेमदमोहलोभअतिसरगहुमिटतनशावत ।
भवसरिताकहँनावसन्तयहकहिऔरनिसमुझावत। हौंति
नमोंहरिपरमबैरकरितुमसोंभलोमनावत। ताहिनऔरठौ
रमोकहँतातेहठिनातोलावत । राखुशरणउदारचूड़ामणि
तुलसिदासगुणगावत १८५ कौनयतनबिनतीकरिये ।
निजआचरणबिचारिहारिहियमानिजानिडरिये । जेहि
साधनहरिद्रवहुजानिजनसोहठिपरिहरिये। जातेबिपति
जालनिशिदिनदुखतेहिपथअनुसरिये । जानतहूंमनकर्म
बचनपरहितकीन्हेंतरिये । सोबिपरीतदेखिपरसुखबिन
कारणहीजरिये । श्रुतिपुराणसबकोमतयहसत्संगसुदृढ़
धरिये । निजअभिमानमोहईर्षाबशतिन्हहिंनआदरिये ।
सन्ततसोइप्रियमोहिंसदाजातेभवनिधितरिये। कहोअ
बनाथकवनबलतेसंसारशोकहरिये। नबकबनिजकरुणा
स्वभावतेद्रवहुतोनिस्तरिये । तुलसिदासबिश्वासआनन
हिंकतपञ्चिपचिमरिये १८६ ताहितेआयोंशरणसबेरे।
ज्ञानबिरागभक्तिसाधनकछुसपनेहुंनाथनमेरे । लोभमोह
मदक्रोधबोधरिपुफिरतरैनिदिनघेरे ।तिनहिंमिलेमनभयो
कुपथरतफिरैतिहारेहिफेरे । दोषनिलययहविषयशोकप्र
दकहतसन्तश्रुतिटेरे । जानतहूंअनुरागतहांअतिसोहरि
तुम्हरेहिप्रेरे । बिषपियूषसमकरहुअग्निहिमतारिसकहू
बिनुबेरे । तुमसमईशकृपालुपरमहित पुनिनपाइहौंहेरे ।

यहि जियजानिरहौंसबतजिरघुबीरभरोसेतेरे। तुलसिदा सयहि बिपतिबागुरोतुमसोंबनिहिनबेरे १८७ मैंतूअब जान्योसंसार। बांधिनसकहिमोहिंहरिकेबलप्रकटकपट आगार। देखतहीकमनीयकछुनाहिनपुनि२कियेबिचार। ज्योंकदलीतरुमध्यनिहारतकबहुंननिसरतसार। तेरे लियेजन्मअनेकमेंफिरत नपायोंपार। महामोहमृगजल सरितामहँबोरोंहौंबारहिबार। सुनुखलछलबलकोटिकि येबशहोहिंनभक्तिउदार। सहितसहायतहांबशअबजे हिहृदयननन्दकुमार। तासोंकरहुचातुरीजोनहिंजानेम रमतुम्हार। सोपरिमरैडरैरजुअहितेबूझैनहिंव्यवहार। निजहितसुनुशठहठनकरहिंजौंचहहिंकुशलपरिवार। तु लसिदासप्रभुकेदासनतजिभजहिंजहांमदमार १८८॥ रागगोरी॥ रामकहतचलुरामकहतचलुरामकहतचलुभाई रे। नाहींतौभवबेगारिमहँपरिहौंछूटतअतिकठिनाईरे। बांसपुरानसाजसबअठकठसरलतिकौनखटोलारे।हमहिं दिहलकरिकुटिलकर्मचन्दमन्दमोलबिनुडोलारे। बिषम कहारमारमदमातेचलहिनपावबटोरेरे। मन्दबिलन्दअ भेरादलकनपाइयदुखझकझोरेरे। कांटकुरायलपेटनलोट नठांवैठांवबझाऊंरे। जसजसचलियदूरितसतसनिजवा सनभेंटलगाऊंरे। मारगअगमसंगनहिंसंबलनांवगांवक रभूलारे। तुलसिदासभवत्रासहरहुअबहोहुरामअनुकूला रे १८९ सहजसनेहीरामसोंतैंकियानसहजसनेह। ताते भवभाजनभयोसुनुअजहुंसिखावनएह। योंमुखमुकुरबि- लोकियेअरुचितनरहेअनुहारि। त्योंसेवतहुंनआपनेमातु

पितासुतनारि।दैदैसुमनतिलबासिकैअरुपरिपरिहरिरस लेत।स्वारथहितभूतलमरेमनमेचकतनसेत। करिबीत्यों अबकरतहौंकरिबेहितमीतअपार। कबहुंनकोउरघुबीर सोंनेहनिबाहनहार। जासोंसबनातोफुरैतासोंनकरीपहि चानि। तातेकछुसमुझैनहींकहालाभकहहानि। सांचो जान्योझठकोझूठकहँसांचोजानि। कौनगयोकौनजातहैं कौनजैहैंकरिहितहानि। वेदकह्योबुधकहतहैंअरुहौंहु कहतहौंटेरि।तुलसीप्रभुसांचोहितूतूकिहिएआंखिनहेरि। १९० एकसनेहीसांचिलोंकेवलकोशलपाल। प्रेमकनौ डोरामसोंनहिंदूसरोदयाल। तनसाथीसबस्वारथीसुर व्यवहारसुजान। आरतअधमअनाथहितकोरघुबीरसमा न।नादनिठुरसमचरशिखीसलिलसनेहनसूर। शशि सरोगदिनकरबड़ेपयदप्रेमपथकूर। जाकोमनजासोंब ध्योताकोसुखदायकसोई। सरलशीलसाहिबसदापतिस रिसनकोई। सुनिसेवासहिकोकरैपरिहरैकोदूषखदेखि। केहिदिवानदिनहीनकोआदरअनुरागबिशेषि। खगशव रीपितुमातुज्योंमानेकपिकैकियेमीत। केवटभेंट्योभरत ज्योंऐसोकोकहुपतितपुनीत।देइअभागहिभागकोकोराखे शरणसभीत। वेदबिदितबिरदावलीकबिकोबिदगावत गीत। कैसेउपांवरपातकीजेहिलईनामकीओट। गांठी बांध्योरामसोपरिख्योनरिषफिरखोट। मनमलीनकल किलबिषीहोतसुनतजासुकृतकाज। सोउतुलसीकियो आपनोरघुबीरगरीबनेवाज १९१ ज्योंपैजानकीनाथसों नातोनेहननीच। स्वारथपरमारथकहाकलिकुटिलबिगो

योबीच । धर्मबर्णआश्रमनिकेपैयतपोथिहिपुराण ।करत बबिनवषदेखिदेज्योंशरीरबिनप्राण । वेदबिदितसाधन सबैसुनियतदायकफलचारि । रामप्रेमबिनजानिबोजैसे सरसरिताबिनबारि । नानापथनिर्बाणकेनानाबिधानबहु भांति । तुलसीतूमेरेकहेजपुरामनामदिनराति १९२ अजहुंआपनेरामकेकरतबसमुझतहितहोय । कहतूकहँ कोशलधनीतोकोंकहाकहतसबकोइ । रीझिनिवाज्योक बहितूकबखीझिदईतोहिगारि । दर्प्पणबदननिहारिकै सुबिचारमानहियहारि । बिगरीजन्मअनेककीसुधरत पलगैनआधु । पाहिकृपानिधिप्रेमसोंकहेकौनरामकि योसाधु । बालमीकिकेवटकथाकपिभीलभालुसनमान । सुनिसन्मुखजोनरामसोंतेहिकोउपदेशहिंज्ञान । कासेबा सुग्रीवकीकाप्रीतिरीतिनिर्बाहु । जासुबंधुबध्योंब्याधज्यों सोसुनतसोहातनकाहु । भजनबिभीषणकोकहा फल कहादियोरघुराज । रामगरीबनेवाजकेबड़ीबांहबोलकी लाज ।जपहिंनामरघुनाथकोचरचादूसरीनचालु । सुमुख सुखदसाहिबसुखीसमरथकृपालुनपालु । सजलनयन गदगदगिरागहबरमनपुलकशरीर । गावतगुणगणराम केकेहिकीनमिटिभवभीर । प्रभुकृतज्ञसर्बज्ञहैंपरिहरुपा- छिलीगलानि । तुलसीतोसोंरामसोंकछुनईनजानपहिचा नि १९३ जोअनुरागरामसनेहीसों । तौलह्योलाहकहा नरदेहीसों । जातनघरिपरिहरिसबसुखभयसुमतिराम अनुरागी । सोतनपायअघाइकियेअघअवगुणअधमअभा गी । ज्ञानबिरागयोगजपतपमखजगमुदमगनहिंथोरे ।

रामप्रेमबिननेमजायजैसेमृगजलजलनिधिहिलोरे। लो
कबिलोकिपुराणवेदसुनिसमुझिबूझिगुरुज्ञानी। प्रीतिप्र-
तीतिरामपदपंकजसकलसुमंगलखानी। अजहुंजानि
जियहारिमानहियहोइपलकमहँनीको। सुमिरुसनेहस-
हितहितरामहिंमानमतोतुलसीको १९४ बलिजाउँहो
रामगुसांईं। कीजियेकृपाआपनीनाईं। परमारथसुर
पुरसाधनसबस्वारथसुखदभलाई। कलिसकोपलोपी
सुचालनिजकठिनकुचालचलाई। जहँजहँचितचितवत
हिततहँनितनवबिषादअधिकाई। रुचिभावतीभरिभाग
हिंसमुहाहिंअमितअनभाई।आधिमगनमनव्याधिबिकल
तनबचनमलीनझुठाई। येत्यहुं परतुमसोंतुलसीकीप्रभुस
कलसनेहसगाई १९५ काढेकोफिरतमनकरतबहुयतन।
मिटैनदुखबिमुखरघुकुलबीर। कीनैकोटिउपायत्रिबिधि
तापनजायकह्योजोभुजउठायमुनिबरकीर। सहजटेवबि
सारितुहिंधोंदेखुबिचारिमिलैनमथतवारिघृतबिनक्षीर।
समुझितजहिंभ्रमभजहिंपद युगमसेवतसुगमगुणगहन
गंभीर। आगमनिगमग्रन्थऋषिमुनिसुरसंतसबहीकोएक
मतसुनुमतिधीर। तुलसिदासप्रभुबिनाप्यासमरैपशुय
द्यपिहैनिकटसुरसरितीर १९६ नाहिंनचरणरतिताहि
तेसहोंबिपतिकहतश्रुतिसकलमुनिमतिधीर। बसैजोश
शिउछङ्गसुधास्वादितकुरंग ताहिकोभ्रमनिरखिरविकर
नीर। सुनियनानापुराणमिटतनहिंअज्ञानपढ़ियनसमुझि
यजिमिखगकीर। बूझतबिनाहिंपाससेमरसुमनआशकर
तचरततेइफलबिनुहीर। कछुनसाधनसिद्धिजानोंननिग

मबिधिनहिंजपतपबशमननसमीर । तुलसिदासभरोस परमकरुणाकोसप्रभुहरिहैंबिषमभवभीर १६७ मनप छितैहैअवसरबीते । दुलभदेहपाइहरिपदभजुकरमबच नअरुहीते । सहसबाहुदशबदनआदिनृपब्रचनकालब लीते । हमहमकरिधनधामसवांरेअन्तचलेउठिरीते । सुतबनितादिजानिस्वारथरतकरुननेहसबहीते । अन्तहु तोहिंतजैंगपामरतूनतजहिअबहीते । अबनाथहिअनुराग जागजड़त्यागुदुराशाजीते । बुझैनकामअग्नितुलसीकहुं बिषयभोगबहुघीते १६८ काहेकोफिरतमूढ़मनधायो । तजिहरिचरणसरोजसुधारसरबिकरजललयलायो । त्रि जगदेवनरअसुरअपरजगयोनिसकलभ्रमिआयो । गृह बनितासुतबन्धुभयेबहुमातुपिताजिन्हजायो । यातेनिरय निकायनिरन्तर सोहिनतोहिंसिखायो । तवहितहोइक ठहिभवबन्धनसोमगतोहिंनतायो । अजहुंबिषयकहँयत्न करतयद्यपिबहुविधिडहकायो । पावककामभागघृततेश ठकैसेपरतबुझायो । बिषयहीनदुखमिलेबिपतिअतिसुख सपनेहुंनहिंपायो । उभयप्रकारप्रेतपावकज्योंधनदुखप्र दश्रुतिगायो । क्षणक्षणक्षीणहोतजीवनदुर्लभतनवृथा गँवायो । तुलसिदासहरिभजहिंआशतजिकालउरगजग खायो १६६ तांबेसोंपीठिमनहुंतनपायो ।नीचमीचजान तनशीशपरईशनिपटबिसरायो । अवनिरवनिधनधामसुह दसुतकेनइन्हहिंअपनायो । काकेभयेगयेसँगकाकेसबसने हछलछायो । जिनभूपन्हजगजीतिबांधियमअपनीबांह बसायो । तेऊकालकलेऊकीन्हेतृगिनतीकबआयो । देखु

बिचारिसारकासांचोकहानिगमनिजगायो। भजहिनअ
जहुंसमुझितुलसीतेहिजेहिमहेशमनलायो २०० लाभ
कहामानुषतनपाये। कायबचनमनसपनेहुंकबहुंकघटत
नकाजपराये। जोसुखसुरपुरनरकगेहबनआवतबिनहिं
बुलाये। तेहिसुखकहँबहुयत्नकरतमनसमुझतनहिंसमुझा
ये। परदारापरद्रोहमोहबशकियेमूढ़मनभाये। गर्भबास
दुखराशिजातनातीव्रबिपतिबिसराये। भयनिद्रामैथुनअ
हारसबकेसमानजगजाये। सुरदुर्लभतनधरिनभजेहरि
मदअभिमानगँवाये। गईननिजपरबुद्धिशुद्धकैरहेरामल
यलाये। तुलसिदासयहिअवसरबीतेकापुनिकेपछिताये।
२०१ काजकहानरतनधरिसारेउ। परउपकारसारश्रु
तिकोसोतोधोखेउमेंनबिचारेउ। द्वैतमूलभयशूलशोकफल
भवतरुटरैनटारेउ। रामभजनमतिक्षणकुठारलैसोनहिं
काटिनिवारेउ। संशयसिन्धुनामवोहितभजिनिजआतमा
नतारेउ। जन्मअनेकबिवेकहीनबहुयोनिभ्रमतनहिंहारे
उ। देखिआनकीसहजसम्पदाद्वेषअनलमनजारेउ। सम
दमदयादीनपालनशीतलहियहरिनसँभारेउ। प्रभुगुरु
पितासखारघुपतिमेंमनक्रमबचनबिसारेउ। तुलसिदास
यहत्रासशरणराखहिंजेहिगीधउधारेउ २०२ श्रीहरि
गुरुपदकमलभजहुमनतजिअभिमान। जेहिसेवतपाइय
हरिसुखनिधानभगवान। परिवाप्रथमप्रेमबिनुराममिलन
अतिदूरि। यद्यपिनिकटहृदयनिजरहेसकलभरिपूरि।
दुइजिह्वतमतिछांड़िवरहिंमहिमण्डलधीर। विगतमोह
मायामदहर्दैसदारघुबीर। तीजित्रिगुणपरपरमपुरुषश्री

रमणमुकुन्द । गुणसुभावत्यागेबिनुदुर्लभपरमानंद ।
चौथिचारिपरिहरहुबुद्धिमनचित्तहंकार । बिमलबिचार
परमपदनिजसुखसहजउदार । पांचइपांचपरसरसशब्द
गन्धअरुरूप । इन्हकरकहानकीजैबहुरिपरबभवकूप ।
छठिषट्वर्गकरियजयजनकसुतापतिलागि । रघुपतिकृ
पाबारिबिननहिं बुताइलोभागि । सातेसप्तधातुनिर्मित
तनकरियबिचार । तेइतनकेरएकफलकीजियपरउपार ।
अठईआठप्रकृतिपर निर्बिकारश्रीराम । केहिप्रकारपा
इयहरिहृदयबसहिं बहुकाम । नवमीनवद्वारपुरबसिजेहि
नआपुभलकीन । तेनरयोनिअनेकश्रमबदारुणदुखदी
न । दशइदशहुंकरसंयमजोनकरियजियजानि । साध
नवृथाहोंहिं सबमिलिहिं नसारँगपानि । एकादशीएकम
नबशकैसेवहुजाइ । सोइव्रतकरफलपावैआवागमननशा
इ । द्वादशिदानदेहुअसअभयहोइत्रैलोक । परहितनिर
तसोपारनबहुरिनब्यापैशोक । तेरसितीनिअवस्थातजहु
भजहुभगवन्त । मनक्रमबचनअगोचरब्यापकव्याप्यअ
नन्त । चौदसिचौदहभुवनआचररूपगोपाल । भेदगये
बिनारघुपतिअतिनहरहिं जगजाल । पुनिउप्रेमभक्तिरस
हरिरस जानहिं दास । समशीतलगतमानज्ञानरतबिषय
उदास । त्रिबिधिशूलहोलियजालियखेलियअबफागु ।
जोंजियचहसिपरमसुखतौयहिमारगलागु । श्रुतिपुराण
बुधसम्मतचांचरिचरितमुरारि । करिबिचारभवतरियपरि
यनकबहुंयमधारि । संशयसमनदमनदुखसुखनिधानह
रिएक । साधुकृपाबिनमिलहिं नकरियउपायअनेक । भव

सागरकहँनावशुद्धसन्तनकेचरण। तुलसिदासप्रयासबि
नुमिलहिं रामदुखहरण २०३ ॥ रागकान्हरा ॥ जोमन
लागैरामचरणअस। देहगेहसुतबितकलत्रमहँमगनहो
तबिनयतनकियेजस। द्वन्दरहितगतमानज्ञानरतबिष
यबिरतखटाइनानाकस। सुखनिधानसुजानकोशलपति
हवैप्रसन्नकहुक्योंनहोहिं बश। सर्वभूतहितनिर्बिकलि
तचितभक्तिप्रेमदृढ़नेमएकरस। तुलसिदासयहहोहित
बहिंजब द्रवैंईशजेहिहत्योशीशदश २०४ जोनभजैच
हैहरिसुरतरु। तौतजिबिषयबिकारसारभजु अजहूंजो
मैंकहौंसोईकरु। समसन्तोषबिचारबिमलअतिसतसं
गतिएचारिदृढ़करिधरु। कामक्रोधअरुलोभमोहमदरा
गद्वेषनिशेषकरिपरिहरु। श्रवणकथामुखनामहृदयह
रिशिरप्रणामसेवाकरिअनुसरु। नैननिरखिकृपासमु
द्रहरिअगजगरूपभूपसीतावरु। यहैभक्तिबैराग्यज्ञान
यहहरितोषनयहशुभव्रतआचरु। तुलसिदासशिवमत
मारगयहचलतसदासपनेहुनाहिनडरु २०५ नाहिन
औरकोउशरणलायक दूजोश्रीरघुपतिसमबिपतिनिवार
ण। काकोसहजसुभावसेवकबशकाहिप्रणतपरप्रीतिअ-
कारण। जनगुणअलपगणतसुमेरुकरिअवगुणकोटि वि-
लोकिबिसारण। परमकृपालभक्तचिन्तामणिबिरदपुनी
तपतितजनतारण। सुमिरतसुलभदासदुखसुनिहरिच-
लततुरतपटपीतसँभारन। साखिपुराणनिगमआगमसब
जानतद्रुपदसुताअरुवारण। जाकायशगावतकबिकोविद
जिनकेलोभमोहमदमारण। तुलसिदासतजिआशसकल

भजुकोशलपतिमुनिबधूउधारण २०६ भजिबेलायकसु
खदायकरघुनायकसरिसशरणप्रदद्दूजोनाहिन। आनन्द
भवनदुखदवनशोकशमनरमारमणगुणगणतसिराहिंन।
आरतअधमकुजातिकुटिलखल पतितसभीतकहूंजेसमा
हिंन। सुमिरतनामबिबशहूं बारकपावतसोपदजहांसुर
जाहिंन। जाकेपदकमललुब्धमुनिमधुकरबिरतिजेपरम
सुगतिहुलुभाहिंन। तुलसिदासशठतेहिनभजसिकस
कारुणीकजोअनाथहिदाहिन २०७॥ रागकल्याण॥ नाथ
सोंकौनबिनतीकहिसुनावों। त्रिबिधिअनगिणतअवलोकि
अघआपनेशरणसन्मुखहोतसकुचिशिरनावों। बिरचि
हरिभक्तकोबेषबरटाटिकापटदलहरितपल्लवनिछावों।
नामलगिलाइलासाललितबचनकहि ब्याधज्यौंबिषयबि
हगनिबझावों। कुटिलशतकोटिमेररोमपरवारियहिसाधु
गणतीमोपहिलहिगनावों। परमबर्बरखर्बगर्बपर्बतचढ्यो
अज्ञसर्बज्ञजनमानिजमावों। सांचकिधौंझूठमोकोकहत
कोउकोउरामरावरोहोहुतमरोइजनकहावों। बिरदकी
लाजकरिदासतुलसीहिदेव लेहुअपनाइअबदेहुजनिबावों
२०८ नाहिनैनाथअवलम्बमोहिंआनकी। कर्ममनब-
चनसत्यकरुणानिधेएकगतिरामभवदीयपदत्राणकी।
कोहमदमोहममतायतनजानिमनबातनहिंजातकहिज्ञान
बिज्ञानकी। कामसङ्कल्पउरनिरखिबहुबासनहिंआस-
नहिंएकहूआंकनिर्बाणकी। वेदबोधितकर्मधर्मबिनअगम
अतियद्यपिजियलालसाअमरपुरजानकी।सिद्धसुरमनुज
दनुजादिसेवतकठिनद्रवहिंहठयोग दियेभोगबलिप्राण

की। भक्तिदुर्लभपरमशंभुशुकमुनिमधुपप्यासपदकंजमक रन्दमधुपानकी। पतितपावनसुननामबिश्रामकृतभ्रमत पुनिसमुझिचितग्रंथिअभिमानकी । नरकअधिकारमम घोरसंसारतमकूपकहिभूपभयशक्तिआपानकी । दासतु लसीसोऊत्रासनहिंगनत मनसुमिरिगुहगीधगजज्ञाति हनुमानकी २०६ औरकहँठौररघुबंशमणिमेरे । पतित पावनप्रणतपालअशरणशरण बांकुरेबिरदबिरुदैतकेहि केरे। समुझिजियदोषअतिरोषकरिरामजेहिकरतनहिंका नबिनतीबदनफेरे । तदपिहवैनिडरहौंकहोकरुणासिंधु क्योंबरहिजातसुनिबातबिनहेरे । मुख्यरुचिहेतुबसिका पुररावरेरामतेहिरुचिहि कामादिगनघेरे । अगमअपब गअरुस्वर्गसुकृतैकफलनामबलक्योंबसोयमनगरनेरे । कबहुंनहिंठाउंकहँजाउं कौशलनाथ दीनहितहीनहोबि- कलबिनुडेरे । दासतुलसिहिबासदेहुअबकरिकृपाबसत जगगृद्धव्याधादिजेहिखरे २१० कबहुंरघुबंशमणिसो कृपाकरहुगे । जेहिकृपाव्यायगजबिप्रखलनरतरेतिन हिंसममानिमोहिंनाथउद्धरहुगे । योनिबहुजन्मिकिय कर्मखलत्रिबिधिबिधिआचरणकछुहृदयनहिंधरहुगे।दीन हितअजितसर्बज्ञसमरथप्रणतपाल चित्तमृदुलनिजगुण निअनुसरहुगे । मोहमदमानकामादिखलमंडलीसकुल निर्मूलकरिदुसहदुखहरहुगे। योगजपयज्ञबिज्ञानते अ- धिकअतिअमलदृढ़भक्तिदैपरमसुखभरहुगे । मन्दजन मौलिमणिसकलसाधनहीनकुटिल मनमलिनजियजानि जोडरहुगे। दासतुलसीवेदबिदितबिरदावलीबिमलयश

नाथकेहिभांतिबिस्तरहुगे २११ ॥ रागकेदारा ॥ रघुपति बिपतिदवन। परमकृपालप्रणतप्रतिपालकपतितपावन। कूरकुटिलकुलहीनदीनअतिमलिनयवन। सुमिरतराम नामपठयेसबअपनेभवन। गजपिंगलाअजामिलसेखल गणौघोंकवन। तुलसिदासप्रभुकेहिनदीनगतिजानकीर वन २१२ हरिसमआपदाहरणनहिंकोउ। सहजकृपाल दुसहदुखसागरतरण। गजनिजबलअवलोकिकमल गहिगयोशरण। दीनवचनसुनिचलेगरुड़तजिसुनाभूय रण। द्रुपदसुताकहँलग्योदुशासननगनकरण। हाहरि पाहिकहतपरपटबिबिधिधरण। इहैजानिसुरनरमुनिको विदसेवतचरण। तुलसिदासप्रभुकोनअभयकियोनृग उद्धरण २१३ ऐसीकौनप्रभुकीरीति। बिरदहेतुपुनीतपरि हरिपांवरनिपरप्रीति। गईमारनपूतनाकुचकालकूटलगा इ। मातुकीगतिदईताहुकृपालुयादवराइ। काममोहित गोपिकनपरकृपाअतुलितकीन। जगतपिताबिरंचिजि न्हकेचरणकीरजलीन।नेमतेशिशुपालदिनप्रतिदेतगणि गणिगारि। कियोलीनसोआपमेंहरिराजसमामेंझारि। व्याधचितदैचरणमारेउमूढ़मतिमृगजानि। सोसदेह स्वलोकपठयोप्रकटकरिनिजबानि। कौनतिन्हकीकहैजि नकेसुकृतऔअघदोउ।प्रगटपातकरूपतुलसीशरणराख्यो सोउ २१४ श्रीरघुबीरकीयहबानि। नीचहूंसोंकरत नेहसुप्रीतिमनअनुमानि। परमअधमनिषादपांवरकौन ताकीकानि। लियासोउरलाइसुतज्योंप्रेमकीपहिंचानि। गीधकौनदयालजोविधिरच्योहिंसासानि। जनकज्योंरघु

नाथताकहँदियोजलनिजपानि । प्रकृतिमलिनकुजाति शवरीसकलअवगुणखानि । खाततांकदियेफलअतिरुचि बखानिबखानि । रजनिचरअरुरिपुबिभीषणशरणआयो जानि । भरतज्योंउठिताहिभेंटतदेहदशाभुलानि । कौन सौम्यसुशीलबानरजिन्हहिंसुमिरतहानि । कियेतेसब सखापूजेभवनअपनेआनि । रामसहजकृपालुकोमलदीन हितदिनदानि । भजहिंऐसेप्रभुहितुलसीकुटिलकपटन ठानि २१५ हरितजिऔरभजियेकाहि । नाहिनकोउ रामसोंममताप्रणतपरजाहि । हिरण्यकशिपुबिरंचिको जनकर्ममनअरुबात । सुतहिदुखबतबिथिनबरज्योका लकेघरजात । शंभुसेवकजानजगबनुवारदियदशशीश। करतरामबिरोधसोसपनेहुनहटक्योईश । औरदेवनकी कहाकहौंस्वारथहिकेमीत । कबहुंकाहुनराखिलियोको उशरणगयेसभीत । कौनसेवनदेतसंपतिलोकहूयहरी ति । दासतुलसीदीनपर एकरामहीकीप्रीति २१६ जोपैदूसरोकोउहोइ। तोहौंबारहिंबारप्रभुकतदुखसुनावों रोइ । काहिममतादीनपरकाकोपतितपावननाम । पाप मूलअजामिलहिकेहिदियोआपनोधाम । रहेशंभुबिरंचि सुरपतिलोकपालअनेक । शोकसरिबूड़तकरीशहिदईका हुनटेक । बिहेलभूपतिसदसिमहँनरनारिकहप्रभुपाहि। सकलसमरथरणकाहुनबसनदीन्होंताहि । एकमुखक्यों कहोंकरुणासिंधुकेगुणगाथ । भक्तहितधरिदेहकहानकि योकोशलनाथ । आपसेकहिसोंपियेमोहिंजोपैअतिहि घिनात । दासतुलसीऔरबिधिक्योंचरणपरिहरिजात

२१७ कबहिंदेखाइहौहरिचरण । शमनसकलकले शकलिमलसकलमंगलकरण । शरदभवसुन्दरतरुणत रुअरुणबारिजबरण । लच्छिलालितललितकरतलछ बिअनूपमधरण । गंगजनकअनंगअरिप्रियकपटबटुब लिचरण । बिप्रतियनृगबधिककेदुखदोषदारुणदरण। सिद्धसुरमुनिवृन्दबन्दितसुखदसबकहँशरण । सुकृतउ रअनतजिन्हहिंजनहोततारणतरण । कृपासिन्धुसुजान रघुबरप्रणतआरतिहरण । दरशआशपियासतुलसीदा सचाहतमरण २१८ द्वारहौंभोरहीकोआज । रटत रेरिहाआरिऔरनकोरहीकेकाज । कलिकरालदुकाल दारुणसबकुभांतिकुसाज । नीचजनमनऊंचजैसीकोढ़में कीखाज । हहरिहियमेंसदयबूझयोजाइरामसमाज । मोहुमेंकहुंकतहुंकोउतिन्हकह्योकोशलराज । दीनता दारिददलेकोकृपाबारिधबाज । दानिदशरथरायकोतुव बानिइतशिरताज । जन्मकोभूखोगरीबहौंतूगरीबनेवाज पेटभरितुलसिहिजेंवाइयभक्तिसुधासुनाज २१९ करि यसंभारकोशलराय । औरठौरनऔरगतिअवलंबनाम बिहाय । बूझिअपनीआपतोहितआपबापनमाय । रा मरावरोनामगुरुसुरस्वामिसखासहाय । रामराजनचले मानसमलिनकेकुलछाय । कोपतेहिकलिकालकायरमु येहिंघालतघाय । लेतकेहरिसोंबयरज्योंभेकहनिगोमा य । त्योंहिंरामगुलामजानिनिकामदेतकुदाय । अक नियाकेकपटकरतबअमितअनयअपाय । सुखीहरिपुरब सतहोतपरिक्षितहिपछिताय । कृपासिंधुबिलोकिअहि

जनमनकिसांसतिसाय । सामुहेआयोदेवदीनदयालदे
खनपाय । निकटबोलिनबरजियेबलिजाउंहनियनहा
य । देखिहैंहनमानगोमुखनाहरनिकेन्याय । अरुण
मुखभ्रूबिकटपिङ्गलनयनरोषकखाय । वीरसुमिरिसमी
रकोहटिहैंचपलचितचाय । बिनयसुनिबिहँसअनुजसों
बचनकेकहिभाय । भलीकहीकह्योलखनहूंहँसिबनेसक
लबनाय । दईदीनहिंदादिसोसुनिसुजनसदनबधाय ।
मिटेसंकटशोचपोचप्रपंचपापनिकाय । पेखिप्रीतिप्रती
तिजनपरअगुणअनघअमाय । दासतुलसीकहतमुनिग
णजयतिजयउरगाय २२० नाथकृपाहीकोपंथचित
वतदीनहौंदिनराति । होइधौंकहिकालदीनदयालजा
निनजाति । सगुणज्ञानबिरागभक्तिसुसाधननकीपांति ।
भजेबिकलबिलोकिकलिअघअवगुणनकीथाति । अति
अनीतिकुरीतिभइभुंइतरनिहूतेताति । जाउंकहँबलि
जाउंकहूंनठाउंमतिअकुलाति । आपसहितनआपनो
कोउबापकठिनकुभांति । श्यामघनसींचियेतुलसीसालि
सफलसुखाति २२१ बलिजाउंऔरकासोंकहौं । सद
गुणसिन्धुस्वामिसेवकहितकहुंनकृपानिधिसोंलहौं । जहँ
जहँलोभलोललालचबशनिजहितचितचाहनिचहौं । त
हँतहँतरणितकतउलूकज्यों भटकिकुतरुकोटरगहौं । का
लसुभावकरमबिचित्रफलदायकसुनिशिरधुनिरहौं । मो
कोतौसकलसदाएकहिरसदुसहदाहदारुणदहौं । उचि
तअनाथहोइदुखभाजनभयोनाथकिंकरनहौं । अबरावरो
कहायनबूझियेशरणपालसांसतिसहौं । महाराजराजी

वबिलोचनमगनपापसन्तापहौं । तुलसीप्रभुजबतबजे हितेहिबिधिरामनिबाहेनिर्बहौं २२२ आपनोकबहुं करिजानिहो । रामगरीबनेवाजराजमणिबिरदलाजव तआनिहो । शीलसिन्धुसुन्दरसबलायकसमरथसदगु णखानिहो । पाल्योहैपालतपालहुगेप्रणतप्रेमपहिचानि हो । बेदपुराणकहतजगजाननदीनदयालदीनदानिहो । कहिआवतबलिजाउं मनहुं मेरीबारबिसारेबानिहो । आ रतदीनअनाथनिकेहितमानतलौकिककानिहो । हैपरि णामभलोतुलसीकोशरणागतभयभानिहो २२३ रघु बरहिकबहुंमनलागिहै । कुपथकुचालकुमतिकुमनोरथ कुटिलकपटकबत्यागिहै । जानतगरलअमियबिमोहब शअमियगनतकरिआगिहै । उलटीरीतिप्रीतिअपनेकी तजिप्रभुपदअनुरागिहै । आखरअर्थमंजुमृदुमोदकरा मप्रेमपागपागिहै । ऐसेगुणगाइरिझायस्वामीसोंपाइ हैजोमुहमांगिहै । तूयहिबिधिसुखशयनसोइहैजियकी जरानिभूरिभागिहै । रामप्रसाददासतुलसीउररामभक्ति योगजागिहै २२४ भरोसोऔरआइहैउरताके । कै कहूं लहैजोरामहिसोसाहिबकैअपनोबलजाके । कैकलि कालकरालनसूझतमोहमारमदछाके । कैसुनिस्वामि सुभावनरह्योचितजोहितसबअंगथाके । हौंजानतभलि भांतिअपनपौप्रभुसोंसुन्योनशाके । उपलभीलखगमृग रजनीचरभलेभयेकरतबकाके । मोकोभलोरामनामसुर तरुसोउप्रसादकृपालकृपाके । तुलसीसुखीनिशोचराज ज्योंबालकमायबबाके २२५ भरोसोजाहिदूसरोसोकरो ।

मोकोतौरामकोनामकल्पतरुकलिकल्याणकरो। कर्मउपा
सनज्ञानवेदमतसोसबभांतिखरो। मोहितोसावनकेअन्ध
हिज्योंसूझतरंगहरो। चाटतरह्योश्वानज्योंपातरकबहुंन
पेटभरो। सोहौंसुमिरतनामसुधारसपेखतपरसिधरो।
स्वारथओपरमारथहूकोनहिंकुंजरोनरो। सुनियतसेतुपयो
धिपषाननिकरिकपिकटकतरो। प्रीतिप्रतीतिजहांजाकी
तहँताकोकाजसरो। मेरेतोमायबापदोउआखरहोंशिशुअ
रनिअरो। शंकरसाखिजोराखिकहौंकछुतौजरिजीहगरो।
आपनोभलोरामनामहिंतेतुलसिहिसमुझिपरो २२६ ना
मरामरावरोईहितुमेरे। स्वारथपरमारथसाथिनसोभुज
उठायकहुंटेरे। जननीजनकतज्योंजन्मिकर्मबिनुबिधे
हूंसृज्योहौंअबढेरे। मोहसेकोउकोउकहतरामहिकोसा
प्रसंगकेहिकेरे। फिर्योललातबिनुनामउदरलगिदुस
हदुखितमोहिंहेरे। नामप्रसादलहतरसालफलअबहोंम
धुरबहेरे। सावतसाधुलोकपरलोकहिसुनिगुनियन्नघने
रे। तुलसीकोअवलंबनामहिकोएकगांठिबहुफेरे २२७
प्रियरामनामतेजाहिन रामो। ताकोभलोकठिनकलिका
लहूंआदिमध्यपरिणामो। सकुचतसमुझिनाम महिमा
मदलोभमोहकेहकामो। रामनामजपनिरतसुजनपर क
रतछांहघोरघामो। नामप्रभावसहीजोकहे कोउशिला
सरीरुइजामो। जोसुनिसुमिरिभागभाजनभई सुकृतशी
लभीलभामो। बालमीकअजामिलकेकछुहुतोनसाधनसा
मो। उलटेपलटेनाममहातमगुंजानिजितोललामो। रा
मतेअधिकनामकरतबजेहिकियेनगरगतगामो। भयेबजा

इदाहिनेजोजपितुलसी दासहुसेवामो २२८ गरैंगीजी हजोकहौंऔरकोंहौं । जानकीजीवनजन्मजन्मजगज्या योतिहारेहिकोरहैंको। । तीनिलोकतिहूंकालनदेखत सु हृदरावरेजोरकोहौं । तुमसों कपटकरिकल्पकल्प कृमि ह्वैहौंनरकघोरकोहौं । कहाभयोजोमनमिलिकलिकाल हिकियोभुरुटभोरकोहौं। तुलसीदासशीतलनितियहिब लबड़ेठिकाने ठौरकोहौं २२९ अकारणकोहितुऔर को है । बिरदगरीबनिवाजकौनकोमोहजासुजनजोहै । छो टाबड़ोचहतसबस्वारथजोबिरंचिबिरचोहै । कोलकुटिल कपिभालुपालिबोकौनकृपालहिसोहै । काकोनाम अनख आलसकहेंअघअवगुणनिबिछोहै । कोतुलसीकुसेवसंग्र ह्योशठसबदिनसाईद्रोहै २३० औरमोहिंकोहैकाहिक हिहौं । रंकराजज्योंमनकोमनोरथजेहिसुनायसुखलहि हौं । यमयातनायोनिसंकटसबसहेहैंदुसहअरुसहिहौं । मोकोअगमसुगमतुमकोप्रभुतउफलचारिनचहिहौं । खे लिबेकोखगमृगतरुकिंकरहवैरावरोरामहोंरहिहौं । यहि नातेनरकहुंसचुपैहौंयाबिनपरमपदहुंदुखदहिहौं । इत नीजियलालसोंदासकेकहतपानहीगहिहौं । दीजैबचन किहृदयआनियेतुलसीकोपननिर्बहिहौं २३१ दीनबन्धु दूसरोकहँपावों । कोतुमबिनुपरपीरपाइहै केहिदीनतासु नावों । प्रभुअकृपालकृपालअलायकजहँजहँ चितहिडु लावों । वहैसमुझिसुनिरहौंमौनहींकहिभ्रमकहागवावों । गोपदबुड़िबेयोगकरमकरोंबातनिजलधिथहावों । अति लालचीकामकिंकरमनमुखरावरोकहावों । तुलसीप्रभु

जियकीजानतसबअपनोकछुकजनावों । सोइकीजैजेहि भांतिछांड़िछलद्वारपरेगुणगावों २३२ मनोरथमनकोए कैभांति । चाहतमुनिमनअगमसुकृतफलमनसाअघन अघाति । कर्मभूमिकलिजन्मकुसंघटमतिबिमोहमदमाति। करतकुयोगकोटिक्योंपैयतपरमारथपदशांति । सेइसाधुगुरुसुनिपुराणश्रुतिबूझेउरागबाजीतांति । तुलसीप्रभुसुभाउसुरतरुसोज्योंदर्प्पणमुखकांति २३३ जन्मगयोबादिहिबरबीति । परमारथपालेनपर्योकछुअनुदिनअधिकअनीति । खेलतखातलरिकपनगोचलियौबनयुवतिन्हलियोजीति । रोगबियोगशोकश्रमसंकुलबड़ीबयसवृथहिगइतीति । रागरोगईर्षाबिमोहबशरुचीन साधुसमीति । कहेनसुनेगुणगणरघुपतिकेभइनरामपदप्रीति । हृदयदहतपछिताय अनलअवसुनतदुसहभवभीति । तुलसीप्रभुतेहोइसोकीजियसमुझिबिरदकीरीति २३४ ऐसेजन्मसमूहसिराने । प्राणनाथरघुनाथसेप्रभुतजि सेवतचरणबिराने । जेजड़जीवकुटिलकायरखलकेवलकलिमलसाने । सुखतबदनप्रशंसततिन्हकहँहरितेअधिककरिमाने । सुखहितकोटिउपायनिरंतरकरतनपायँ पिराने । सदामलीनपंथकेजलज्योंकबहुंनहृदयथिराने । यहदीनतादूरिकरिबेकोअमितयतनउरआने । तुलसीचितचिंतानमिटै बिनुचिंतामणिपहिचाने २३५ जोपैनियजानकीनाथनजाने । तौसबकर्मधर्मश्रमदायकऐसेइकहत स्याने । जेसुरसिद्धमुनीशयोगबिदबेदपुराणबखाने । पूजालेतदेतपलटेसुखहानिलाभअनुमाने । काकोनाम घोखेहू

सुमिरतपातकपुंजसिराने। बिप्रबधिकगजगृद्धकोटिखल कौनकेपेटसमाने। मेरुसेदोषदूरिकरिजनकेरेणुसे गुण उरआने। तुलसिदासतेहिसकलआशतजिभजहिंन अजहुंअयाने २३६ काहेनरसनारामहिंगावहि। निशि दिनपर अपवादवृथाकतरटिरटिरागबढ़ावहि। नरमुख सुन्दरमन्दिरपावनबसिजनवाहिलजावहि। शशिसमी परहित्यागिसुधाकतरबिकरजलकहधावहि। काम कथा कलिकैरवचन्दिनिसुनतश्रवणदैभावहि। तिनहिं हटकि कहिहरिकलकीरतिकर्णकलंकनसावहि। जातरूपमति युवतिरुचिरमणिरचि २ हारबनावहि। मरणसुखदरबि कुलसरोजरबिरामनृपहिपहिरावहि। बादबिवादस्वाद तजिभजिहरिसरलचरितचितलावहि। तुलसिदासमवत रहितिहूंपुरतूपुनीतयशपावहि२३७ आपनोहितरावरेसों जोपैसूझै। तौजनुतनपरअक्षतशीशसुधिक्योंकबन्धज्यों जूझै। निजअवगुणगुणरामरावरेलखिसुनिमतिमनरूझै। रहीनिकहनिसमुझनितुलसीकीकोकृपालबिनुबूझै २३८ जाकोहरिदृढ़करिअङ्गकरेउ। सोईसुशीलपुनीतबेदबिदबि द्यागुणनिभरेउ। उत्पतिपण्डुसुतनकीकरणीसुनिसतपंथ डरेउ। तेत्रैलोक्यपूज्यपावनयशसुनिसुनिलोकतरेउ। जोनिजधर्मबेदबोधितसोकरतनकछुबिसरेउ। बिनअवगु णकृकलासरूपमज्जतकरगहिउधरेउ। ब्रह्मबिशिपब्रह्मा डदहनक्षमगर्भनन्दपतिजरेउ।अजरअमरकुलिशहुनाहिन बधसोपुनिफेनमरेउ। बिप्रअजामिलअरुसुरपतितेकहा जोनहिंबिगरेउ। उन्हकोकियोसहायबहुतउरकोसन्ता

पहरेउ । गणिकाअरुकन्दर्प्पतेजगमहँ अघनकरतडब रेउ । तिनकोचरितपबित्रजानिहरिनिजहृदिभवनधरेउ । केहिआचरणभलोमानैंप्रभुसोतोजानिपरेउ । तुलसिदा सरघुनाथकृपाकोचितवतपन्थखरेउ २३९ सोइसुकृ तीशुचिसांचोजाहिरामतुमरीझे । गणिकागीधबधिक हरिपुरगयेलेकरसीप्रयागकबसोझे । कबहुंनडग्योनिग ममगतेपगन्टग जगजानिजितेदुखपाये । गजधौंकोन दिक्षितजाकसुमिरतलैसुनभबाहनतजिधाये । सुरमुनि बिप्रबिहायबड़कुलगोकुलजन्मगोपगृहलीन्हों । बायों दियोबिभवकुरुपतिकोभाजननजाइबिदुरघरकीन्हों। मान तभलहिभलाभक्तनितेकछुकरीतिपारथहिजनाई।तुलसी सहजसनेहरामबशओरसबैजलकीचिकनाई २४० तब तुममोहूसेशठनिहठिनगतिदेते । कैसेहुंनामलेतकोउपांव रसुनिसादरआगेहवैलेते । पापखानिजियजानिअजामि लयमगणतमकितइताकोभेते । लियेछड़ाइचलेकरमींजत पीसतदांतगयेरिसिरेते । गौतमतियगजगृद्धबिटपकपिहै नाथहिनीकेमालुमतेते । तिन्हकातिन्हकाजनिसाधुसमा जतजिकृपासिन्धुतबतबउठिगेते । अजहुंअधिकआदरय हिद्वारेपतितपुनीतहोतनहिंकेते।मेरेपासंगहुंनपूजितैंह्वै गयेहैंहोनेखलजेते । हौंअबलोंकरतूतितिहारियेंचितबहु तौनरावरेचेते । अबतुलसीपूतराबांधिहिसहिनजातमोपै परिहासएते २४१ तुमसमदीनबन्धुनदीनकोउ । मोसम सुनहुनृपतिरघुराई । मोसमकुटिलमौलिमणिनहिंजगतु ससमहरिनिहरणकुटिलाई । हौंमनबचनकर्मपातकरत

तुमकृपालपतितन्हिगतिदाई । हौंअनाथप्रभुतुमअनाथ हितचितयहसुरतिकबहुंनहिंजाई। हौंआरतआरतिनाशन तुमकीरतिनिगमपुराणनिगाई । हौंसभीततुमहरणासक लभयकारणकवनकृपाबिसराई । तुम्हसुखधामरामश्रम भंजनहौंअतिदुखितत्रिबिधिश्रमपाई । यहजियजानि दासतुलसीकहँराखहुशरणसमुझिप्रभुताई २४२ इहैजा निचरणानिचितलायो। नाहिंननाथअकारणकोहितुमस मानपुराणश्रुतिगायो । जननिजनकसुतदारबंधुजनभये बहुतजहँजहँहौंजायो । सबस्वारथहितप्रीतिकपटचित काहूनहिंहरिभजनसिखायो । सुरमुनिमनुजदनुजअहि किन्नरमैंतनधरिशिरकाहिननायो। जरतफिरतत्रयतापपा पबशकाहुनहरिकरिकृपाजुड़ायो । यद्यअनेककियेसुखका रणहरिपदबिमुखसदादुखपायो। अबथाक्योंजलहीनना वज्योंदेखतबिपतिजालजगछायो। मोकहँनाथबूझियेवह गतिसुखनिधाननिजपतिबिसरायो । अबतजिरोषकरहु करुणाहरितुलसिदासशरणागतआयो २४३ याहितमैं हरिज्ञानगँवायो । परिहरिहृदयकमलरघुनाथहिबाहिर फिरतबिकलभयोधायो । ज्योंकुरंगनिजअंगरुचिरमद अतिमतिहीनमरमनहिंपायो। खोजतगिरितरुलताभूमिबि लपरमसुगंधकहंतें यों आयो। ज्योंसरबिमलबारिपरिपर णऊपरकछुसिवारतृणछायो । जारतहियोताहितजिहौं शठचाहतयहिबिधितृषाबुझायो । ब्यापतत्रिबिधितापत नदारुणतापरदुसहदरिद्रसतायो । अपनेहिंधामनामसुर तरुतजिबिषयबबूरबागमनलायो । तुमसमज्ञाननिधान

मोहिंसममूढ़नआनपुराणनिगायो । तुलसिदासप्रभुयह बिचारिजियकीजैनाथउचितमनभायो २४४ मोहिंमूढ़म नबहुतबिगोयो । याकेलियेसुनहुकरुणामयमैंजगजन्मज न्मदुखरोयो । शीतलमधुरपियूषसहजसुखनिकटहिंरहत दूरिजनुखोयो । बहुभांतिनश्रमकरतमोहबशवृथहिमंदम तिबारिबिलोयो । कर्मकीचजियजानिसानिचितचाहतकु टिलमलहिमलधोयो। तृषावन्तसुरसरिबिहायशठफिर२ बिकलअकाशनिचोयो । तुलसिदासप्रभुकृपाकरहुअबमैं निजदोषकछूनहिंगोयो । डासतहीगइबीतिनिशासबकब हुंननाथनींदभरिसोयो २४५ लोकबेदहूंबिदितसुनिसमु झिमोहमोहितबिकलमतिथितिनलहति । छोटेबड़खोटेख रेमोटेदूबरेरामरावरेनिबाहेसबहीकीनिबहति । होतीजो आपनेबशरहतीएकहीरसदूनीनहरषशोकशासतिसहति। चहतोजोजोइ२लहतोसोसोइ२केहूभांतिकाहूकीनलाल सारहति । कर्मकासुभावगुणदोषजीवजगमायातेसोसभै भौंहचकितचहति । ईशनिदिगीशनियोगीशनिमुनीशनि हूंछोड़तछोड़ायेतेगहायेतेगहति।सतरंजकोसोराजकाठको सबसमाजमहराजबाजीरचीप्रथमनहति।तुलसीप्रभुकेहा थहारिबोजीतिबोनाथबहुबोधबहुसुखशारदाकहति २४६ रामजपिजीहजानिप्रीतिसोंप्रतीतिमानि रामनामजपेजैहै जियाकीजरनि । रामनामसोंरहनिरामनामकीकहनिकु टिलकलिमलशोकसंकटहरनि । रामनामकोप्रभावपूजि यतगणरावकियेनदुरावकहीआपनीकरनि । भवसागर कासेतुकाशीहूं सुगतिहेतुजपतशारदशम्भुसहितवरनि ।

वालमीकव्याधहै अगाधअपराध निधिमरामराजपैपूजैस
निअमरनि। रोंक्योबिन्धसारयोसिन्धुघटजहूंनामबल
हार्योहियखार्योभयोभूसुरडरनि। नामर्महिमाअपार
शेपशुकबारबारमतिअनुसारबधबेदहूंबरनि। नामरति
कामधनुतुलसीकोकामतरुरामनामहैंबिमोहतिमिरतरनि
२४७ पाहिपाहिरामपाहिरामभद्ररामचन्द्रसुयशश्रवण
सुनिआयोंहौंशरण। दीनबंधुदीनतादरिद्रदाहदोषदारुण
दुसहदरदरपहरण। जबजबजगजालव्याकुलकरमकाल
सबखलभूपभयेभूतलभरण। तबतबतनधरिभूमिभारहू
रिकरिथापेमुनिसुरसाधुआश्रमबरण। बेदलोकसबसा
खीकाहूकीरतीनराखी रावणकीबन्दिलागेअमरमरण।
ओकदौबिशोककियेलोकपतिलोकनाथरामराजभयोधर्मचा
रिहुचरण। शिलागुहगृद्धकपिभीलभालुरातिचरव्याल
हीकृपालकीन्हतारणतरण। पीलउद्धरणशीलसिन्धुढी
लदेखियततुलसीपैचाहतगलानिहींगरण २४८ भली
भांतिपहिचानेजानेसाहिबजहांलोंजगजूडेहोतथोरेहोथोरे
हीगरम। प्रीतिनप्रबीननीतिहीनरीतकेमलीनमायाधीन
सबकियेकालहूंकरम। दानवदनुजबड़ेमहामूढ़मूढ़चढ़े
जीतेलोकनाथनाथबलनिभरम। रीझिरीझिदियेबरखी
झिखीझिघालेघरआपनेनिवाजेकीनकहूंकेशरम। सेवासा
वधानतुमजानसमरथसंगोसदगुणधामरामपावनपरम।
सुरुखसुमुखएकरसएकरूपतोहि बिदितबिशेषिघटघटके
मरम। तोसोंतनपालनकृपालकहालमोसोंदयामोबसतदे
वसकलधरम। रामकामतरुछाहँचाहेरुचिमनमाहँतुलसी

विकलबलिकलिकुधरम २४६ तौहौंबारबारप्रभुहि पुकारिकैखिझावतोनजोपैमोकोहोतोकहूं ठाकुरठहरु। आ लसीअभागेमोसेतैंकृपालुपालेपोषे राजामेरेराजारामअव धशहरु। सेयेनदिगीशनदिनेशनगणेशगौरीहितकैनमान बिधिहरिऊनहरु। रामनामहीसोंयोगक्षेमनेमप्रेमपनसु धासोंभरोसोयहदूसरोजनहरु। समाचारसाथकेअनाथना थकासोंकहौं नाथहीकेहाथसबचोरऊपहरु। निजकाज सुरकाजआरतके काजराजबूझिये बिलम्बकहाकहूं नग हरु। रीतिसुनिरावरीप्रतीतिप्रीतिरावरेसोंडरतहौंदेखि कलिकालकोकहरु। कहेहीबनेगीकैकहायेबलिजाउंरा मतुलसीतूमेरीहारिहियेनहरु २५० रामरावरोसुभाव गुणशीलमहिमाप्रभावजान्योहरहनुमानलषणभरत। जि न्हकेहियेसुथलरामप्रेमसुरतरुलसत सरससुखफलतफर त। आपनानेस्वामीकैसखासुभाइ पतितेसनेहसावधानर हतडरत। साहिबसेवकरीतिप्रीतिपरिमितिनीतिनेमको निवाहएकटेकनटरत। शुकसनकादिप्रह्लादनारदादिकहैं रामकीभक्तिबड़ीबिरतिनिरत। जानबिनभक्तिनजानिबोति हारेहाथसमुझिसमुझियानेनाथपगनिपरत। क्षमतबिम तनपुराणमतएकपथनेतिनेतिनेतिनितनिगमकहत। और नकोकहाचलीएकैबातभलेभलो रामनामलियेतुलसीहूसे तरत२५१बापआपनेकरतमेरीघनीघटिगई। लालचीलवा रकीसुधारियेबारकबलिरावरीभलाईसबहीकीभलीभई। रोगबसतनकुमनोरथमलीनमनपरअपबादमिथ्याबाणीह ई। साधनकीऐसोबिधिसाधनबिनानसिद्धिबिगरीबनावै

कृपानिधिकृपानई। पतितपावनहितआरतअनाथनकोनि
राधारकोअधारदीनबंधुदई। इन्हमेंएकोनभयोबूझिनजूझे
नजायौताहीतेत्रितापतयोलुनियबतई। स्वांगसूधेसाधुको
कुचालकलितेअधिकपरलोकफीकीमतिलोकरङ्गरई। बड़े
कुसमाजराजआजलौंजौपीयेदिन महाराजकेहूसांतिनाम
ओटलई। रामनामकोप्रतापजानियतनीकेआमोकोगति
दूसरीनविधिनिरमई। खीझिबेलायककरतवकोटिकोटि
कटुरीझिबेलायकतुलसीकीकीनिलजई २५२ रामराखि
येशरणराखिआयसबांदन। बिदितत्रिलोकतिहूंकालनद
यालदूजोआरतप्रणतपालकोहैप्रभुबिन। लालेपालनपोषे
तोषेआलसीअभागीअघीनाथपैअनाथनिसोभयेनउरिन।
स्वामीसमरथऐसोहोंतिहारोजैसोतैसो कालचालहेरिहो
तिहियेघनीघिन। रीझिखीझिबिहँसिअनखक्योंहूंएकबा
रतुलसीतूमेरोबलिकहियतकिन। जाहिशूलनिर्मूलहोहिं
सुखअनुकूलमहाराजरामरावरीसोतेहिछिन२५३ रामरा
वरोनाममेरोमातुपितुहै। सुजनसनेहीगुरुसाहिबसखासु
हृदरामनामप्रेमअबिचलवितुहै। शतकोटिचरितअपारद
धिनिधिमथिलियोकाढ़िबामदेवनामघृतुहै। नामकोभरो
सोबलचारिहूंफलकोफलसुमिरियेछांड़िछलभलोकृतुहै।
स्वारथसाधकपरमारथदायकनामरामनाम सारिखोनओ
रहितुहै। तुलसीसुभावकहींसांचियेपरैगीसहीसीतानाथ
नामचितहूंकोचितुहै २५४रामरावरोनामसाधुसुरतरुहै।
सुमिरेत्रिबिधिधामहरतपूरतकाम सकलसुकृतसरसिन
सरुहै। लाभहुकोलाभसुखहुकोसुखसबसुपतितपावनडर

हुकोडरहै । नीचेहूकोऊंचेहूकोरंकहूकोरायहूकोसुलभसु
खदआपनोसोघरहै। वेदहुंपुराणहुंपुरारिहुंपुकारिकह्योना
मप्रेमचारिफलहूकोफरहै । ऐसेरामनामसोंनप्रीतिनप्रती
तिमनमेरेजानिजानिबोसोईनरखरहै। नामसोंनमातुपितु
मीतहितबन्धुगुरुसाहिबसुधीसुशीलसुधाकरहै। नामसों
निबाहनेहदीनकोदयालदेर दासतुलसीकोबलिबड़ीबरहै
२५५ कहेबिनरह्योनपरतकहेरामरसनरहत । तुमसेसु
साहिबकाओटजनखोटोखरोकालकीकर्मकीकुसांसतिसह
त । करतबिचारसारपैयतनकहूं कछूसकलबड़ाईसबक
हांतेलहत । नाथकीमहिमासुनिसमुझिआपनीओरहेरि
कैहारिहहरिहृदयदहत। सखानसुसेवकनसुतियप्रभुआप
मायाबापतुहींसांचीतुलसीकहत । मेरीतौथोरीहैसुधरे
गीबिगरियौंबलिरामरावरीसौंरहिरावरोचहत २५६ दी
नबन्धुदूरियोकियेदीनकौनदूसरोशरण । आपकोभलो
हैसबआपनेकोकोऊकहूं सबकोभलोहै रामरावरो चरण
पाहनपशुपतंगकोलभीलनिशिचरकांचतेकृपानिधानकि
येसुबरण । दण्डकपहुमिपायपरसिपुनीतभइउकठेबिटप
लागेफलनफरण । पतितपावननामबामहूं दाहिनोदेव
दुनीनदुसहदुखदूषणदरण । शीलसिन्धुतोसोंऊंचीनी
चियोंकहतशोभातुहीतुलसीकीआरतहरण २५७ जानि
पहिचानिमैंबिसारहौंकृपानिधान ,एतोमानढीठहौंउलटि
देतखोरिहौं । करतयतनजासोंजोरिबेकोयोगीजनतासों
क्योंहूं जुरीसोआगोबैठितोरिहौं । मोसेदोसकोसको
भुवनकोसदूसरोनअपनीसमुझिसूझिआपोंटकटोरिहौं ।

गाड़ीकेश्वानकीनाईंमायामोहकीबड़ाईक्षणहिंतजतक्षण भजतबहोरिहौं। बड़ोसाईद्रोहीनबराबरीमेरीकोऊम थकीशपथकियेकहतकरोरिहौं। दूरिकीजैद्वारतेलवारला लचीप्रपंचीसुधासोंसलिलशूकरीज्योंगहडोरिहौं। रावि येनीकेसुधारिनीचकोडारियेमारिदुहुंओरकीविचारिअब ननिहोरिहौं। तुलसीकहीहेसांचीरेखबारबारखांचीढील कियेनाममहिमाकीनावबोरिहौं २५८ रावरीमुधारी जोंबिगारीबिगरेगीमेरी कहोबलिवेदकिनलोककहाकहैगो। प्रभुकोउदासभावजनकोपापप्रभावदुहूंभांतिदीनब न्धुदीनदुखदहैगो। मैंतोदियोछातीपबिलयोकलिकाल दबिशासतिसहसपरबशकोउनसहैगो।बांकीबिरदावली बनैगीपालेहीकृपालअन्तरमेरोहालहेरियोंनमनरहैगो। करमीधरमीसाधुसेवकबिरतरतआपनीभलाईथलकहांको नलहैगो। तेरेमुहफेरेमोसेकायरकपूतकूरलटेलटपटनि कोकौनपरिगहैगो। कालपायफिरतदशादयालसबही कीतोहिबिनमाहिंकबहूंनकोऊचहैगो। वचनकरमही येकहौंरामसौंहकिये तुलसीपैनाथकेनिबाहेनिबहैगो २५९ साहिबउदासनयदासखासखीसहोतमेरीकहाच लोहैं बजायजायरह्योहौं। लोकमेंनठांउपरलोककोभरो सोकौनहौंतोबलिजाउंरामनामहीतेलह्योहौं। कर्मसुभा वकालकामकोहलोभमोह ग्रहअतिगहनिगरीबगाढ़ेगह्यो हौं। छोरिबेकोमहाराजबांधिबेकोकोटिभटपाहिप्रभुपाहि तिहुंपापतापदह्योहौं। रीझिबूझिसबकीप्रतीतिप्रीति यहीद्वारदूबकोजरयोपियतफूंकिफूंकिमह्योहौं। रटतर

टतलह्योजातिपांतिभांतिघट्योजूठनिकोलालचीचहौंनदू
धनह्योहौं। अनतचह्योनभलोसुपथसुचालचल्योनीकेजि
यजानिइहांभलोअनचह्योहौं। तुलसीसमुझिसमुझायों
मनबारबारअपनो सोनाथहूंसोंकहिनिरबह्योहौं २६०
मेरीनबनेबनाये। मेरेकोटिकल्पलों। रामरावरेबनायेबने
पलपाउमैं। निपटसयानेहौंकृपानिधानकहाकहोंलिये
बेरबदलिअमोलमणिआउमैं। मानसमलीनकरतबकलि
मलपीनजाहहूंनजप्योनामबक्योआउबाउमैं। कुपथ
कुचालचल्योभयोनभूलहूंभलोबालरामहूंनखेल्योखेल
तसुदाउमैं। देखीदेखादम्भतेकिसंगतेभईभलाईप्रगटि
जनाईकियोदुरितदुराउमैं। रागरोषदोषपोषेगोगणसमे
तमनइनकीभक्तिकीनीइनहींसोभाउमैं। आगिलोपछिलो
अबहूंकोअनुमानहीतेबूझियतगतिकछुकीन्होंतोनकाउमैं।
जगकहरामकोप्रतीतिप्रीति तुलसीहूंझूठेसांचेआश्रयसा
हिबरघुराउमैं २६१ कह्योनपरतबिनकह्योनरह्योनपर
तबड़ोसुखकहतबड़ोसोबलिदीनता। प्रभुकीबड़ाईबड़ी
आपनीछोटाईछोटीप्रभुकीपुनीतताआपनीपापपीनता।
दुहूंओरसमुझिसकुचि सहमतमनसन्मुखहोतस्वनिस्वामी
समीचीनता। नाथगुणगाथगायेहाथजोरि माथोनाये
नीचऊनिवाजेप्रीतिरीतिकीप्रवीनता। यहिदरबारहैगरब
तेसरबहानिलाभयोगक्षेमकोगरीबीमिसकीनता। मोटो
दशकंधसोंनहूबरोबिभीषणसोंबूझिपरीरावरकीप्रेम परा
धीनता। यहांकीसयानपअयानपसहससममसूझोसतिभा
यकहैंमिटतिमलीनता। गृद्धशिलाशबरीकीसुधिसबदी

नकियेहोयगीनसाईंसोंसनेहहितहीनता। सकलकामना देतनामतेरोकामतरुसुमिरतहितकलिमलकुलक्षीनता। करुणानिधानबरदानतुलसीचहत सीतापतिभक्तिसुरसरिनीरमीनता२६२ नाथनीकेकैजानिबठीकजननीयकी। रावरोनरोसोनाहकेसोप्रेम नेमलियोरुचिररहनिरुचिमतियकी। दुःकृतसुकृतबशसबहीसोंसंगपर्योपरगिपराईगतिआपनेहूकीयकी। मेरेभलेकोगोसांयोमोचकोहूंसकलकियेकहांसोंहसांचीसोयपीयकी। ज्ञानहूंगिराक स्वामीबाहरअन्तर्यामीइहांक्योंदुरैगोबातसुखकीअरुहीयकी। तुलसीतिहारोतुमहीयतुलसीकेहितराखिकहींहूंहोंतोमाखोधीयकी २६३ मेराकह्यो सुनिपुनिभावैताहिकरिसो। चारिहूंबिलोचनबिलोकतूतिलाकमहँतेरोतिहूंकालहुकोहैहितुहरिसो। नयेनयेनेहअनुभयेदेहगेहबसिपरिखेप्रपंचीप्रेमपरतिउघरिसो। सुहृदसमाजदगाबाजिहीकोसौदासूतजबजाकोकाज तबमिलौपायपरिसो। बिबुधसयानेपहिचानेकैधौंनाहींनीकेदेतएकगुणलेतकोटिगुणभरिसो। कर्मधर्मश्रमफलरघुबरबिनराखकोसोहोमहैऊसरकोसोबरिसो। आदिअन्तबीचभलोभलोकरेसबहीकोजाकोयशलोकवेदरह्योहैबगरिसो। सीतापतिसारिखोसुसाहिबशीलनिधानकैसेकलपरैशठबैठोसोबिसरिसो। जीवकोजीवनप्राणप्राणकोपरमहितप्रीतमपुनीतकृतनीबननिदरिसो। तुलसीतोकोंकृपालजोकियोकोशलपालचित्रकूटकोचरित्रचतुचितकरिसो २६४ तनशुचिमनरुचिमुखकहोंजनहौंसियपीको। केहिअभाग

जान्योनहींजोनहोयनाथसोंनातोनेहननीको। जलचाहत पावकलहैंबिषहोतअमीको । कलिकुचालसन्तन्हिकही सोइसहीमोहिंकछुकहमनतरनितमीको। जानिअन्धअंज नकहैबनबांधिनिधीको। सुनिउपचारबिकारकोशुचिचार करौंजबतबबुद्धिबलहरैहीको । प्रभुसोंकहतसकुचतहौं परौंजनिफिरिफीको । निकटबोलिबलिबरजियेपरिहरै रुयालअबतुलसिदासजड़जीको २६५ ज्योंज्यों निकट भयोचहोंकृपालत्योंत्योंदूरिपर्योहौं । तुमचहुंयुगरस एकरामहौंदूंरावरोयद्यपिअघअवगुणनिभर्योहौं। बीच पाइनीचहीकरणिकर्योहौं । हौंसुबरणकुबरणकियोनृप तेभिषारिकरिसुमतितेकुमतिकर्योहौं। अगणितगिरिका ननफिर्योबिनआगिजर्योहौं। चित्रकूटगयेमैंलखीकलि कीकुचालसबअबअपडरनिडर्योहौं। माथनाइनाथसोंक होंहाथजोरिखर्योहौं। चीन्हींचोरजियभारिहैतुलसीसो कथासुनिप्रभुसोंगुदरिबर्योहौं २६६ प्रणकरिहौंहठिआ जतेरामद्वारपर्योहौं। तूमरोयहबिनकहेउठिहौंनजन्मभ रिप्रभुकीसौंकरिनिबर्योहौं । दैदैधकायमभटथके टारे नटर्योहौं । उदरदुसहशासतिसहीबहुबारजन्मिजग नर्कनिदरिनिकर्योहौं। हौंनचलालयछांड़िहौंजेहिलागि अर्योहौं । तुमदयालबनिहैदियेबलिबिलंबनकीजियजा तगलानिगर्योहौं । प्रकटकहतजोसकुचियेअपराध भ र्योहौं। तौमनमेंअपनाइयेतुलसिहिकृपाकरिकलिबिलो किहहर्योहौं २६७ तुमअपनायो तबजानहौंजबमन फिरिपरिहै । जेहिसुभायबिषयनिलग्योतेहिसहजनाथ

सोंनेहछांड़िछलकरिहै । सुतकीप्रातिप्रतीतिमीतकीनृप ज्योंडरडरिहै । अपनोसोस्वारथस्वामीसों चहूं बिधिचा तकज्योंएकटेकतेनहिटरिहै । हरषिहैनअतिआदरैनजरि मरिहै । हानिलाभदुखसुखसबैसमचित हितअनहितक लिकुचालपरिहरिहै । प्रभुगुणसुनिमनहरषिहैनीरनय ननिढरिहै । तुलसिदासभयारामकोबिश्वासप्रेमलखिअ नन्दउमँगिउरभरिहै २६८ रामकबहुंप्रियलागिहौजैसे नीरमीनको । सुखजीवनज्योंजीवकोमणिज्योंफणिकोहि तज्योंधनलौमलीनको । ज्योंसुभायप्रियनागरीनागरन वीनको । त्योंमेरेमनलालसाकरियेकरुणाकरपावनप्रेम पीनको । मनसाकोदाताकहैश्रुतिप्रभुप्रवीणको । तुल-सीदासकोभावतोबलिजाउँदयानिधिदीनैदानदीनको । २६९ कबहुंकृपाकरिरघुबीरमोहूंचितैहौ । भलो बुरो जनआपनोजियजानिदयानिधि अवगुणअमितबितैहौ । जन्मजन्महौंमनजित्योअबमोहिंजितैहौ । हौंसनाथकै हौंसहीतुमहू अनाथपतिज्योंलघुहिनभितैहौ । बिनयक रौंअपभयहुतेतुमपरमहितैहौ । तुलसिदासकासोंकहैतुम हींसबमेरेप्रभुगुरुमातुपितैहौ २७० जैसोहौंतैसोहौंरा मरावरोजननजनिपरिहरिये । क्षमासिंधुकोशलधनीशर णागतपालकढरनिआपनीढरिये । हौंतोबिगरायलओर कोबिगरोनबिगरिये । तुमसुधारिआयेसदासबकीसबही बिधिअबमेरियोसुधरिये । जगहँसिहैंमेरेसंगरहेकतयहि डरडरिये । कपिकेवटकीन्हेंसखा जेहिशीलसरलचितते हिसुभावअनुसरिये । अपरोधीतउआवनीतुलसीनबिस

रिये। टूटियोबांकगरेपरैफूटेहूं बिलोचनपीरहोत हितक
रिये २७१ तुमजनिमनमैलोकरोलोचनजनिफेरो । सु
नहुरामबिनुरावरेलोकहुंपरलोकहुं कोउनकहूंहितमेरो ।
अगुणअलायकआलसीजानिअघनअनेरो । स्वारथ के
साथिन्हतज्योतिजराकैसोटोटकअवचटउलटिनहेरो । भ
क्तिहीनवेदबाहरोलखिकलिमलघेरो । देवनिहूं देवपरि
हरयोअन्यावनतिनकोहोंअपराधीसबकेरो । नामकीओ
टलैपेटभरतहौंपैकहावतचेरो । जगतबिदितबातहूवैपरी
समझियेधौंअपनेलोककीबेदबड़ेरो । हूवैहौंजबतबतुमइ
हिंतेतुलसीकोभलेरो । दिनदिनहूं दिनबिगरिहैबलिजा
उंबिलम्बकियेअपनाइयेसबेरो २७२ तुमतजिहौंकासों
कहौंऔरकोहितमेरे । दीनबन्धुसेवकसखा आरतअनाथ
परसहजछोहकेहिकेरे । बहुतपतितभवनिधितेरेबिनतरि
बिनबेरे । कृपाकोपसत्यभायहुंधोखेहुं तिरछेहुं रामति
हारेहिहेरे । जोचितवनिसौंघीलगंचितइयेसबेरे । तुलसि
दासअपनाइयेकीजेनढीलअबजीवनअवधिअतिनेरे२७३
जाउं कहांठौरहैकहादेवदुखितदीनको । कोकृपालस्वामी
सारिखोराखेशरणागतसबअंगबलबिहीनको । गणिहि
गुणिहिंसाहिबलहैसेवासमीचीनको । अधमअगुणआल
सन्हिकोपालबोफबिआयोरघुनायकनबीनको । मुखकै
कहौंबिदितहैजीकीप्रभुप्रबीनको । तिहुंकालतिहूं लोक
मेंएकटेकरावरीतुलसीसेमनमलीनको २७४ द्वारद्वार
दीनताकहीकाढ़िपदपरिपाहूं । हैदयालदुनीदशदिशादु
खदोषदलननक्षमकियोनसंभाषणकाहूं । तनजनेउकुटि

लकोटज्योंतज्योंमातपिताहूं । काहेकोरोषदोषकाहिधौं मेरेहीअभागमोसोंसकुचतेसबकछुइछाहूं । दूषितदेखि संतन्हकह्योशोचजनिमनमाहूं । तोसेपशुपांवरपातकी परिहरैनशरणागयेरघुबरओरनिबाहूं । तुलसीतिहारोभ येभयोसुखप्रीतिप्रतीतिबिनाहूं । नामकी महिमाशील नाथको मेरोभलोबिलोकिअबतसकुचाहुसिहाहूं २७५ कहानकियोंकहांनभयोंशीशकाहिननायों । रामरावरो बिनभयेजननजन्मिजन्मिजग दुखदशहूं दिशि दिशिपायों आशबिबशखासदासहवैमीचप्रभुनिजनायों । हाहाकरि दीनताकहीद्वारद्वारबारबारपरीनक्षारमुंहबायों । अशन बसनबिनबावरोजहँतहँउठिधायों । महिमाअरुप्रियप्राण तेतजिखोलिखलनिआगखिनखिनपेटखलायों ।नाथहाथ कछुनाहिंलग्योलालचललचायों । सांचकहौं नाचकौन सोजौनमोहिंलोभलघुनिलजनचायों । श्रवणनयनमन मंगलगेसबथलपतितायों । मूड़मारिहियहारिकैहितहे रिहहरिअबचरणशरणतकिआयों । दशरथकेसमरथतुहीं त्रिभुवनयशगायों । तुलसीमतअवलोकियेबलिबांहबो लदैबिरदावलीबुलायों २७६ रामरायबिनुरावरेमेरेको हितुसांचो । स्वामीसहितसबसोंकहोंसुनिगुणिबिशेषि कोउरेखदूसरीखांचो । देहजीवयोगकसखासृपाटाचन टांचो । कियेबिचारसारकदलीज्योंमणिकनकसंगलह लागतबीचबीचकांचो । बिनयपत्रिकादीनकीबापुआपुहीं बांचो । हियोहेरितुलसीलिखीसोसुभावसहीकरिबहुरिपूं छियहिपांचो २७७ पवनसुवनरिपुदवनभरतलाललप

नदीनकी। जिन २ अवसरसुधिकियेबलिजाउंदासआश पुजिहैखासखीनकी। राजद्वारभलीसबकहैंसाधुसमीचीन को। सुकृतसुयशसाहबकृपास्वारथपरमारथगतिभये गतिबिहीनकी। समयसंभारिसुधारिबीतुलसीमलीन की। प्रीतिरीतिसमुझायबीनतुपालकृपालुहिपरमितिप राधीनकी २७८ मारुतिमनरुचिभरतकीलखिलषनक हीहै। कलिकालहूंनाथनामसोंप्रतीतिप्रीतिएककिंकर कीनिबहीहै। सकलसभासुनिलैउठीजानीरीतिरहीहै। कृपागरीबनिवाजकीदेखतगरीबकोसाहबबांहगहीहै। बिहँसिरामकह्योसत्यहैसुधिमैंहूंलहीहै। मुदितमाथनाव तबनीतुलसीअनाथकीपरीरघुनाथसहीहै२७९ छप्पय॥ बालकांडप्रभुपायँअयोध्याकटिमनमोहै। उदरबन्योआर ण्यहृदयकिष्किन्धासोहै॥ सुंदरग्रीवमुखारबिन्दलंकाक हिगाये। जेहिमोरावणआदिनिशाचरसबैसमाये। उत्तर मस्तककांडहरिसहिबिधितुलसीदासन। आदिअन्तलौंदे खियेरामायणश्रीरामतन २८०॥

इतिश्रीमद्गोसाईंतुलसीदासकृताबिनयपत्रिकासमाप्ता॥

—※—

नाम किताब	नाम किताब	नाम किताब	नाम किताब
रामायण तु॰ कृ॰ टी॰	विनय पत्रिका बा॰ टी॰	सौदागर लीला	सत्सई
तुरतदेव कृत	शंकर चरित सुधा	रास लीला हा॰ कृ॰	सभा विलास
रामायण तु॰ कृ॰ टी॰	अनेकार्थ	नाटक	युगल विलास
रा॰ रामचरण दास	उपदेश चन्द्रिका	प्रबोध चन्द्रोदय	तुलसी शब्दार्थ प्र॰
नथा जिल्द बँधी	मंगल विनोद	रामाभिषेक	भजनावली
था मोटे अक्षरों की	विजय चन्द्रिका	आनन्द रघुनन्दन	प्रेम रत्न
नसवीरव सेवक	सिद्धान्त संग्रह	भ्रम जाल नाटक	चित्र चन्द्रिका
रामायण तुलसी॰	रामविनय शतक	वेदान्त	बारह मासा बलदेव
कृत सातों काण्ड	बारह पुराण	योग वाशिष्ट	मनोहर लहरी
१- बाल काण्ड	भविष्योत्तर पुराण	आनन्दा॰ मृत वर्षिणी	गंगा लहरी
२- अयोध्या काण्ड	स्कन्ध पुराण	संख्य तत्व कौमुदी	यमुना लहरी
३- आरण्य काण्ड	वाल्मीकीय रामा॰	काव्य	जगद्विनोद
४- किष्किन्धा कांड	यण	सूरसागर	शृंगार बत्तीसी
५- सुन्दर काण्ड	अद्भुत रामायण	कृष्ण सागर	नवीन संग्रह
६- लंका काण्ड	लिंग पुराण	विश्राम सागर	राग
७- उत्तर काण्ड	विष्णु पुराण	प्रेम सागर	राग प्रकाश
रामायण शब्दार्थ को	ब्रह्मोत्तर खण्ड	ब्रज विलास	लावनी
रामायण का इतिहास	शुक्र नीति	कृष्ण प्रिया	बीणा प्रकाश
रामायण मानस दी॰	रस दृष्टि रस चन्द्रो॰	विजय मुक्तावली	किस्सा वग़ैरह
रामायण कवितावः	दय	अनेकार्थ	नानार्थ नौ संग्रहावली
रामायण गीता स॰	सुदामा चरित्र	छन्दोर्णव पिंगल	ब्रह्मसार
भुवनेश भूषण	कृष्ण गीतावली	रसराज	शिव सिंह सरोज
विनय पत्रिका बा॰ टी॰	श्री अनुराग रस		भक्त माल

नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब
इन्द्रसभा	अवधयात्रा	दोहावली	जातकालंकार
विक्रम विलास	भरतरी गीत	बालाबोध	देवन्ना भरण
बैताल पच्चीसी	रासलीलावनागली	विद्यार्थी की प्रथम	ज्ञान स्वरोदय
सिंहासनबत्तीसी	दोहावली रत्नावली	पुस्तक	रमल सार
पद्मावती खण्ड	गोकर्णमाहात्म्य	किताब जंत्री	रमल नौ रत्न
शुक बहत्तरी	श्री गोपालसहस्रना	गणित कामधेनु	इन्द्र जाल
बकावली सुमन	कथासत्यनारायण	लीलावती	संस्कृतकीपुस्तकें
चहार दरवेश	सटीक	पटवारियों की पु	लघुकौमुदी
क़िस्सा हातिमताई	हनूनाटक	स्तक चार भाग	सिद्धान्त चन्द्रिका
अपूर्व कथा	जनक पच्चीसी	वैद्यक भाषा	भाषातत्व प्रकाश
क़िस्सा गुलसनोवर	हरिहर सगुण निर्गु	निघण्ट	पञ्चमहायज्ञ
दास्तानअमीरहमज़ा	ण पदावली	अमर विनोद	निर्णयसिंधु
सहस्र रजनी चरित्र	वनयात्रा	वैद्यजीवन	दुर्गापाठ मूल
शविन्सनका इतिहा	कायस्थवर्णनिर्णय	औषधि संग्रहक	विष्णु भागवत
सीताहरण	बिहार वृन्दावन	ल्प वल्ली	अपराधभंजनस्तोत्र
सती बिलास	समरबिहार वृन्दावन	अष्टत सागर बड़ा	कायस्थकुलभास्कर
क़िस्सा भर्द्दौरत	कल्य भाष्य	अष्टत सागर छोटा	कायस्थधर्मनिरू
संगीत प्रह्लाद	लक्ष्मीसरस्वतीस	रसायन प्रकाश	पण
मुनफ़र्रात	स्वार	वैद्य मनोत्सव	मथुरासभा
शनिश्चर की कथा	दरसी	दिल लगन	कथा यमद्वितीया
ज्ञानमाला	अक्षरावली	दुल्लाजुल्लगुर्ब्बा	दुर्गापाठसटीक
गोपीचंद भरतरी	स्वयबोध	ज्योतिषभाषा	कायस्थ ध०नि०क्रो
कथा श्रीसंतोषी	ज्ञान चालीसी	जातक चन्द्रिका	



